रांची, सोमवार
29.06.2026
वर्ष : 11, अंक : 207, पृष्ठ : 12
मूल्य : दो रूपए

बिहान भारत

रांची से प्रकाशित हिन्दी दैनिक
खबरे हमारी, विश्वास आपका

website : www.bihanbharat.org | bihanbharat@gmail.com | @bihan_bharat | Bihan Bharat | @bihanbharat | RNI NO - JHAHIN/2015/73988

झारखण्ड सरकार GOVERNMENT OF JHARKHAND
झारखण्ड 25 अनंत संभावनाओं की ओर

1,042 नव चयनित इंटर एवं स्नातक प्रशिक्षित सहायक आचार्यों का

नियुक्ति-पत्र वितरण समारोह

मुख्य अतिथि

श्री हेमन्त सोरेन
माननीय मुख्यमंत्री, झारखण्ड

विशिष्ट अतिथि

श्री राधाकृष्ण किशोर
माननीय मंत्री, वित्त विभाग, योजना एवं विकास विभाग, वाणिज्य कर विभाग एवं संसदीय कार्य विभाग, झारखण्ड

श्री संजय प्रसाद यादव
माननीय मंत्री, श्रम, नियोजन, प्रशिक्षण एवं कौशल विकास विभाग, उद्योग विभाग, झारखण्ड

29 जून, 2026 | अपराह्न 1:00 बजे
टाना भगत इंडोर स्टेडियम, खेलगांव, रांची

स्कूली शिक्षा एवं साक्षरता विभाग, झारखण्ड

स्वच्छता पखवाड़ा : सीसीएल की स्वच्छता ऑन कैनवास चित्रकला प्रतियोगिता में विद्यार्थियों ने स्वच्छता का दिया सृजनात्मक संदेश

बिभा संवाददाता

रांची। स्वच्छता, पर्यावरण संरक्षण तथा सामाजिक उत्तरदायित्व के प्रति विद्यार्थियों में जागरूकता विकसित करने के उद्देश्य से सेंट्रल कोलफील्ड्स लिमिटेड (सीसीएल) द्वारा स्वच्छता पखवाड़ा-2026 के अंतर्गत कलाकृति स्कूल ऑफ आर्ट्स, रांची के सहयोग से ह्लस्वच्छता ऑन कैनवासह्ण चित्रकला प्रतियोगिता का सफल आयोजन कलाकृति स्कूल ऑफ आर्ट्स, डोरंडा में किया गया। प्रतियोगिता में रांची के 30 विभिन्न विद्यालयों के 180 से अधिक विद्यार्थियों ने उत्साहपूर्वक भाग लेकर स्वच्छता के संदेश को अपनी रचनात्मक अभिव्यक्ति के माध्यम से प्रभावी ढंग से प्रस्तुत किया।

प्रतियोगिता का आयोजन चार आयु वर्गों में किया गया, जिसमें प्रतिभागियों ने ह्लस्वच्छ भारतझहरित भारतह्ण, ह्लमेरा स्वप्न स्वच्छ भारतह्ण, ह्लस्वच्छता ही सेवाह्ण, ह्लस्वच्छ सड़केंझस्वस्थ जीवनह्ण तथा ह्लस्वच्छता ईश्वर के निकट हैह्ण जैसे विषयों पर आकर्षक एवं कल्पनाशील चित्र बनाकर स्वच्छता, पर्यावरण संरक्षण तथा नागरिक उत्तरदायित्व के महत्व को प्रभावशाली ढंग से चित्रित किया। विद्यार्थियों की चित्रकृतियों में स्वच्छ एवं हरित भारत की परिकल्पना, प्रकृति संरक्षण तथा स्वच्छ जीवनशैली के प्रति उनकी संवेदनशील सोच स्पष्ट रूप से परिलक्षित हुई।

इस अवसर पर सीसीएल के सीएसआर विभाग से सुश्री पूजा प्रसाद (प्रबंधक, सीएसआर), श्री चंदन कुमार (प्रबंधक, सीएसआर) उपस्थित रहे। सभी ने विद्यार्थियों द्वारा तैयार की गई चित्रकृतियों का अवलोकन किया तथा उनकी रचनात्मक प्रतिभा एवं स्वच्छता के प्रति जागरूकता की सराहना की।

स्वच्छ भारत अभियान को जन-आंदोलन का स्वरूप देने में बच्चों की महत्वपूर्ण भूमिका है। कला केवल सृजनात्मक अभिव्यक्ति का माध्यम नहीं, बल्कि समाज में सकारात्मक सोच एवं व्यवहार परिवर्तन का प्रभावी साधन भी है। इस प्रकार की प्रतियोगिताएँ विद्यार्थियों में स्वच्छता, पर्यावरण संरक्षण तथा सामाजिक उत्तरदायित्व के प्रति संवेदनशीलता विकसित करने के साथ-साथ उन्हें राष्ट्र निर्माण में अपनी सक्रिय भागीदारी निभाने के लिए प्रेरित करती हैं।

इस अवसर पर कलाकृति स्कूल ऑफ आर्ट्स के निदेशक एवं कलाकार श्री धनंजय कुमार के सहित कलाकृति स्कूल ऑफ आर्ट्स के सभी शिक्षक एवं प्रशिक्षक उपस्थित रहे।

प्रतियोगिता के चारों वर्गों के विजेताओं की घोषणा की गई, जिनमें ग्रुप-ए में प्रशांत रजवार, ग्रुप-बी में विवान शौर्य, ग्रुप-सी में आर्यन मालाकार तथा ग्रुप-डी में भूमिका दत्ता ने प्रथम स्थान प्राप्त किया। सभी विजेताओं को पुरस्कार प्रदान किए गए, जबकि प्रतियोगिता में भाग लेने वाले सभी विद्यार्थियों को सहभागिता प्रमाण-पत्र एवं रंग सामग्री देकर सम्मानित किया गया।

ज्ञात हो कि 16 जून से30 जून 2026 तक संचालित स्वच्छता पखवाड़ा-2026 अंतर्गत आयोजित यह प्रतियोगिता विद्यार्थियों में स्वच्छता, पर्यावरण संरक्षण तथा सामाजिक दायित्व के प्रति जागरूकता विकसित करने की दिशा में एक प्रभावी एवं प्रेरणादायी पहल सिद्ध हुई। इस अभियान का उद्देश्य अलग अलग पहलों के माध्यम से स्वच्छ भारत के संदेश को समाज के व्यापक वर्ग तक पहुँचाना और स्वच्छता के प्रति लोगों को जागरूक करना है ।

करोड़ो की लागत से पोटका में बनेगा लाइन हब, पोटका से लेकर डुमरिया तक मिलेगी जीरो कट बिजली

बिभा संवाददाता

जमशेदपुर/पोटका। पोटका विधानसभा क्षेत्र में बिजली व्यवस्था को सुदृढ़ एवं निर्बाध बनाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण पहल करते हुए विधायक संजीव सरदार ने बिजली विभाग के कार्यपालक अभियंता के साथ जमशेदपुर परिसदन में बैठक की। बैठक में क्षेत्र की बिजली समस्याओं के स्थायी समाधान तथा विद्युत बुनियादी ढांचे को मजबूत करने के लिए व्यापक योजना पर विस्तार से चर्चा की गई। इस दौरान क्षेत्र में भविष्य की बिजली जरूरतों को ध्यान में रखते हुए नई ट्रांसमिशन व्यवस्था विकसित करने पर सहमति बनी।

बैठक में निर्णय लिया गया कि चाईबासा से आने वाली PGCIL की 400/220 केवी लाइन तथा चांडिल से आने वाली JUSNL की 400/220 केवी लाइन को जोड़ते हुए पांडरासोली में एक आधुनिक लाइन हब स्थापित किया जाना है, जिसकी लागत कई करोड़ रुपये होगी। इस परियोजना के पूरा होने के बाद क्षेत्र में लो-वोल्टेज और बार-बार होने वाली बिजली कटौती की समस्या का स्थायी समाधान होने की उम्मीद है। इसका सीधा लाभ हाता, पोटका, डुमरिया, मुसाबनी, राजनगर, और घाटशिला क्षेत्र के उपभोक्ताओं को मिलेगा, जिससे बिजली आपूर्ति अधिक गुणवत्तापूर्ण एवं भरोसेमंद होगी। बैठक के दौरान विधायक संजीव सरदार ने कहा कि पोटका विधानसभा की जनता को बेहतर, गुणवत्तापूर्ण और निर्बाध बिजली उपलब्ध कराना उनकी सर्वोच्च प्राथमिकताओं में शामिल है। उन्होंने कहा कि क्षेत्र के विकास के लिए मजबूत बिजली व्यवस्था आवश्यक है और इसी उद्देश्य से लगातार प्रयास किए जा रहे हैं। विधायक ने भरोसा जताया कि प्रस्तावित लाइन हब और नई ट्रांसमिशन व्यवस्था के क्रियान्वयन से आने वाले समय में क्षेत्र की बिजली व्यवस्था में व्यापक सुधार देखने को मिलेगा।

संक्षिप्त खबरें

पंचायत भवन चुरी में 0 से 5 वर्ष तक के बच्चों को पिलाई गई पोलियो की खुराक

खलारी(बिभा): राष्ट्रीय पल्स पोलियो अभियान के तहत रविवार को पूर्वी चुरी पंचायत भवन में 0 से 5 वर्ष तक के बच्चों को पोलियो की खुराक पिलाई गई। सुबह 8 बजे से शुरू हुए अभियान में बड़ी संख्या में अभिभावक अपने बच्चों को लेकर पहुंचे और स्वास्थ्यकर्मियों द्वारा बच्चों को पोलियो की दो बूंद दवा पिलाई गई।अभियान के दौरान स्वास्थ्य विभाग की टीम, आशा कार्यकर्ता, आंगनबाड़ी सेविका एवं सहायिका तथा पंचायत प्रतिनिधियों ने सक्रिय भागीदारी निभाई। स्वास्थ्य कर्मियों ने घर-घर और केंद्र पर पहुंचकर लोगों को जागरूक किया तथा अभिभावकों से अपील की कि कोई भी बच्चा पोलियो की खुराक से वंचित न रहे।स्वास्थ्य विभाग के अधिकारियों ने बताया कि पोलियो जैसी गंभीर बीमारी से बच्चों को सुरक्षित रखने के लिए राष्ट्रीय पल्स पोलियो अभियान के प्रत्येक चरण में 0 से 5 वर्ष तक के सभी बच्चों को पोलियो की खुराक अवश्य दिलानी चाहिए। इस दौरान अभिभावकों को नियमित टीकाकरण के महत्व की भी जानकारी दी गई।पूर्वी चुरी पंचायत भवन में आयोजित अभियान को ग्रामीणों का भरपूर सहयोग मिला। स्वास्थ्य विभाग ने अभियान को सफल बनाने में योगदान देने वाले सभी स्वास्थ्यकर्मियों, आशा एवं आंगनबाड़ी कार्यकताओं, जनप्रतिनिधियों और ग्रामीणों के प्रति आभार व्यक्त करते हुए भविष्य में भी इसी प्रकार सहयोग बनाए रखने की अपील की।

बैंगलुरू में आयोजित इंटक के कार्यकारिणी की बैठक

जमशेदपुर(बिभा) : बैंगलुरू में आयोजित इंटक की 316 वीं वर्किंग कमिटी की बैठक में टाटा मोटर्स वर्कर्स यूनियन के अध्यक्ष शशि भूषण प्रसाद एवं महामंत्री आरके सिंह हिस्सा लिये। इसमें देश भर के इंटक नेता शामिल हुये। झारखंड के प्रमुख इंटक नेताओं में विधायक अनुप सिंह, राकेश्वर पांडेय, रघुनाथ पांडेय समेत अन्य शामिल हुये। कार्यक्रम को इंटक के राष्ट्रीय अध्यक्ष डॉ जी.संजीवा रेड्डी, कनार्टक के मुख्यमंत्री डी . के. शिवकुमार समेत अन्य नेताओं ने संबोधित किया। मुख्यमंत्री डीके शिवकुमार ने सभी आगंतुक इंटक नेताओं का स्वागत किया। उन्होंने अपने संबोधन में कहा कि स्वर्गीय इंदिरा गांधी इंटक को मजबूत स्तंभों में एक मानती थी। मेरा भी मानना है कि इंटक के बदौलत पार्टी को मजबूती प्राप्त होती है। उन्होंने इंटक के क्रिया कलापों की प्रशंसा की। टाटा मोटर्स वर्कर्स यूनियन के महामंत्री आरके सिंह ने कहा कि दो दिवसीय (28 एवं 29 जून) बैठक में विभिन्न एजेंडों पर शीर्षक नेताओं के द्वारा मार्गदर्शन हुआ साथ ही भविष्य के विभिन्न कार्य योजनाओं पर चर्चा हुई।

रेलवे कॉलोनियों में पल्स पोलियो अभियान की शुरूआत, सिविल डिफेंस टीम ने बच्चों को पिलाई जीवनरक्षक खुराक

जमशेदपुर(बिभा)। राष्ट्रीय पल्स पोलियो अभियान के तहत रविवार को टाटानगर रेल सिविल डिफेंस टीम ने रेलवे क्षेत्र की विभिन्न कॉलोनियों में विशेष बूथ लगाकर शून्य से पांच वर्ष तक के बच्चों को पोलियो की खुराक पिलाई। अभियान का शुभारंभ ₹दो बूंद हर बार, पोलियो पर जीत रहे बरकरार₹ संदेश के साथ किया गया। अभियान के पहले दिन बूथ आधारित कार्यक्रम संचालित किया गया। लोको कॉलोनी, ट्रैफिक कॉलोनी, बागबेड़ा, कैरेज कॉलोनी, गोलपहाड़ी तथा रेलवे अस्पताल सहित कुल छह स्थानों पर बूथ स्थापित किए गए, जहां बड़ी संख्या में अभिभावक अपने बच्चों को लेकर पहुंचे और उन्हें पोलियो की जीवनरक्षक दवा पिलाई गई। अभियान को सफल बनाने के लिए सिविल डिफेंस टीम ने कॉलोनियों में अनाउंसमेंट कर लोगों को जागरूक किया और सभी पात्र बच्चों को बूथ पर लाकर पोलियो की खुराक दिलाने की अपील की। सुबह 8 बजे से शाम 4 बजे तक चले इस अभियान में लोगों की अच्छी भागीदारी देखने को मिली। रेलवे अस्पताल की वरिष्ठ मंडल चिकित्सा अधिकारी डॉ. पोली टारगेन ने अभियान के लिए मेडिकल किट, चार्ट एवं अन्य आवश्यक सामग्री उपलब्ध कराते हुए विभिन्न बूथों का आवंटन किया। वहीं सिविल डिफेंस के जवान वीरेंद्र कुमार, विनोद कुमार, सरस्वती मुर्मू, तेजीता समेत अन्य स्वयंसेवकों ने पूरे उत्साह के साथ अभियान को सफल बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई।

बेड़ो में राष्ट्रीय पल्स पोलियो अभियान की शुरूआत, पहले दिन 18,427 बच्चों को पिलाई गई खुराक

बिभा संवाददाता

बेड़ो: प्रखंड में रविवार को राष्ट्रीय पल्स पोलियो अभियान का शुभारंभ किया गया। अभियान का उद्घाटन विधायक प्रतिनिधि नवल सिंह, बेड़ो मुखिया, प्रभारी चिकित्सा पदाधिकारी (एमओआईसी) डॉ. सुनील जॉर्ज कंडुलना तथा बीपीएम अमिता लाल ने संयुक्त रूप से किया।

अभियान के तहत प्रखंड के सभी पोलियो बूथों पर जन्म से 5 वर्ष तक के बच्चों को पोलियो की दो बूंद जीवनरक्षक दवा पिलाई गई। साथ ही बस स्टैंड, बाजार, रेलवे स्टेशन, टेंपो स्टैंड एवं अन्य ट्रांजिट बूथों पर भी विशेष व्यवस्था की गई, ताकि यात्रा के दौरान कोई भी बच्चा पोलियो की खुराक से वंचित न रह जाए। अभियान के पहले दिन कुल 18,427 बच्चों को पोलियो की खुराक पिलाई गई।

स्वास्थ्य विभाग ने जानकारी दी कि जो बच्चे किसी कारणवश पहले दिन पोलियो की दवा नहीं पी सके हैं, उन्हें 29 एवं 30 जून को स्वास्थ्यकर्मी घर-घर जाकर पोलियो की खुराक पिलाएंगे।

इस अवसर पर एमओआईसी डॉ. सुनील जॉर्ज कंडुलना ने कहा कि वर्षों की कड़ी मेहनत और जनसहभागिता के कारण भारत पोलियो मुक्त देश बना है, लेकिन पोलियो वायरस का खतरा पूरी तरह समाप्त नहीं हुआ है। इसलिए प्रत्येक राष्ट्रीय पल्स पोलियो अभियान में सभी अभिभावकों की सक्रिय भागीदारी आवश्यक है।

उन्होंने अभिभावकों से अपील करते हुए कहा कि 0 से 5 वर्ष तक के प्रत्येक बच्चे को पोलियो की खुराक अवश्य पिलाएं तथा अपने आसपास के लोगों को भी इसके प्रति जागरूक करें, ताकि कोई भी बच्चा इस जीवनरक्षक दवा से वंचित न रहे।

हुटाप घाटी में 14 चक्का हाईवा हादसे का शिकार, टक्कर के बाद गड्ढे में उतरा वाहन, चालक सुरक्षित

बिभा संवाददाता

खलारीःखलारी थाना क्षेत्र के हुटाप घाटी के समीप रविवार की दोपहर करीब 3:30 बजे कोयला लदी एक 14 चक्का हाईवा सड़क दुर्घटना का शिकार हो गई। हादसे में वाहन बुरी तरह क्षतिग्रस्त हो गया, जबकि चालक सुरक्षित बच निकला। घटना में किसी के हताहत होने की सूचना नहीं है।

जानकारी के अनुसार, हाईवा (संख्या- जेएच02बीटी0052) मगध कोलियरी से कोयला लेकर खलारी स्थित सीमेंट फैक्ट्री की ओर जा रही थी। इसी दौरान हुटाप घाटी के पास किसी अन्य वाहन से टक्कर होने के बाद चालक वाहन पर नियंत्रण खो बैठा। अनियंत्रित हाईवा सड़क के दाहिनी ओर स्थित गड्ढे में उतर गई।हादसे के बाद चालक वाहन छोड़कर मौके से चला गया। दुर्घटना में केवल हाईवा को नुकसान पहुंचा है। घटना की सूचना मिलते ही आसपास के लोग मौके पर पहुंचे और इसकी जानकारी खलारी थाना पुलिस को दी गई। पुलिस मामले की जांच में जुट गई है।

रानीखटंगा में पारंपरिक ढंग से मनाया गया मोहर्रम, अस्त्र-शस्त्र प्रतियोगिता में मोरो अखाड़ा प्रथम

बिभा संवाददाता

इटकी : रानीखटंगा मोहर्रम कमिटी के तत्वावधान में स्टेशन मोहर्रम मैदान में मोहर्रम का पर्व रविवार को पारंपरिक रीति-रिवाज, शांति एवं सौहार्दपूर्ण वातावरण में संपन्न हुआ। इस अवसर पर आयोजित अस्त्र-शस्त्र चालन प्रतियोगिता में मोरो एवं सकरपदा के अखाड़ाधारियों ने तलवार, लाठी सहित विभिन्न पारंपरिक अस्त्र-शस्त्रों का शानदार प्रदर्शन कर दर्शकों का मन मोह लिया। प्रतियोगिता का उद्घाटन मुख्य अतिथि प्रदेश यूथ कांग्रेस महासचिव आरिफ रजा, थाना प्रभारी शिव नारायण तिवारी, आजसू जिला सचिव मुरतेजा आलम तथा रांची जिला ग्रामीण महाबीर मंडल अध्यक्ष अजीत केशरी ने पारंपरिक रूप से तलवार एवं लाठी भांजकर किया। प्रतियोगिता में उत्कृष्ट प्रदर्शन के लिए मोरो अखाड़ा को प्रथम पुरस्कार प्रदान किया गया। विजेता दल को नकद पुरस्कार देकर सम्मानित किया गया। पुरस्कार वितरण समारोह को संबोधित करते हुए अतिथियों ने कहा कि इटकी क्षेत्र में सभी धर्मों के पर्व-त्योहार गंगा-जमुनी तहजीब, आपसी प्रेम, भाईचारे एवं सौहार्द के साथ मनाए जाते हैं, जो पूरे झारखंड के लिए मिसाल है। उन्होंने कहा कि कर्बला की धरती पर हजरत इमाम हसन एवं हजरत इमाम हुसैन ने इस्लाम और इंसानियत की रक्षा के लिए सर्वोच्च बलिदान दिया था। उनकी शहादत की याद में ही मोहर्रम मनाया जाता है। अतिथियों ने लोगों से हजरत इमाम हसन एवं हुसैन के बताए अमन, इंसाफ और भाईचारे के मार्ग पर चलने का आह्वान किया। कार्यक्रम में मोहर्रम कमिटी के संरक्षक कुद्दुस अंसारी, फजल हक, खुर्शीद अंसारी, रुस्तम अंसारी, अतिकुल अंसारी, बाबू बसीर, इमरान अंसारी सहित बड़ी संख्या में गणमान्य लोग एवं क्षेत्रवासी उपस्थित थे। कार्यक्रम का सफल संचालन मोङ्क जहीरुद्दीन ने किया।

पूर्वी सिंहभूम जिला खो-खो टीमों के चयन के लिए ट्रायल संपन्न, 200 से अधिक खिलाड़ियों ने दिखाई प्रतिभा

बिभा संवाददाता

जमशेदपुरः पूर्वी सिंहभूम खो-खो एसोसिएशन के तत्वावधान में रविवार को एग्रीको स्थित ट्रांसपोर्ट मैदान में जूनियर, सब जूनियर और सीनियर वर्ग की जिला स्तरीय चयन प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। एक दिवसीय चयन ट्रायल में जिले के 16 विद्यालयों और विभिन्न क्लबों के 200 से अधिक खिलाड़ियों ने भाग लेकर अपनी खेल क्षमता का प्रदर्शन किया। खिलाड़ियों ने जिला टीम में स्थान बनाने के लिए पूरे उत्साह और जोश के साथ प्रतिस्पर्धा की।

चयन प्रतियोगिता के दौरान खिलाड़ियों की फिटनेस, तकनीकी दक्षता और खेल प्रदर्शन का मूल्यांकन किया गया। आयोजन स्थल पर प्रशिक्षकों, अभिभावकों और खेल प्रेमियों की अच्छी उपस्थिति रही। चयन प्रक्रिया को निष्पक्ष और व्यवस्थित ढंग से संपन्न कराया गया।

इस अवसर पर पूर्वी सिंहभूम खो-खो एसोसिएशन के सचिव विक्टर विजय, कोषाध्यक्ष श्याम कुमार शर्मा, संयुक्त सचिव दयाल सिंह मेहरा, सहायक सचिव अरबाज हुसैन, किरण पाट पिंगुवा, बलराम पात्र, ध्यान चन्द्र मार्डी, आकांक्षा कुमारी, उपाध्यक्ष डब्ल्यू. रहमान, तकनीकी प्रमुख एस. चटर्जी, एम. अरशद तथा विकास कुमार मौजूद रहे। सभी पदाधिकारियों ने चयन प्रक्रिया का निरीक्षण किया और खिलाड़ियों का उत्साहवर्धन किया।

प्रतियोगिता के बाद जूनियर बालक, सब जूनियर बालक एवं बालिका तथा सीनियर पुरुष एवं महिला वर्ग की जिला टीमों का चयन किया गया। जिला सचिव विक्टर विजय ने चयनित खिलाड़ियों को आगामी राज्य स्तरीय प्रतियोगिताओं की तैयारी, अनुशासन और बेहतर प्रदर्शन के लिए आवश्यक निर्देश दिए।

उन्होंने बताया कि जूनियर बालक टीम 20वीं राज्य स्तरीय खो-खो चैंपियनशिप में भाग लेने के लिए 2 जुलाई 2026 को जमशेदपुर से खूंटी रवाना होगी। यह प्रतियोगिता 3 से 5 जुलाई तक खूंटी जिला खो-खो एसोसिएशन के तत्वावधान में आयोजित होगी।

इसके अलावा सब जूनियर बालक एवं बालिका टीम 9 जुलाई को रामगढ़ जिले के रजरप्पा के लिए रवाना होगी, जहां 10 से 12 जुलाई तक 20वीं राज्य स्तरीय प्रतियोगिता आयोजित की जाएगी। सीनियर पुरुष टीम 24 से 26 जुलाई तक कोडरमा में होने वाली राज्य स्तरीय चैंपियनशिप में हिस्सा लेगी, जबकि सीनियर महिला टीम 21 से 23 अगस्त तक बोकारो में आयोजित राज्य स्तरीय प्रतियोगिता में पूर्वी सिंहभूम का प्रतिनिधित्व करेगी।

जिला सचिव विक्टर विजय ने बताया कि चयनित खिलाड़ियों की अंतिम सूची जल्द जारी कर दी जाएंगी

साहित्यिक परिचर्चा के साथ तुलसी जयंती समारोह का शुभारंभ

बिभा संवाददाता

जमशेदपुर। सिंहभूम जिला हिन्दी साहित्य सम्मेलन/तुलसी भवन संस्थान द्वारा डेढ माह से ज्यादा चलने वाले 'तुलसी जयंती समारोह' के अन्तर्गत रविवार,28 जून को अपराह्न 4 बजे से संस्थान के मानस सभागार में साहित्यकारों के लिए 'साहित्यिक परिचर्चा' कार्यक्रम आयोजित की गई। जिसके अन्तर्गत ₹स्वातंत्र्योत्तर काल में हिन्दी साहित्य में राष्ट्रीय भाव₹ विषय पर साहित्यकारों ने अपने विचार व्यक्त किये। यह आयोजन साहित्यकारों के बीच एक स्वस्थ प्रतियोगिता के रुप में सम्पन्न की गई। कार्यक्रम की अध्यक्षता संस्थान के उपाध्यक्ष राम नन्दन प्रसाद तथा संचालन प्रसन्न वदन मेहता ने किया । इस अवसर पर अतिथि सह निर्णायक द्वय के रूप में पटना से पधारे अखिल भारतीय भोजपुरी साहित्य सम्मेलन के कार्यकारी अध्यक्ष भगवती प्रसाद द्विवेदी तथा रॉची विश्वविद्यालय के पूर्व हिन्दी विभागाध्यक्ष डॉङ्क जंग बहादुर पाण्डेय उपस्थित रहे । कार्यक्रम के आरंभ में स्वागत वक्तव्य संस्थान के मानद महासचिव डॉङ्क प्रसेनजित तिवारी तथा विषय परिवेश साहित्य समिति की मार्गदर्शिका डॉङ्क रागिनी भूषण ने प्रस्तुत किया। कार्यक्रम के अंत में धन्यवाद ज्ञापन डॉ अजय ओझा ने दिया।

कार्यक्रम का आरंभ मां सरस्वती तथा गोस्वामी तुलसीदास के चित्र के समक्ष दीप प्रज्जवलन एवं पुष्पार्पण कर किया गया। तत्पश्चात कार्यक्रम में उपासना सिन्हा के सरस्वती वंदना के बाद परिचर्चा का दौर आरम्भ हुआ । जिसमें भाग लेने वाले साहित्यकारों में सर्वश्री यमुना तिवारी 'व्यथित', वसंत जमशेदपुरी, डॉङ्क अरुण कुमार शर्मा,रीना गुप्ता, जोबा मुर्मू, ब्रजेंद्रनाथ मिश्र, अजय प्रजापति, डॉङ्क वीणा पाण्डेय भारती, माधवी उपाध्याय, अशोक पाठक स्नेही, डॉङ्क अजय कुमार ओझा, उपासना सिन्हा, सूरज सिंह राजपूत, पूनम महानन्द, राजेन्द्र शाह राज, नीलिमा पाण्डेय, शकुंतला शर्मा, प्रणति शरण पिंकी, धर्म चन्द्र पोद्दार, मनीष सिंह वंदन, डॉङ्क सुनीता बेदी, डॉङ्क नरेंद्र कुमार सिंह, प्रेमलता कुमारी , डॉङ्क अनिता निधि, रीति झा, माधुरी मिश्रा एवं अन्य कई साहित्यकार प्रमुख रहे ।

इटकी में इस्लाहुल इराकीन (कलाल) कमिटी का चुनाव शांतिपूर्ण सम्पन्न 2122 मतदाताओं ने किया मतदान

बिभा संवाददाता

इटकी : प्रखंड के प्रतिष्ठित सामाजिक संगठन इस्लाहुल इराकीन (कलाल) कमिटी के शीर्ष चार पदों के लिए रविवार को शांतिपूर्ण एवं उत्साहपूर्ण माहौल में मतदान सम्पन्न हो गया। चुनाव को लेकर सुबह से ही मतदाताओं में खासा उत्साह देखने को मिला। मतदान सुबह 8:00 बजे शुरू हुआ, जो शाम 5:00 बजे तक निर्बाध रूप से चलता रहा। कमिटी के चार प्रमुख पदों के लिए कुल 9 उम्मीदवार चुनाव मैदान में हैं, जिनका भाग्य अब मतपेटी में बंद हो गया है। चुनाव में विभिन्न पदों पर कड़ा एवं दिलचस्प मुकाबला देखने को मिला। सदर पद के लिए अकील अहमद, हाजी मो इम्तेयाज एवं मो शाहनवाज मिस्टर के बीच त्रिकोणीय मुकाबला है। वहीं नायब सदर पद पर मोङ्क इमबेशात आलम और परवेज आलम आमने-सामने हैं। सेक्रेटरी पद के लिए अल्हाज मोइनुद्दीन एवं अब्दुल्लाह सरफ के बीच सीधी टक्कर है। जबकि नायब सेक्रेटरी पद पर शाहिद जावेद कैप्टन और मो साजिद अपनी किस्मत आजमा रहे हैं। चुनाव में कुल लगभग 2200 मतदाताओं में से 2122 मतदाताओं ने अपने मताधिकार का प्रयोग किया, जो मतदान के प्रति लोगों की जागरूकता और संगठन के प्रति विश्वास को दर्शाता है। समाचार लिखे जाने तक मतगणना का कार्य प्रारंभ नहीं हुआ था। संभावना जताई जा रही है कि रात्रि लगभग 11 बजे तक सभी पदों के चुनाव परिणाम घोषित कर दिए जाएंगे। चुनाव शांतिपूर्ण ढंग से सम्पन्न होने पर संगठन के सदस्यों एवं मतदाताओं ने संतोष व्यक्त किया।

रांची, सोमवार
29.06.2026
वर्ष : 11, अंक : 207, पृष्ठ : 12
मूल्य : दो रूपए

बिहान भारत

रांची से प्रकाशित हिन्दी दैनिक
खबरें हमारी, विश्वास आपका

website : www.bihanbharat.org | bihanbharat@gmail.com | @bihan_bharat | Bihan Bharat | @bihanbharat | RNI NO - JHAHIN/2015/73988

संक्षिप्त खबरें

मादक पदार्थों की लत राष्ट्र के विकास के लिए गंभीर खतरा : उपराष्ट्रपति

बेंगलुरु। उपराष्ट्रपति सीपी राधाकृष्णन ने कहा कि मादक पदार्थों की लत केवल व्यक्ति के स्वास्थ्य के लिए ही नहीं, बल्कि शिक्षा, उत्पादकता, सामाजिक समरसता और राष्ट्र के विकास के लिए भी गंभीर खतरा है। उपराष्ट्रपति रविवार को बेंगलुरु में राजीव गांधी स्वास्थ्य विज्ञान विश्वविद्यालय के 31वें स्थापना दिवस पर आयोजित 'नशा मुक्त भारत' सम्मेलन को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि नशामुक्त समाज के निर्माण के लिए सरकार, शैक्षणिक संस्थानों, अभिभावकों और नागरिकों को मिलकर कार्य करना होगा। उपराष्ट्रपति ने कहा कि मादक पदार्थों के दुष्प्रभावों के प्रति समाज में व्यापक जनजागरूकता पैदा करना और युवाओं को स्वस्थ जीवनशैली अपनाने के लिए प्रेरित करना समय की सबसे बड़ी आवश्यकता है। कार्यक्रम में कर्नाटक के राज्यपाल थावरचंद गहलोत, कर्नाटक के मुख्यमंत्री डीके शिवकुमार, आंध्र प्रदेश के राज्यपाल न्यायमूर्ति (सेवानिवृत्त) एस. अब्दुल नजीर सहित अनेक गणमान्य व्यक्ति उपस्थित थे।

सऊदी अरब के रास तनुरा में हेलिकॉप्टर दुर्घटनाग्रस्त, 14 लोगों की मौत

रियाद। सऊदी अरब की प्रमुख तेल कंपनी अरामको का एक हेलिकॉप्टर रविवार सुबह रास तनुरा में दुर्घटनाग्रस्त हो गया। हादसे में हेलिकॉप्टर में सवार सभी 14 लोगों की मौत हो गई। तुर्किए की सरकारी संवाद समिति अनाडोलू एजेंसी ने सऊदी अरब की सरकारी समाचार एजेंसी एसपीए और ऊर्जा मंत्रालय के एक अधिकारी के हवाले से बताया कि मृतकों में सभी सऊदी नागरिक थे। दुर्घटना स्थानीय समयानुसार सुबह करीब छह बजे हुई। हादसे के कारणों का अभी तक पता नहीं चला है। ऊर्जा मंत्रालय के अनुसार, दुर्घटना की वजह का पता लगाने के लिए संबंधित अधिकारियों ने विस्तृत जांच शुरू कर दी है। वहीं, अरामको ने घटना पर तत्काल कोई आधिकारिक टिप्पणी नहीं की है। रास तनुरा, खाड़ी के किनारे सऊदी अरब के पूर्वी तट पर स्थित देश के सबसे प्रमुख तेल रिफाइनिंग और निर्यात केंद्रों में से एक है। इसी टर्मिनल पर अरामको ने लगभग चार महीने के अंतराल के बाद शुक्रवार को कच्चे तेल की लोडिंग दोबारा शुरू की थी।

मुख्यमंत्री पत्नी संग पहुंचे जोन्हा फॉल, प्राकृतिक वादियों का लिया आनंद

बिभा संवाददाता

रांची। मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन रविवार को पत्नी कल्पना सोरेन और परिवार और करीबी मित्रों के साथ प्रसिद्ध पर्यटन स्थल जोन्हा फॉल पहुंचे। उनके साथ सिल्ली की पूर्व विधायक सीमा महतो भी मौजूद थीं। करीब छह घंटे तक उन्होंने जोन्हा फॉल में समय बिताया और प्राकृतिक सौंदर्य का आनंद लिया।
उन्होंने सोशल मीडिया पर अपनी यात्रा की तस्वीरें साझा करते हुए लिखा कि हरी-भरी वादियों के बीच कुछ सुकून भरे पल बिताने का अवसर मिला। इस दौरान उन्होंने स्थानीय फलों का स्वाद लिया और

आसपास के लोगों से बातचीत भी की।
मुख्यमंत्री ने अपने संदेश में कहा कि जोन्हा फॉल की निर्मल जलधारा,

घने जंगलों की हरियाली और पहाड़ों का शांत सौंदर्य यह एहसास कराता है कि झारखंड प्रकृति का अनुपम उपहार है। उन्होंने कहा कि राज्य की यह प्राकृतिक धरोहर सभी की साझी विरासत है, जिसे संरक्षित और सुरक्षित रखना हम सबकी सामूहिक जिम्मेदारी है।
हेमंत सोरेन ने लिखा कि झारखंड के किसी भी हिस्से में जाएं, प्रकृति अपने अलग-अलग रंगों में हर आगंतुक का स्वागत करती है। उन्होंने देशभर के पर्यटकों को झारखंड आने का आमंत्रण देते हुए कहा कि राज्य की प्राकृतिक सुंदरता, संस्कृति और आतिथ्य का अनुभव हर सैलानी के लिए यादगार रहेगा। जोन्हा फॉल के मनोरम दृश्य को निहारते हुए कल्पना सोरेन ने कहा कि यहां की प्राकृतिक सुंदरता उन्हें बार-बार अपनी ओर आकर्षित करती है।
इस दौरान कल्पना सोरेन ने झरने के मनमोहक दृश्य के बीच तस्वीरें और सेल्फी भी लीं और आसपास के प्राकृतिक वातावरण का आनंद उठाया।
उनके दौरे को देखते हुए प्रशासन ने सुरक्षा के व्यापक इंतजाम किए थे। सुरक्षा कारणों से कुछ समय के लिए जोन्हा फॉल जाने वाले दोनों मार्गों पर आम पर्यटकों की आवाजाही रोक दी गई। रविवार होने के कारण बड़ी संख्या में पर्यटक फॉल घूमने पहुंचे थे, लेकिन प्रवेश प्रतिबंधित होने से कई लोगों को लौटना पड़ा।

भारत और सेशेल्स के बीच रक्षा, यूपीआई समेत 19 करार, हिंद महासागर में मजबूत होगी दोस्ती

एजेंसी

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने रविवार को सेशेल्स स्टेट हाउस में राष्ट्रपति डॉ. पैट्रिक हर्मिनी के साथ आधिकारिक बातचीत की। इस दौरान दोनों नेताओं ने हिंद महासागर क्षेत्र में शांति, समृद्धि और टिकाऊ विकास के लिए साझा प्रतिबद्धता को फिर दोहराया। इस दौरान सेशेल्स में यूपीआई लाने, संपर्क बढ़ाने और सस्ती दवाएं उपलब्ध कराने से जुड़े समझौते हुए।
विदेश मंत्रालय के अनुसार प्रधानमंत्री और राष्ट्रपति हर्मिनी ने भारत और सेशेल्स की लंबे समय से चली आ रही साझेदारी को फिर से दोहराया और विकास साझेदारी, स्वास्थ्य, बुनियादी ढांचे, आर्थिक सहयोग, समुद्री सुरक्षा और लोगों के बीच आपसी संबंधों के क्षेत्रों में सहयोग पर चर्चा की। दोनों नेताओं ने इस साल की शुरूआत में

राष्ट्रपति हर्मिनी की भारत यात्रा के दौरान तय हुई बातों को लागू करने में हुई प्रगति का स्वागत किया, जिसमें 17.5 करोड़ अमेरिकी डॉलर के विशेष आर्थिक पैकेज के तहत चल रही परियोजनाएं भी शामिल हैं।
दोनों नेता स्वास्थ्य सेवा, कृषि, डिजिटल भुगतान, समुद्री सहयोग, विकास साझेदारी, अंतरिक्ष सहयोग, कानूनी सहयोग और क्षमता निर्माण के क्षेत्रों में सहयोग को और गहरा करने के लिए कई समझौता ज्ञापनों और समझौतों के आदान-प्रदान के साक्षी बने।
दोनों पक्षों ने भारत और सेशेल्स के बीच राजनयिक संबंधों के 50 साल पूरे होने के उपलक्ष्य में एक यादगार लोगो भी लॉन्च किया। दोनों नेता सेशेल्स में प्रोफेशनल और टेक्निकल एजुकेशन सेंटर की आधारशिला रखे जाने के कार्यक्रम में वर्चुअल रूप से शामिल हुए।
प्रधानमंत्री मोदी ने वार्ता के बाद साझा प्रेस वक्तव्य में कहा, सेशेल्स की यात्रा का संदेश स्पष्ट है। भारत ऐसे हिंद महासागर की कल्पना करता है, जहाँ समुद्री सुरक्षा के साथ आर्थिक समृद्धि भी बढ़े। जहाँ हमारी साझेदारी आकार नहीं, आपसी सम्मान और विश्वास पर आधारित हो। जहाँ हम हर देश के पास-पास नहीं, साथ-साथ चलें।
प्रधानमंत्री ने बताया कि जन औषधि पर किए गए करार से सेशेल्स के लोगों को गुणवत्तापूर्ण एवं किफायती दवाएं और उपलब्ध कराने में सहायता मिलेगी। इसके अलावा यूपीआई को सेशेल्स में लागू करने के लिए समझौता किया जा रहा है। वहीं, भारत और सेशेल्स के बीच संपर्क बढ़ाने पर भी काम किया जाएगा।

प्रधानमंत्री मोदी को सेशेल्स का गार्जियन ऑफ द ब्लू होराइजन सम्मान

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी को एक खास समारोह में रविवार को सेशेल्स के राष्ट्रपति डॉ. पैट्रिक हर्मिनी ने प्रतिष्ठित सम्मान ह्यगार्जियन ऑफ द ब्लू होराइजनह्ण से सम्मानित किया। यह सम्मान प्रधानमंत्री को उनकी ग्रीन लीडरशिप (पर्यावरण-अनुकूल नेतृत्व), विकासशील देशों के हितों को आगे बढ़ाने की कोशिशों और 'ब्लू इकोनॉमी' (समुद्री अर्थव्यवस्था), जलवायु कार्रवाई, समुद्री संसाधनों के टिकाऊ प्रबंधन और छोटे द्वीपीय विकासशील देशों की विकास संबंधी आकांक्षाओं को बढ़ावा देने की उनकी लंबे समय से चली आ रही प्रतिबद्धता के लिए दिया गया है। यह पहली बार है जब यह खास सम्मान दिया गया है।

ईडी ने पूर्व मंत्री रामेश्वर उरांव और उनके बेटे को पूछताछ के लिए भेजा समन

बिभा संवाददाता

रांची। प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने झारखंड के पूर्व वित्त मंत्री रामेश्वर उरांव और उनके पुत्र रोहित उरांव को पूछताछ के लिए समन जारी किया है। ईडी ने रोहित उरांव को 29 जून को सुबह 11 बजे रांची स्थित अपने क्षेत्रीय कार्यालय में उपस्थित होने का निर्देश दिया है, जबकि रामेश्वर उरांव को 30 जून को पूछताछ के लिए बुलाया गया है।
यह कार्रवाई योगेंद्र तिवारी से जुड़े शराब कारोबार और उससे संबंधित वित्तीय अनियमितताओं की जांच के सिलसिले में की जा रही है। ईडी इस मामले में विभिन्न पहलुओं की जांच कर रही है और इसी क्रम में दोनों को पूछताछ के लिए तलब किया गया है।
इससे पहले जांच के दौरान ईडी ने योगेंद्र तिवारी से जुड़े शराब कारोबार मामले में तत्कालीन मंत्री रामेश्वर उरांव, उनके पुत्र रोहित उरांव तथा अन्य संबंधित लोगों के ठिकानों पर छापेमारी भी की थी। जांच एजेंसी को छापेमारी और दस्तावेजों की जांच के दौरान कई महत्वपूर्ण जानकारियां मिली थीं। ईडी की जांच में यह भी सामने आया था कि रोहित उरांव की ओर से शराब के व्यापार के लिए एक एकरारनामा किया गया था। हालांकि जांच एजेंसी के अनुसार, इस एकरारनामे के बावजूद रोहित उरांव ने शराब के कारोबार में वास्तविक रूप से प्रवेश नहीं किया था।
जांच एजेंसी यह भी पड़ताल कर रही है कि वर्ष 2022 की नई उत्पाद नीति लागू होने से पहले राज्य में शराब के थोक कारोबार में योगेंद्र तिवारी से जुड़ी कंपनियों की क्या भूमिका थी। ईडी के अनुसार, उस समय झारखंड के अधिकांश जिलों में योगेंद्र तिवारी से संबंधित कंपनियों के पास शराब के थोक व्यापार के लाइसेंस थे।
ईडी अब पूछताछ के दौरान उपलब्ध दस्तावेजों, वित्तीय लेनदेन और अन्य साक्ष्यों के आधार पर मामले की कड़ियों को जोड़ने का प्रयास करेगी। मामले में जांच अभी जारी है और एजेंसी ने आगे भी आवश्यक कार्रवाई के संकेत दिए हैं।

यूरोप में रिकॉर्ड हीटवेव: फ्रांस में अबतक करीब 1,000 लोगों की मौत, डब्ल्यूएचओ ने की 1,300 से अधिक मौतों की पुष्टि

एजेंसी

पेरिस। पश्चिमी यूरोप में रिकॉर्ड तोड़ गर्मी का असर लगातार गंभीर होता जा रहा है। फ्रांस की राष्ट्रीय सार्वजनिक स्वास्थ्य एजेंसी (पब्लिक हेल्थ फ्रांस) ने रविवार को बताया कि 24 जून से अब तक देश में अबतक लगभग 1,000 लोगों की मौत दर्ज की गई है। एजेंसी ने कहा कि यह आंकड़ा शुरूआती है और अंतिम संख्या इससे अधिक हो सकती है।
फ्रांस की अंतरराष्ट्रीय समाचार टेलीविजन नेटवर्क फ्रांस24 व अन्य मीडिया रिपोर्ट्स में स्वास्थ्य एजेंसी के हवाले से बताया गया है कि कुल मौतों में करीब 85 प्रतिशत लोग 65 वर्ष या उससे अधिक आयु के थे। सबसे अधिक प्रभाव उन क्षेत्रों में देखा गया, जहां भीषण गर्मी को लेकर रेड अलर्ट जारी किया गया था। घरों में होने वाली मौतों में भी उल्लेखनीय वृद्धि दर्ज की गई है, विशेष रूप से इले-डी-फ्रांस क्षेत्र में, जिसमें पेरिस और उसके आसपास के इलाके शामिल हैं। स्वास्थ्य एजेंसी ने लोगों से अकेले रहने वाले बुजुर्गों और कमजोर वर्गों की सहायता करने की अपील करते हुए कहा कि भीषण गर्मी के दौरान सामाजिक सहयोग बेहद जरूरी है।
इस बीच, विश्व स्वास्थ्य संगठन (डब्ल्यूएचओ) ने बताया कि 21 जून से यूरोप में रिकॉर्ड हीटवेव के कारण 1,300 से अधिक मौतें दर्ज की गई हैं। डब्ल्यूएचओ के महानिदेशक टेड्रोस एडनॉम घेब्रेयेसस ने हीट स्ट्रेस को साइलेंट किलर बताते हुए यूरोपीय देशों से प्रभावी हीट हेल्थ एक्शन प्लान लागू करने का आग्रह किया। यूरोप के कई देशों में भीषण गर्मी के नए रिकॉर्ड बने हैं। चेक गणराज्य में तापमान 41.1 डिग्री सेल्सियस तक पहुंच गया, जबकि जर्मनी में लगभग 150 वर्षों में सबसे गर्म रात दर्ज की गई। मौसम विशेषज्ञों के अनुसार, रविवार को यूरोप में करीब 19 करोड़ लोग 35 डिग्री सेल्सियस या उससे अधिक तापमान का सामना कर रहे हैं।

रिम्स की जमीन अतिक्रमण मामले में बिल्डर शुभम साबू गिरफ्तार, अन्य आरोपितों की तलाश जारी

बिभा संवाददाता

रांची। भ्रष्टाचार निरोधक ब्यूरो (एसीबी) ने राजेंद्र आयुर्विज्ञान संस्थान (रिम्स) की सरकारी जमीन पर अतिक्रमण कर अपार्टमेंट निर्माण और बिक्री से जुड़े मामले में रविवार को बिल्डर शुभम साबू को गिरफ्तार कर लिया। शुभम साबू की कंपनी लकी ग्रुप पर रिम्स की सरकारी भूमि पर अवैध निर्माण कर फ्लैटों की बिक्री करने का आरोप है। मामले में अन्य आरोपितों की गिरफ्तारी के लिए एसीबी की टीम लगातार छापेमारी कर रही है।
जांच एजेंसी के अनुसार, लकी ग्रुप ने अरगोड़ा-कटहल मोड़ रोड क्षेत्र में कई बहुमंजिला अपार्टमेंट का निर्माण किया है, जबकि कुछ परियोजनाओं पर निर्माण कार्य जारी है। एसीबी अब कंपनी की भूमिका के साथ-साथ इस मामले में अन्य संबंधित व्यक्तियों और अधिकारियों की संलिप्तता की भी जांच कर रही है।
उल्लेखनीय है कि रिम्स की सरकारी जमीन पर अतिक्रमण कर बहुमंजिला अपार्टमेंट और मकानों का निर्माण किए जाने के मामले को लेकर झारखंड उच्च न्यायालय में जनहित याचिका दायर की गई थी। न्यायालय के निर्देश पर जिला प्रशासन ने सरकारी भूमि पर निर्मित अवैध निर्माणों को ध्वस्त कराया था। सुनवाई के दौरान उच्च न्यायालय ने टिप्पणी की थी कि इतने बड़े पैमाने पर सरकारी जमीन पर अतिक्रमण संबंधित अधिकारियों की मिलीभगत के बिना संभव नहीं प्रतीत होता। इसके बाद न्यायालय ने पूरे मामले की जांच भ्रष्टाचार निरोधक ब्यूरो (एसीबी) को सौंपने का निर्देश दिया था।
जांच के क्रम में एसीबी ने अंचल कार्यालय के तत्कालीन अधिकारियों, बिल्डरों और कथित बिचौलियों के विरुद्ध प्राथमिकी दर्ज की थी। जांच में यह भी सामने आया कि अवैध निर्माण कार्यों पर लगभग 14 करोड़ रुपये खर्च किए गए थे। आरोप है कि सरकारी जमीन की खरीद-बिक्री के लिए फर्जी दस्तावेज और जाली वंशावली का उपयोग किया गया।
एसीबी के अनुसार, मामले के एक अन्य आरोपित प्रमोद महतो की तलाश जारी है। उसके विरुद्ध अदालत से गिरफ्तारी वारंट भी जारी हो चुका है। जांच एजेंसी का कहना है कि पूरे मामले में शामिल सभी व्यक्तियों की भूमिका की जांच की जा रही है और साक्ष्यों के आधार पर उनके विरुद्ध विधिसम्मत कार्रवाई की जाएगी।

मन की बात: प्रधानमंत्री ने गिनाईं आत्मनिर्भर भारत की उपलब्धियां, जनभागीदारी को बताया देश की सबसे बड़ी ताकत

एजेंसी

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने रविवार को मासिक रेडियो कार्यक्रम मन की बात में कहा कि जून का महीना भारत के लिए रक्षा क्षेत्र में आत्मनिर्भरता, विमानन क्षेत्र की नई उपलब्धियों, योग की वैश्विक स्वीकार्यता, जनभागीदारी, सामाजिक सुरक्षा, पर्यावरण संरक्षण और सांस्कृतिक विरासत के संरक्षण जैसे अनेक प्रेरणादायक प्रयासों का साक्षी रहा है। उन्होंने कहा कि देश के विभिन्न हिस्सों में हो रहे सकारात्मक बदलाव विकसित और आत्मनिर्भर भारत के संकल्प को नई शक्ति प्रदान कर रहे हैं।
प्रधानमंत्री ने रविवार को मन की बात के 135वें एपिसोड में देशवासियों को संबोधित करते हुए कहा कि वर्ष 2026 का आधा समय पूरा होने जा रहा है और बीते छह महीनों के दौरान देश ने अनेक क्षेत्रों में उल्लेखनीय उपलब्धियां हासिल की हैं। जून का महीना विशेष रूप से ऐसी सफलताओं और जनआंदोलनों का साक्षी रहा है, जिन्होंने भारत की सामरिक क्षमता, तकनीकी दक्षता, सामाजिक चेतना और वैश्विक प्रतिष्ठा को और मजबूत किया है।
प्रधानमंत्री ने कहा कि पश्चिम एशिया में उत्पन्न युद्ध जैसी परिस्थितियों के बीच देशवासियों ने जिस जिम्मेदारी और जागरूकता का परिचय दिया है, वह भारत की सामूहिक शक्ति को दर्शाता है। सोने की खरीदारी सीमित करने, विदेश यात्राएं टालने, कार पूलिंग अपनाने और प्राकृतिक खेती को बढ़ावा देने संबंधी उनकी अपील को लोगों ने सकारात्मक रूप से स्वीकार किया है। राष्ट्रीय हित के मुद्दों पर देश एकजुट होकर कार्य करने के लिए सदैव तैयार रहता है।

प्रधानमंत्री ने कहा कि अनेक परिवारों ने विवाह जैसे आयोजनों में नया सोना खरीदने के बजाय पुराने आभूषणों को पुनर्चक्रित कर उपयोग करने का निर्णय लिया है। बड़ी संख्या में लोगों ने अपनी विदेश यात्राएं स्थगित की हैं और सार्वजनिक परिवहन को प्राथमिकता दी है। लोग कार पूलिंग को अपना रहे हैं, जिससे पेट्रोल और डीजल की बचत हो रही है। विभिन्न राज्यों से प्राकृतिक उर्वरकों के उपयोग में वृद्धि की रिपोर्ट भी प्राप्त हो रही है।
उन्होंने कहा कि हाल ही में उन्हें कोलकाता में नौसेना से जुड़े एक महत्वपूर्ण कार्यक्रम में शामिल होने का अवसर मिला। आईएनएस दूनागिरी, आईएनएस संशोधक और आईएनएस अग्रय को भारतीय नौसेना के बेड़े में शामिल किया गया है। इन युद्धपोतों की डिजाइनिंग से लेकर निर्माण तक का संपूर्ण कार्य भारत में हुआ है। यह उपलब्धि केवल रक्षा क्षेत्र की सफलता नहीं, बल्कि भारत की तकनीकी क्षमता, इंजीनियरिंग कौशल और आत्मनिर्भरता का भी प्रमाण है।
प्रधानमंत्री ने कहा कि जून में देश ने विमानन क्षेत्र में भी एक ऐतिहासिक उपलब्धि हासिल की।मेड इन इंडिया सी-295 परिवहन विमान ने अपनी पहली सफल उड़ान पूरी की है। ऐसे 40 विमान भारत में ही निर्मित किए जा रहे हैं। इससे देश के एमएसएमई क्षेत्र, एयरोस्पेस उद्योग और कौशल विकास को नई गति मिल रही है। साथ ही, युवाओं के लिए रोजगार के नए अवसर भी सृजित हो रहे हैं।
उन्होंने कहा कि इसी महीने डीआरडीओ ने स्वदेशी लॉन्ग रेंज लैंड अटैक क्रूज मिसाइल का सफल परीक्षण किया है। यह उपलब्धि डीआरडीओ और भारतीय उद्योग जगत के साझा प्रयासों का परिणाम है। इससे भारत की रक्षा क्षमता और अधिक मजबूत हुई है तथा देश समुद्र से लेकर आकाश तक अपनी सुरक्षा को और सशक्त बनाने की दिशा में आगे बढ़ रहा है।
प्रधानमंत्री ने कहा कि भारतीय संस्कृति दुनिया के दूरस्थ क्षेत्रों तक पहुंच रही है। डोमिनिकन रिपब्लिक में ब्रह्मकमल डोमिनिकाना नामक समूह के सदस्य वैदिक साहित्य का अध्ययन कर रहे हैं और वैदिक मंत्रों का उच्चारण सीख रहे हैं। यह भारत की सांस्कृतिक शक्ति और वैश्विक प्रभाव का प्रमाण है।
प्रधानमंत्री ने कहा कि मेघालय के जीवित जड़ पुल भारत की अद्वितीय धरोहर हैं। दशकों की मेहनत से तैयार ये पुल प्रकृति और मानव के बीच संतुलन का अद्भुत उदाहरण प्रस्तुत करते हैं। भारत ने इन्हें यूनेस्को विश्व धरोहर सूची में शामिल कराने के लिए आवेदन किया है। प्रधानमंत्री ने कहा कि स्थानीय समुदाय 120 से अधिक जड़ पुलों के संरक्षण का कार्य कर रहे हैं। उन्होंने पद्म सम्मान से सम्मानित हाली वार के योगदान का भी उल्लेख किया, जिन्होंने अपना जीवन इन पुलों के संरक्षण को समर्पित किया है।

समुद्री मार्गों पर खतरे की स्थिति में कार्रवाई करेगा अमेरिका: माइक वॉल्ट्ज

एजेंसी

वॉशिंगटन । अमेरिका ने एक बार फिर ईरान को चेतावनी देते हुए कहा है कि यदि उसने होर्मुज जलडमरूमध्य में अंतरराष्ट्रीय समुद्री यातायात को बाधित करने या क्षेत्रीय सुरक्षा को प्रभावित करने की कोशिश की, तो वाशिंगटन आवश्यक होने पर सैन्य कार्रवाई से पीछे नहीं हटेगा।
संयुक्त राष्ट्र में अमेरिका के राजदूत माइक वॉल्ट्ज ने एक टेलीविजन कार्यक्रम में कहा कि यदि ईरान अंतरराष्ट्रीय जलमार्गों में जहाजों की आवाजाही को प्रभावित करने का प्रयास करता है या अमेरिकी ठिकानों को निशाना बनाता है, तो अमेरिका जवाबी कदम उठाने के लिए तैयार है।
उन्होंने कहा कि अंतरराष्ट्रीय समुद्री मार्गों की सुरक्षा वैश्विक व्यापार और ऊर्जा आपूर्ति के लिए अत्यंत महत्वपूर्ण है। अमेरिका इन मार्गों की स्वतंत्र आवाजाही सुनिश्चित करने के लिए आवश्यक कदम उठाता रहेगा।
वॉल्ट्ज ने यह भी कहा कि अमेरिका और ईरान के बीच तकनीकी स्तर पर बातचीत जारी है और राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप कूटनीतिक समाधान के लिए अवसर देना चाहते हैं। हालांकि उन्होंने संकेत दिया कि बातचीत के लिए समय और धैर्य की भी एक सीमा होती है।

अमेरिका ने होर्मुज जलडमरूमध्य में ईरान के 10 सैन्य ठिकानों पर किया हमला: सेंटकॉम

मॉस्को : अमेरिका की सेंट्रल कमांड (सेंटकॉम) ने कहा कि अमेरिका की सेना ने शनिवार रात होर्मुज जलडमरूमध्य और उसके आस-पास ईरान के 10 सैन्य ठिकानों पर हमला किया। यह कार्रवाई एक वाणिज्यिक जहाज पर ईरान के कथित हमले के जवाब में की गई। कमांड ने ह्यएक्सह्ण पर कहा, ₹अमेरकी नेवी और वायु सेना के लड़ाकू जहाजों ने आज रात होर्मुज जलडमरूमध्य और उसके आस-पास कई जगहों पर ईरान के 10 सैन्य ठिकानों पर हमले किए।

एसडीओ चास की औचक छापेमारी में अवैध पेट्रोल-डीजल एवं इथेनॉल भंडारण एवं कारोबार का भंडाफोड़

भारी मात्रा में पेट्रोल-डीजल-ईथोनाल बरामद

बिभा संवाददाता

बोकारो। रविवार को अनुमंडल पदाधिकारी (चास) श्रीमती प्रांजल ढांडा के नेतृत्व में कार्यपालक दंडाधिकारी श्रीमती जया कुमारी, सेक्टर 12 थाना प्रभारी सुभाष चन्द्र सिंह एवं बालीडीह थाना प्रभारी संदीप व पुलिस बल द्वारा सेक्टर-12 एवं थाना क्षेत्र में औचक छापेमारी अभियान चलाया गया। अभियान के दौरान अवैध रूप से पेट्रोल - डीजल एवं इथेनॉल के भंडारण तथा क्रय-विक्रय के मामले का भंडाफोड़ किया गया। छापेमारी के दौरान विभिन्न स्थानों से भारी मात्रा में ड्रम में पेट्रोल - डीजल एवं इथेनॉल का अवैध भंडारण पाया गया। पहले टीम द्वारा छापेमारी आरबीएस कॉलेज समीप सेक्टर 12 में तेल का टैंकर (एचपीसीएल ट्रांसपोर्टर) एवं ड्रम में भारी मात्रा में अवैध रूप से ड्रम में पेट्रोल - डीजल बरामद किया गया।

वहीं, दूसरा बालीडीह थाना क्षेत्र बीपीसीएल प्लांट समीप सीमलदुही के समीप भी भारी मात्रा में ड्रम में पेट्रोल - डीजल एवं इथेनॉल टीम द्वारा बरामद किया गया। सभी को जब्त कर लिया गया है। टीम द्वारा तीसरे स्थान गरगा डैम समीप झोपरा में छापेमारी अभियान चलाया गया। जहां एक छोटा तेल टैंकर वाला वाहन,कुछ खाली ड्रम एवं कुछ सामग्री बरामद हुआ। एसडीओ चास ने स्पष्ट किया कि जन सुरक्षा एवं विधि-व्यवस्था को प्रभावित करने वाले अवैध ईंधन कारोबार के विरुद्ध प्रशासन की कार्रवाई लगातार जारी रहेगी। अवैध भंडारण एवं कारोबार में संलिप्त व्यक्तियों के विरुद्ध विधिसम्मत कार्रवाई की जाएगी। उन्होंने

आम नागरिकों से भी अपील की कि अवैध रूप से पेट्रोल-डीजल- इथेनॉल का भंडारण अथवा बिक्री की जानकारी मिलने पर इसकी सूचना तत्काल प्रशासन को दें, ताकि समय पर प्रभावी कार्रवाई सुनिश्चित की जा सके।

बीएसएल की बड़ी कार्रवाई, अवैध हुकिंग पर छापे, हजारों मीटर तार जब्त, कनेक्शन काटे

बिभा संवाददाता

बोकारो। बोकारो इस्पात संयंत्र (बीएसएल) ने रविवार को टाउनशिप और शहर के सिटी सेंटर सेक्टर 04 में बिजली चोरी के खिलाफ सख्त अभियान चलाकर अवैध कनेक्शनों को काट दिया और भारी मात्रा में तार जब्त किए। संयंत्र के नगर प्रशासन (टीए) विभाग की टीमों ने सेक्टरों, झुग्गी-बस्तियों और दुकानों पर संयुक्त छापेमारी कर कई असमाजिक और जोखिमपूर्ण कनेक्शनों को समाप्त किया।अभियान के दौरान खंभों से अवैध रूप से डाले गए हजारों मीटर तार जब्त किए गए। बीएसएल के अधिकारीयों ने बताया कि इन अवैध हुकिंगों की वजह से प्लांट के बिजली विभाग पर अत्यधिक दबाव बनता है, जिससे कम वोल्टेज की समस्या, शॉर्ट सर्किट और आग लगने का गंभीर खतरा बना रहता है। उन्होंने कहा कि न केवल संयंत्र की आपूर्ति प्रभावित हो रही है, बल्कि राजकीय और निजी संपत्तियों के साथ-साथ लोगों की सुरक्षा भी जोखिम में पड़ रही है।बीएसएल प्रशासन ने नागरिकों से अपील की है कि वे बिजली चोरी पर नजर रखें और किसी भी अवैध कनेक्शन की सूचना तुरंत नगर प्रशासन या बिजली विभाग को दें। साथ ही चेतावनी दी गई है कि भविष्य में भी ऐसे अवैध कृत्यों के विरुद्ध कठोर कार्रवाई जारी रहेगी और नियमों का उल्लंघन करने वालों के खिलाफ कड़ी कार्यवाही की जाएगी। निगरानी बढ़ाई जाएगी और संयंत्र की ओर से विधिक कार्रवाई के लिए सूचित प्राधिकरणों के साथ समन्वय किया जा रहा है, ताकि भविष्य में बिजली चोरी की घटनाओं को समाप्त कर आपूर्ति को सुचारु और सुरक्षित बनाया जा सके।

बहुजन महा पंचायत के समर्थन में बड़ी रैली का आह्वान, पटना व रांची में कार्यक्रम कराने का निर्णय

बिभा संवाददाता

बोकारोः राज्य में शान्ति व सुशासन बनाए रखने के उद्देश्य से बहुजन आर्मी के राष्ट्रीय अध्यक्ष गोल्डेन दास के नेतृत्व में बहुजन महा पंचायत आयोजित करने का निर्णय लिया गया है। यह घोषणा पटना के लाल बिहारी टोला हाई स्कूल मैदान (भोजपुर) में प्रस्तावित रैली के सिलसिले में हुई तैयारियों के बीच की गई। रैली की तारीख 5 जुलाई 2026 दोपहर 12 बजे निर्धारित की गई है।

घटनाक्रम के अनुसार, हाल ही में भरत तिवारी के एनकाउंटर के बाद स्वर्ण आर्मी के समर्थकों द्वारा उत्पन्न तनाव के बीच बहुजन आर्मी ने राज्य में शांति और सुशासन बनाए रखने की प्रेरणा से यह जनजागरण अभियान चलाने का निर्णय लिया है। बहुजन महा पंचायत के माध्यम से सरकार के सुशासन संरक्षण के लिये जनता को संगठित करने का उद्देश्य रखा गया है।

पटना में आयोजित सम्मान कार्यक्रम में ‘चौहान सुरक्षा बल’ के अध्यक्ष रामा शीष चौहान और झारखण्ड के बहुजन आर्मी संयोजक तथा बोकारो के सुकन्या ट्रस्ट के संस्थापक अमल दास ने राष्ट्रीय अध्यक्ष गोल्डेन दास का स्वागत करते हुए उन्हें वस्त्र और फूलों की गुलदस्ता पहनाकर सम्मानित किया। कार्यक्रम में उपस्थित नेताओं ने रैली को सफल बनाने हेतु स्थानीय कार्यालयों में लोगों को जोड़ने और समर्थन जुटाने का आह्वान किया।

कार्यक्रम के दौरान आगे की रणनीति पर विचार-विमर्श भी हुआ। बहुजन आर्मी के पदाधिकारीयों ने यह कहा कि भोजपुर (भटपुर) व रांची में होने वाले कार्यक्रमों के माध्यम से समाज के शोषित वर्गों में जागरूकता बढ़ाई जाएगी और उनके अधिकारों की मांग शांतिपूर्ण ढंग से उठाई जाएगी। राष्ट्रीय अध्यक्ष गोल्डेन दास ने कहा कि ‘सौ में नब्बे शोषित हैं, नब्बे भाग हमारा है’ – यह नारा सामाजिक न्याय की मांग को दशार्ता है और इसी भावना के साथ जनजागरण अभियान चलाया जाएगा।

संक्षिप्त खबरें

भाजपा नेता इंदु शेखर मिश्रा ने कुमारस्वामी को सौंपा ज्ञापन; स्थानीय रोजगार व मजदूर अधिकारों पर आश्वासन

बोकारो(बिभा) : स्टील मंत्री एच.डी. कुमारस्वामी को भाजपा नेता इंदु शेखर मिश्रा व राज्य प्रतिनिधि द्वारा सौंपे गए ज्ञापन में बोकारो स्टील प्लांट की स्थापना से जुड़ी चिंताओं और स्थानीय स्तर पर रोजगार व मजदूरों के शोषण संबंधी समस्याएँ प्रमुख रूप से उठाई गईं। ज्ञापन में विशेष रूप से मांग की गई कि प्लांट में नियुक्तियों के दौरान स्थानीय निवासियों को प्राथमिकता दी जाए ताकि क्षेत्र में स्थायी रोजगार के अवसर सुनिश्चित हो सकें। इंदु शेखर मिश्रा ने मंत्रालय को बताया कि नई इकाई की स्थापना से जुड़े नीतिगत जटिलताओं और श्रम-सम्बंधी व्यवस्थाओं में पारदर्शिता की कमी के कारण स्थानीय कामगार अनदेखे रह जाते हैं। मिस्रा ने कहा कि कई मजदूरों को अनुचित वेतन, अस्थायी ठेका व्यवस्था और सामाजिक सुरक्षा सुविधाओं की कमी का सामना करना पड़ रहा है, जिन्हें तत्काल दुरुस्त करने की आवश्यकता है। मंत्री कुमारस्वामी ने भाजपा नेता की इन चिंताओं को गंभीरता से लेते हुए आश्वासन दिया कि संबंधित मुद्दों पर शीघ्रता से कार्रवाई की जाएगी। उन्होंने कहा कि केंद्र सरकार एवं संबंधित विभाग स्थानीय समुदाय और प्लांट कर्मचारियों के हितों का संज्ञान लेकर आवश्यक कदम उठाने के लिए प्रतिबद्ध हैं। मंत्री ने यह भी कहा कि नियुक्तियों में स्थानीय लोगों को प्राथमिकता देने और मजदूरों के श्रम अधिकारों की रक्षा के लिए प्रक्रियात्मक सुधारों पर विचार किया जाएगा। ज्ञापन में नियोजन परमिट, संविदा कर्मियों के दायित्व और विनिर्माण सुरक्षा मानकों की निगरानी जैसे मुद्दे भी शामिल थे। प्रतिनिधि ने अधिकारियों से आग्रह किया कि प्लांट के आसपास के क्षेत्रों में कौशल विकास और प्रशिक्षण कार्यक्रम चलाकर स्थानीय युवाओं को तकनीकी रूप से सशक्त किया जाए ताकि वे स्थायी और बेहतर रोजगार पा सकें।

बोकारो के रक्तदाताओं को किया गया सम्मानित

बोकारो(बिभा)। स्वैच्छिक रक्तदान को बढ़ावा देने के लिए सदर अस्पताल में एक सम्मान समारोह का आयोजन किया गया जिसमें वर्ष 2025 में दो या इससे अधिक रक्तदान करने वाले सभी रक्तदाताओं को सम्मानित किया गया।ब्लड सेंटर सदर अस्पताल, बोकारो जेनरल अस्पताल और इंडियन रेड क्रॉस सोसाइटी के सभी 51 रक्तदाताओं को आज के कार्यक्रम में सर्टिफिकेट, मोमेंटो और शॉल देकर सम्मानित किया गया।मुख्य अतिथि सदर अस्पताल के उपाधीक्षक डॉ एन पी सिंह ने रक्तदाताओं के प्रति आभार व्यक्त करते हुए कहा कि आप जैसे लोगों के कारण ही जरूरतमन्दों को समय पर रक्त मिल पाता है।सदर ब्लड सेंटर की इंचार्ज डॉ मैथिली ठाकुर ने कहा कि ऐसे रक्तदाता ही किसी ब्लड के स्तम्भ होते हैं जो नियमित रक्तदान करके अपने रक्त से किसी की जिंदगी बचाते हैं।बी जी एच ब्लड सेंटर के इंचार्ज डॉ सुरेन्द्र ने भी सभी रक्तदाताओं का धन्यवाद दिया और उनका हौसला बढ़ाया।कायर्क्रम को सफल बनाने में मशहूर दन्त चिकित्सक डॉ निकेत चौधरी,ब्लड शेयर एन यू के संस्थापक अनुपम कुमार सौरव एवम ब्लड बैंक के कर्मचारियों का योगदान रहा। सम्मानित रक्तदाताओं में शोभा रानी,अनुपम कुमार सौरव,अंजलि शर्मा, विजय कुमार,राजेश कुमार,मृणाल टोपनो,गणेश रजक,अनिल भगत,प्रशांत द्विवेदी,डॉ साकेत मिश्रा,नीतू कुमारी,बिन्नी ककड़,महेंद्र प्रसाद,संजय शर्मा,दीपक पाठक, हिमांशु राज,महेंद्र प्रसाद,राहुल कुमार,अजय राम आदि रहे।

बोकारो जिला जूडो संघ की वार्षिक बैठक संपन्न

बोकारो(बिभा)। एमजीएम स्कूल सेक्टर 4एफ बोकारो में बोकारो जिला जुडो संघ की वार्षिक बैठक संपन्न हुई बैठक की अध्यक्षता राजीव सिंह ने की बैठक में बोकारो जिला आठवीं जूडो प्रतियोगिता, राज्य जूडो प्रतियोगिता, झारखंड सरकार द्वारा आयोजित एसजीएफआई जूडो चयन राज्य प्रतियोगिता तथा खेलो इंडिया जैसे प्रतियोगिताओं पर विस्तृत चर्चा की गई जूडो को ज्यादा से ज्यादा स्कूलों तक पहुंचाने हेतु आठवीं बोकारो जिला जूडो प्रतियोगिता अगस्त महीने में आयोजित की जाएगी इस प्रतियोगिता में लगभग 600 खिलाड़ियों के खेलने की संभावना है आठवीं बोकारो जिला जूडो प्रतियोगिता अगस्त में करने का निर्णय,प्रतियोगिता को किड्स, सब जूनियर, कैडेट,जूनियर एवं सीनियर वर्ग में कराई जाएगी,प्रतियोगिता में 12 सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ी चुने जाएंगे, 12 सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ियों को संघ द्वारा स्कॉलरशिप प्रदान की जाएगी,10 सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ियों को उनके राज्य प्रतियोगिता में भाग लेने हेतु उनका संपूर्ण खर्च उठाया जाएगा। वार्षिक बैठक में बोकारो जूडो संघ के पदाधिकारी एवं विभिन्न स्कूलों के प्रशिक्षकों में सूरज कुमार, आयुष कुमार ठाकुर,दीपक कुमार, प्रवीण कुमार,मोहसिन, पल्लव कुमार, विश्वनाथ, सतीनाथ चक्रवर्ती एवं आयुष राज पाठक मुख्य रूप से उपस्थित रहे।

झारखंड राज्य युवा आयोग ने बोकारो में एचआईवी जागरूकता हेतु भव्य साइक्लोथोन आयोजित

बिभा संवाददाता

बोकारो। झारखंड राज्य युवा आयोग द्वारा रविवार को बोकारो के पत्थरकट्टा मैदान से एचआईवी जागरूकता फैलाने हेतु भव्य साइक्लोथोन का सफल आयोजन किया गया। पुस्तकालय मैदान, सेक्टर-5 से शुरू हुई इस साइकिल रैली का उद्घाटन आयोग के अध्यक्ष कुमार गौरव ने हरी झंडी दिखाकर किया। कार्यक्रम का उद्देश्य युवाओं को एचआईवी के प्रति वैज्ञानिक जानकारी देना, समाज में व्याप्त भ्रांतियों व भेदभाव को समाप्त करना और स्वस्थ जीवनशैली अपनाने के लिए प्रेरित करना था।

कुमार गौरव ने प्रतिभागियों को सम्बोधित करते हुए कहा कि आज के युवा केवल शारीरिक रूप से स्वस्थ ही नहीं, बल्कि सामाजिक व स्वास्थ्य संबंधी मुद्दों के प्रति जागरूक भी होने चाहिए। उन्होंने बताया कि जागरूकता ही एचआईवी से बचाव का सबसे प्रभावी माध्यम है और इस प्रकार के जन-जागरूकता अभियानों से समाज में सकारात्मक परिवर्तन लाया जा सकता है। आयोग खेल, स्वास्थ्य, शिक्षा और सामाजिक चेतना को अपनी प्राथमिकताओं में रखकर राज्यभर में युवाओं के सर्वांगीण विकास हेतु निरंतर कार्य कर रहा है।

कार्यक्रम में लगभग 150 प्रतिभागियों ने भाग लिया जिनमें विभिन्न आयु वर्ग के युवक-युवतियाँ, खेल प्रेमी, सामाजिक कार्यकर्ता और आम नागरिक शामिल थे। मुख्य प्रतियोगिता 18 से 40 वर्ष आयु वर्ग के लिये 25 किलोमीटर के निर्धारित रूट पर आयोजित की गई, जिसे प्रतिभागियों ने जोश और अनुशासन के साथ पूरा किया। पुरुष वर्ग के विजेताओं में प्रथम स्थान रोहित कुमार रवानी, द्वितीय उज्जवल कुमार तथा तृतीय लक्ष्मण सोय रहे। महिला वर्ग में प्रथम स्थान लक्ष्मी कुमारी, द्वितीय सुनिधि पाठक और तृतीय सुधा कुमारी रहीं। प्रथम स्थान प्राप्त पुरुष व महिला प्रतिभागियों को 11,000 रुपये का चेक, मोमेंटो व प्रशस्ति पत्र प्रदान किए गए; द्वितीय स्थान के लिए 9,000 रुपये और तृतीय स्थान के लिए 5,000 रुपये के चेक के साथ सम्मानित किया गया।

इस अवसर पर झारखंड प्रदेश कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष राजेश ठाकुर, युवा नेत्री श्रीमती मनीषा सिंह तथा आयोग के पूर्व सदस्य विशाल तिर्की सहित अनेक गणमान्य उपस्थित रहे। आयोजन के संचालन में अविष्कार फाउंडेशन, बोकारो जिला प्रशासन, स्वास्थ्य विभाग, खेल विभाग, पुलिस प्रशासन, यातायात पुलिस, चिकित्सकीय दल और स्वयंसेवकों का महत्वपूर्ण योगदान रहा। आयोजक ने प्रतिभागियों की सुरक्षा, चिकित्सा सुविधा और यातायात व्यवस्था को सुव्यवस्थित बनाए जाने का उल्लेख किया। झारखंड राज्य युवा आयोग ने सभी प्रतिभागियों, विजेताओं, अतिथियों, अधिकारियों, मीडिया प्रतिनिधियों और सहयोगी संस्थाओं का धन्यवाद ज्ञापित किया और आशा व्यक्त की कि भविष्य में भी ऐसे जनहितकारी कार्यक्रम राज्य के विभिन्न जिलों में आयोजित होते रहेंगे ताकि अधिक से अधिक युवा स्वास्थ्य, शिक्षा, खेल और सामाजिक उत्तरदायित्व के प्रति जागरूक बनें।

रोटरी क्लब ऑफ बोकारो स्टील सिटी वार्षिक क्लब पुरस्कार समारोह आयोजित

बिभा संवाददाता

बोकारो। रोटरी क्लब ऑफ बोकारो स्टील सिटी द्वारा वार्षिक क्लब पुरस्कार समारोह का आयोजन किया गया, जिसमें पूरे रोटरी वर्ष के दौरान प्रदर्शित सेवा भावना, सौहार्द और टीमवर्क का उत्सव मनाया गया।

अध्यक्ष रोटेरियन हरदीप सिंह ने उपस्थित सभी सदस्यों का स्वागत किया तथा पूरे वर्ष क्लब को मिले सहयोग के लिए सभी रोटेरियंस एवं उनके परिवारों का आभार व्यक्त किया। सचिव रोटेरियन घनश्याम दास ने भी सभी के प्रति कृतज्ञता प्रकट करते हुए कहा कि प्रत्येक रोटेरियन ने क्लब की सफलता में महत्वपूर्ण योगदान दिया है। इस अवसर पर पुरस्कृत रोटेरियंस को उनके परिवार सहित मंच पर आमंत्रित किया तथा उन्हें उपहार भेंट किया।

क्लब द्वारा रोटेरियन डॉ. एससी. मुंशी, रोटेरियन डॉ. जॉन लियू, रोटेरियन डॉ. अनिल त्रेहन, रोटेरियन चंद्रिमा राय एवं रोटेरियन संध्या राज को उत्कृष्ट योगदान के लिए एक्जलैमपरी रोटेरियन अवार्ड ‘से सम्मानित किया गया। वहीं प्रतिष्ठित रोटेरियन ऑफ दी ईयर अवॉर्ड के लिए रोटेरियन अशोक तनेजा, रोटेरियन डॉ. राजदीप, रोटेरियन प्रदीप राय एवं सचिव रोटेरियन घनश्याम दास को उनके उत्कृष्ट सेवा एवं समर्पण के लिए प्रदान किया गया।

अध्यक्ष रोटेरियन हरदीप सिंह ने सचिव रोटेरियन घनश्याम दास को विशेष सम्मान से भी अलंकृत किया। जिसमें उनके असाधारण योगदान को सराहा गया, क्योंकि उन्होंने वर्ष भर सचिवीय दायित्वों के साथ-साथ आवश्यकता पड़ने पर अध्यक्षीय दायित्वों का भी सफलतापूर्वक निर्वहन किया। इस अवसर पर क्लब के सभी स्टाफ सदस्यों को भी सम्मानित किया गया।

हाई अलर्टः 30 हाथियों का झुंड आसपास के गांवों में फैला, गर्भवती हथनियों के कारण स्थिति संवेदनशील

बिभा संवाददाता

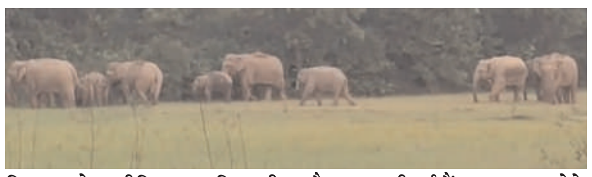

बोकारो : बोकारो जिले के गोपो, पालू, बड़की पुन्नू व कुसुमडीह-कानीडीह के आसपास 30 हाथियों के झुंड के डेरा लगाने से इलाके में हाई अलर्ट जारी कर दिया गया है। वन विभाग ने कहा है कि झुंड में 2 से 3 हथनियां गर्भवती हैं, जिसके कारण झुंड तेज गति से आगे बढ़ नहीं पा रहा है और इस क्षेत्र में लंबे समय तक ठहरने की संभावना बनी हुई है। गर्भावस्था तथा शिशु जन्म के बाद हाथियों का व्यवहार अधिक संवेदनशील व आक्रामक हो सकता है, इसलिए ग्रामीणों को विशेष सावधानी बरतने के निर्देश दिए गए हैं। हाई अलर्ट वाले गांवों में महुआटांड़, धवईया, सिमराबेड़ा, दरहाबेड़ा, कुसुमडीह, कानीडीह, गागा, टिकाहारा, फुटकाडीह और कंडेर शामिल हैं। प्रशासन ने इन गांवों के निवासियों को जोखिम कम करने के उपाय अपनाने का आग्रह किया है। वन विभाग के सीनियर अधिकारी संदीप शिंदे ने बताया कि झुंड के आक्रामक होने के मुख्य कारणों में गर्भवती हथनियां और युवा शावकों की उपस्थिति शामिल हैं।

रात में ट्रैक्टर चलाकर या किसी प्रकार का शोर करके हाथियों को भगाने का प्रयास न करें।

वन विभाग ने चेतावनी दी है कि नियमों का उल्लंघन करने पर वन्यजीव संरक्षण अधिनियम के अंतर्गत सख्त कानूनी कार्रवाई की जाएगी। अधिकारी ने कहा कि कुछ असामाजिक गतिविधियाँ कई मासूम लोगों के लिए घातक साबित हो सकती हैं, इसलिए सतर्कता अत्यावश्यक है।

सुरक्षा के मद्देनजर दो त्वरित प्रतिक्रिया दल स्थानीय स्तर पर तैनात कर दी गई हैं। आवश्यक होने पर पड़ोसी क्षेत्रों गोला, मांडू और कुजू से भी तुरंत बैकअप भेजा जाएगा। वन विभाग पूरी तरह मुस्तैद है और मनुष्यों तथा हाथियों दोनों की सुरक्षा सुनिश्चित करने के प्रति प्रतिबद्ध है। आपातकालीन या खतरनाक स्थिति में संपर्क हेतु नंबरः क्यूआरटी टीम एक +91-62044-10674
क्यूआरटी टीम दो +91-80845-98077, फॉरेस्टर गोमियाः +91-70704-66084। वन विभाग और स्थानीय प्रशासन ने सभी निवासियों से अनुरोध किया है कि वे इस सूचना को अपने समूहों व रिश्तेदारों में तुरंत साझा करें तथा सुरक्षा निदेर्शों का कड़ाई से पालन करें।

भारत विकास परिषद की शाखा स्तरीय कार्यशाला सम्पन्न

बिभा संवाददाता

बोकारो। भारत विकास परिषद, बोकारो स्टील सिटी उत्तर एवं दक्षिण शाखा के संयुक्त तत्वावधान में शाखा स्तरीय कार्यशाला का सफल आयोजन रविवार को मंगलम, रशियन क्लब में किया गया। कार्यशाला का उद्देश्य परिषद की विचारधारा, संगठनात्मक कार्यप्रणाली, सेवा गतिविधियों एवं विभिन्न प्रकल्पों को अधिक प्रभावी ढंग से संचालित करने हेतु सदस्यों का मार्गदर्शन करना था।

कार्यशाला के मार्गदर्शन हेतु प्रांतीय सचिव सुनील कुमार की गरिमामयी उपस्थिति रही। कार्यक्रम का संचालन उत्तर शाखा के सचिव संजय सिन्हा ने अत्यंत प्रभावी एवं व्यवस्थित ढंग से किया।

कार्यशाला की सबसे महत्वपूर्ण उपलब्धि सात नए सदस्यों का भारत विकास परिषद परिवार में विधिवत स्वागत रहा। सभी नवसदस्यों ने परिषद की सदस्यता ग्रहण करते हुए संगठन के उद्देश्यों एवं आदर्शों के प्रति पूर्ण निष्ठा, समर्पण एवं सेवा भावना से कार्य करने की शपथ ली। इस अवसर पर प्रांतीय सचिव सुनील कुमार जी ने सभी नवदीक्षित सदस्यों को परिषद के मूल मंत्र स्वस्थ, समर्थ, सुसंस्कृत भारत’ की अवधारणा, संगठन की कार्यशैली तथा सामाजिक उत्तरदायित्वों से विस्तारपूर्वक अवगत कराया।

कार्यक्रम में प्रांतीय पर्यावरण प्रमुख हरेंद्र तिवारी, प्रांतीय संस्कार प्रमुख बी.बी. दास तथा प्रांतीय महिला सहभागिता प्रमुख श्रीमती किरण राणा की गरिमामयी उपस्थिति रही। सभी वक्ताओं ने परिषद के पांच प्रमुख आयाम–सेवा, संस्कार, सम्पर्क, सहयोग एवं समर्पण–के साथ-साथ महिला सहभागिता, पर्यावरण संरक्षण, परिवार प्रबोधन, सामाजिक समरसता एवं सांस्कृतिक जागरण जैसे विषयों पर विस्तार से अपने विचार रखे। उन्होंने समाज के प्रत्येक वर्ग को परिषद की गतिविधियों से जोड़ने तथा अधिकाधिक जनसहभागिता सुनिश्चित करने पर बल दिया।

अपने उद्बोधन में सुनील कुमार जी ने परिषद की विचारधारा, संगठनात्मक नियमावली, कार्य संस्कृति, प्रोटोकॉल एवं अनुशासन की विस्तृत जानकारी दी। उन्होंने कहा कि भारत विकास परिषद केवल एक सामाजिक संस्था नहीं, बल्कि राष्ट्र निर्माण के संकल्प को जन-जन तक पहुँचाने वाला एक सशक्त संगठन है, जो सेवा और संस्कार के माध्यम से समाज में सकारात्मक परिवर्तन लाने के लिए निरंतर कार्यरत है।

विश्वकर्मा समाज बोकारो का 48वां वार्षिक अधिवेशन संपन्न, नई कार्यकारिणी का गठन

बिभास'वाददाता

बोकारो : बोकारो के 4 जी स्थित विश्वकर्मा मंदिर के सामुदायिक भवन में रविवार को विश्वकर्मा समाज बोकारो का 48 वां वार्षिक अधिवेशन भव्य रूप से आयोजित हुआ। समाज के वरिष्ठ सदस्यगण, पदाधिकारी और स्थानीय कार्यकर्ता बड़े पैमाने पर उपस्थित रहे। अधिवेशन में वर्ष 2025 का वार्षिक प्रतिवेदन तथा लेखा-जोखा प्रस्तुत किए गए और आगामी योजनाओं पर प्रस्ताव पारित किए गए।झारखंड प्रदेश विश्वकर्मा समाज के अध्यक्ष विकास राणा मुख्य अतिथि रहे। अपने संबोधन में उन्होंने कहा कि प्रदेश स्तरीय संगठन अब बहुत मजबूत हुआ है और समाज के युवा हर क्षेत्र में प्रगति कर रहे हैं। साथ ही उन्होंने सतर्कता बरतने का संदेश देकर कहा कि कुछ लोग समाज को तोड़ने का प्रयास कर सकते हैं, ऐसे प्रयासों से सावधान रहने की आवश्यकता है। राणा ने उपस्थित सदस्यों को और अच्छा करने के लिए प्रेरित किया और समाज की उन्नति के लिए शुभकामनाएँ दीं।

अधिवेशन में नई कार्यकारिणी का चुनाव किया गया। निर्वाचित पदाधिकारी इस प्रकार हैं समाजपति/अध्यक्ष नुनूलाल विश्वकर्मा,उपसमाजपति/उपाध्यक्ष रामसागर प्रसाद एवं रामानन्द शर्मा,महामंत्री सुभाष शर्मा,संयुक्त महामंत्री अरूण शर्मा, उमेश विश्वकर्मा, चंदन कुमार एवं आषुतोष कुमार, कोषाध्यक्ष शिवकुमार मिस्त्री मंदिर निर्माण समिति के लिए भी पदाधिकारियों का चुनाव हुआ अध्यक्ष रामलखन मिस्त्री, संयोजक लालबाबु शर्मा,कोषाध्यक्ष महेन्द्र शर्मा।

अधिवेशन में सलाहकार मण्डल के रूप में निम्नानुसार सदस्यों की घोषणा की गई सोनेलाल मिस्त्री, रामबिहारी शर्मा, गुप्तेश्वर शर्मा, वी.पी. शर्मा, साधुमन शर्मा, बृहस्पति शर्मा, रामनाथ शर्मा, कैलाश शर्मा, प्रकाश शर्मा, रतनलाल विश्वकर्मा एवं अवधेश कुमार शर्मा। नवनिर्वाचित पदाधिकारियों को शपथग्रहण करते हुए पूर्व समाजपति रामबिहारी शर्मा ने उन्हें शुभकामनायें दीं और संगठन को एकजुट रखने हेतु मार्गदर्शन प्रदान किया। शपथ ग्रहण के बाद नवनिर्वाचित समाजपति नुनूलाल विश्वकर्मा ने अपने संदेश में कहा, ‘हमें मिलकर समाज की प्रगति के लिए काम करना है और नए सदस्यों को जोड़ना है।

चतरोचट्टी के मजदूर की सऊदी में सड़क हादसे में मौत, परिवार ने सरकार से लगाई शव वापस लाने की गुहार

बिभा संवाददाता

बोकारो। बोकारो जिले के चतरोचट्टी थाना क्षेत्र के कतवारी निवासी स्वर्गीय सुखदेव महतो के 41 वर्षीय पुत्र सत्येंद्र महतो की सड़क हादसे में सऊदी में 25 जून 2026 की रात को मौत हो गयी।मौत की सूचना मिलते ही परिजनों का रो-रो कर बुरा हाल हो गया है। वहीं गांव वाले भी मौत की सूचना पाकर शोक में डूब गए। सत्येंद्र महतो 26 नवंबर 2024 को घर से सऊदी अरब के लिए निकाला था।हमद सालेह अल-काफ कॉन्ट्रैक्टिंग एस्टैब्लिशमेंट कंपनी में ट्रक ड्राइवर के रूप में कार्य था। वह अपने पीछे पुत्री प्रीति कुमारी(21),पुत्र अरविंद कुमार और पुत्र मंगेश कुमार(13)को छोड़ गया। इस घटना को लेकर प्रवासी मजदूरों के हित में कार्य करने वाले समाजसेवी सिकन्दर अली घर पहुंचकर संवेदना प्रकट करते हुए परिवार का हिम्मत बंधायी और उन्होंने कहा कि इससे पहले भी कई लोगों की मौत हो चुकी है। रोजी- रोटी की तलाश में परदेस गये प्रवासी झारखंडी मजदूरों की मौत का सिलसिला जारी है। हर रोज झारखंड के किसी न किसी इलाके के प्रवासी मजदूर की दूसरे राज्यों या विदेश में मौत और फंसने की खबरें आ रही है।प्रवासी मजदूरों की सबसे ज्यादा तादाद बोकारो, हजारीबाग और गिरिडीह जिले से है।ऐसे में सरकार को रोजगार की ऐसी व्यवस्था करनी चाहिए, ताकि मजदूरों का पलायन रोका जा सके।

रांची समेत झारखंड के अधिकांश हिस्सों में मानसून फिर सक्रिय, बारिश ने दिलाई गर्मी-उमस से राहत

बिभा संवाददाता

रांची। झारखंड की राजधानी रांची और आसपास के क्षेत्रों में रविवार दोपहर बाद मानसून एक बार फिर सक्रिय हो गया। दोपहर के बाद आसमान में घने बादल छा गए और रिमझिम बारिश शुरू हो गई। बारिश के चलते मौसम सुहावना हो गया तथा लोगों को भीषण गर्मी और उमस से राहत मिली।

भारत मौसम विज्ञान विभाग (आईएमडी) के रांची केंद्र ने रविवार को राज्य के उत्तर-पश्चिमी जिलों को छोड़कर शेष अधिकांश जिलों में गर्जन के साथ बारिश, आकाशीय बिजली गिरने तथा 40 से 50 किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार से तेज हवा चलने की संभावना जताई है। इसे देखते हुए विभाग ने संबंधित जिलों के लिए ऑरेंज अलर्ट जारी किया है। मौसम विभाग ने यह भी पूर्वानुमान जताया है कि चार जुलाई तक राज्य के विभिन्न हिस्सों में गर्जन, वज्रपात और हल्की से मध्यम बारिश का दौर जारी रह सकता है। इसको लेकर येलो अलर्ट जारी करते हुए लोगों से खराब मौसम के दौरान सतर्क रहने, खुले स्थानों और पेड़ों के नीचे शरण नहीं लेने तथा आकाशीय बिजली के दौरान सुरक्षित स्थानों पर रहने की अपील की गई है।

पिछले 24 घंटों के दौरान राज्य में सर्वाधिक 54 मिलीमीटर वर्षा देवघर जिले के सिकटिया में दर्ज की गई। वहीं, राज्य का सर्वाधिक तापमान डाल्टनगंज में 40.7 डिग्री सेल्सियस रिकॉर्ड किया गया, जबकि सबसे कम तापमान रांची के नामकुम में 21.4 डिग्री सेल्सियस दर्ज हुआ।

रविवार को सुबह से रांची और आसपास के क्षेत्रों में मौसम साफ रहा, लेकिन दोपहर बाद बादल छा गए और कई इलाकों में हल्की बारिश दर्ज की गई। बारिश के बाद तापमान में गिरावट आई और लोगों को उमस भरी गर्मी से राहत मिली।

मौसम विभाग के अनुसार, रविवार को रांची में अधिकतम तापमान 34.2 डिग्री और न्यूनतम 24.6 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया। जमशेदपुर में अधिकतम 37.6 डिग्री और न्यूनतम 28.2 डिग्री, डाल्टनगंज में अधिकतम 40.7 डिग्री और न्यूनतम 27.8 डिग्री, बोकारो में अधिकतम 37.5 डिग्री और न्यूनतम 26.6 डिग्री तथा चाईबासा में अधिकतम 35.8 डिग्री और न्यूनतम 24.6 डिग्री सेल्सियस रिकॉर्ड किया गया। मौसम विभाग ने बताया कि अगले कुछ दिनों तक झारखंड में मानसून की गतिविधियां बनी रहेंगी और राज्य के अधिकांश जिलों में रुक-रुक कर बारिश होने की संभावना है।

महापौर ने सदर अस्पताल से किया राष्ट्रीय पल्स पोलियो अभियान का शुभारंभ

बिभा संवाददाता

रांची। राष्ट्रीय पल्स पोलियो अभियान का शुभारंभ रविवार को रांची के सदर अस्पताल से महापौर रोशनी खलखो ने बच्चों को पोलियो की खुराक पिलाकर किया। इस अवसर पर विधायक सीपी सिंह, राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन (एनएचएम) के अभियान निदेशक शशि प्रकाश झा, सिविल सर्जन डॉ. प्रभात कुमार, राज्य नोडल पदाधिकारी डॉ. विजय किशोर रजक, सदर अस्पताल के उपाधीक्षक डॉ. विमलेश कुमार सिंह सहित कई चिकित्सक, स्वास्थ्यकर्मी एवं अधिकारी उपस्थित रहे।

कार्यक्रम का शुभारंभ अतिथियों द्वारा दीप प्रज्वलन के साथ हुआ। इसके बाद महापौर रोशनी खलखो, विधायक सीपी सिंह और अभियान निदेशक शशि प्रकाश झा ने बच्चों को पोलियो की दो बूंद पिलाकर अभियान की औपचारिक शुरूआत की।

सिविल सर्जन डॉ. प्रभात कुमार ने अतिथियों का स्वागत करते हुए कहा कि भारत में पिछले 14 वर्षों से पोलियो का एक भी मामला सामने नहीं आया है। उन्होंने इसका श्रेय स्वास्थ्यकर्मियों की निरंतर मेहनत, प्रभावी टीकाकरण अभियान और जनसहभागिता को दिया।

सिविल सर्जन ने कहा कि पाकिस्तान और अफगानिस्तान जैसे पड़ोसी देशों में अभी भी पोलियो के मामले सामने आ रहे हैं। ऐसे में सतर्कता बनाए रखना और प्रत्येक बच्चे का समय पर टीकाकरण सुनिश्चित करना अत्यंत आवश्यक है। उन्होंने अभिभावकों से अपील की कि वे शून्य से पांच वर्ष तक के किसी भी बच्चे को पोलियो की खुराक से वंचित न रहने दें।

मुख्य अतिथि महापौर रोशनी खलखो ने कहा कि भारत ने पोलियो मुक्त राष्ट्र बनने की ऐतिहासिक उपलब्धि हासिल की है, लेकिन इस उपलब्धि को बनाए रखने के लिए नियमित टीकाकरण और जनसहभागिता जरूरी है। उन्होंने स्वास्थ्यकर्मियों और चिकित्सकों के समर्पण की सराहना करते हुए कहा कि उनके अथक प्रयासों से ही देश पोलियो मुक्त बन पाया है। उन्होंने बताया कि सदर अस्पताल के अलावा गांवों के स्वास्थ्य केंद्रों, आंगनबाड़ी केंद्रों और आयुष्मान आरोग्य मंदिरों में भी बच्चों को पोलियो की खुराक दी जा रही है, ताकि कोई भी बच्चा अभियान से छूट न जाए। उन्होंने सदर अस्पताल में बेहतर होती स्वास्थ्य सेवाओं की भी प्रशंसा की।

विधायक सीपी सिंह ने कहा कि देश को पोलियो मुक्त बनाने में स्वास्थ्यकर्मियों की भूमिका अत्यंत महत्वपूर्ण रही है। उन्होंने सदर अस्पताल में लगातार बेहतर हो रही स्वास्थ्य सेवाओं की सराहना करते हुए कहा कि आज यहां सभी वर्गों के लोगों को गुणवत्तापूर्ण चिकित्सा सुविधाएं उपलब्ध हो रही हैं। उन्होंने अस्पताल को और अधिक सुदृढ़ बनाने के लिए सभी के सामूहिक प्रयासों की आवश्यकता पर बल दिया।

राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन के अभियान निदेशक शशि प्रकाश झा ने बताया कि वर्ष 1995 से देशभर में राष्ट्रीय पल्स पोलियो अभियान लगातार संचालित किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि इस वर्ष झारखंड में लगभग 61 लाख से अधिक बच्चों को 24,507 बूथों पर पोलियो की खुराक पिलाने का लक्ष्य निर्धारित किया गया है। उन्होंने बताया कि 28 जून को बूथ दिवस के रूप में अभियान चलाया जा रहा है, जबकि 29 और 30 जून को स्वास्थ्यकर्मी घर-घर जाकर उन बच्चों को पोलियो की दवा पिलाएंगे जो किसी कारणवश बूथ तक नहीं पहुंच सके। इसके अलावा रेलवे स्टेशन, बस स्टैंड, बाजार तथा अन्य सार्वजनिक स्थलों पर भी विशेष टीमें तैनात की गई हैं।

संक्षिप्त खबरें

मारवाड़ी कॉलेज में माई भारत जागरूकता कार्यक्रम का सफल आयोजन

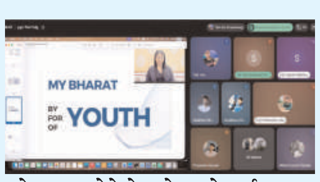

रांची(बिभा)। मारवाड़ी कॉलेज, रांची के एनएसएस यूनिट-2 द्वारा विद्यार्थियों के व्यक्तित्व विकास, नेतृत्व क्षमता एवं राष्ट्र निर्माण में युवाओं की सक्रिय भागीदारी को बढ़ावा देने के उद्देश्य से माई भारत विषय पर एक ऑनलाइन जागरूकता एवं मार्गदर्शन कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में 121 से अधिक विद्यार्थियों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। कार्यक्रम की मुख्य वक्ता एवं वर्तमान स्टूडेंट्स लीडर रिप्रेजेंटेटिव यति झा, जो एनएसएस यूनिट-2 की स्वयंसेविका एवं टीम लीडर भी हैं, ने विद्यार्थियों को माई भारत पोर्टल से जुड़ने, लॉगिन करने तथा विभिन्न राष्ट्रीय एवं सामाजिक गतिविधियों में सक्रिय भागीदारी के लाभों की विस्तृत जानकारी दी। कार्यक्रम के दौरान नितीश पाठक ने माई भारत से संबंधित एक प्रेरणादायक वीडियो प्रस्तुत किया, जिसके माध्यम से विद्यार्थियों को पोर्टल से जुड़ने के लिए प्रेरित किया गया। कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य युवाओं को माई भारत से जोड़कर उन्हें एक ऐसा मंच उपलब्ध कराना था, जहाँ वे प्रशिक्षण, कौशल विकास, नेतृत्व निर्माण, सामाजिक सेवा, स्वयंसेवा गतिविधियों एवं विभिन्न सरकारी पहलों से जुड़कर अपने व्यक्तित्व का समग्र विकास कर सकें। इस मंच के माध्यम से विद्यार्थियों को नई सीख, व्यावहारिक अनुभव तथा करियर विकास के अनेक अवसर प्राप्त होते हैं, जिससे उनकी नेतृत्व क्षमता एवं सामाजिक उत्तरदायित्व की भावना और अधिक सुदृढ़ होती है। कार्यक्रम के दौरान एक इंटरैक्टिव प्रश्नोत्तर सत्र भी आयोजित किया गया, जिसमें विद्यार्थियों ने बढ़-चढ़कर भाग लिया।

गुरुजी सदानंद महाराज जी का कार्यक्रम एवं गुरु पूर्णिमा को लेकर ट्रस्ट की बैठक संपन्न

रांची(बिभा) : पुंदाग स्थित श्री कृष्ण प्रणामी मंगल राधिका सदानंद सेवा धाम में श्री कृष्ण प्रणामी सेवा धाम ट्रस्ट की एक महत्वपूर्ण बैठक ट्रस्ट के अध्यक्ष डूंगरमल अग्रवाल की अध्यक्षता में संपन्न हुई। बैठक में ट्रस्ट द्वारा संचालित विभिन्न धार्मिक एवं सेवा गतिविधियों की विस्तृत समीक्षा की गई तथा आगामी कार्यक्रमों की रूपरेखा पर विस्तार से विचार-विमर्श कर आवश्यक निर्णय लिए गए। बैठक का प्रमुख विषय आगामी गुरु पूर्णिमा महोत्सव एवं संत शिरोमणि स्वामी सदानंद जी महाराज के रांची आगमन की तैयारियां रहीं। सर्वसम्मति से निर्णय लिया गया कि 19 जुलाई को स्वामी सदानंद जी महाराज के रांची आगमन पर श्री राधा कृष्ण प्रणामी मंदिर में भव्य स्वागत किया जाएगा। एवं गुरु जी का प्रवचन एवं श्री कृष्ण कथा का भव्य कार्यक्रम होगा। इस आयोजन को सफल बनाने के लिए विभिन्न समितियों का गठन कर आवश्यक जिम्मेदारियां सौंपी गईं।बैठक में यह भी निर्णय लिया गया कि 29 जुलाई को गुरु पूर्णिमा के पावन अवसर पर श्री राधा कृष्ण प्रणामी मंदिर परिसर में भव्य धार्मिक कार्यक्रम आयोजित किया जाएगा। कार्यक्रम के अंतर्गत विशेष पूजा-अर्चना, गुरु वंदना, भजन-कीर्तन, सामूहिक आरती तथा प्रसाद वितरण जैसे आध्यात्मिक आयोजन होंगे, इसके अतिरिक्त 2 अगस्त को स्वामी सदानंद जी महाराज के जन्मोत्सव के अवसर पर मंदिर परिसर में विशेष उत्सव का आयोजन करने का भी निर्णय लिया गया। इस अवसर पर धार्मिक अनुष्ठानों के साथ श्रद्धालुओं के लिए विविध आध्यात्मिक एवं सेवा कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे।

चित्रपट फिल्म फेस्टिवल में बीबीएमकेयू के छात्रों का परचम

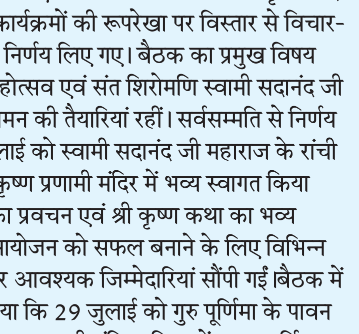

रांची(बिभा) : राजधानी रांची स्थित सरला बिरला विश्वविद्यालय में 26, 27 एवं 28 जून को आयोजित चित्रपट फिल्म फेस्टिवल 2026 में धनबाद जिले के छात्र-छात्राओं ने अपनी प्रतिभा का शानदार प्रदर्शन करते हुए जिले एवं विश्वविद्यालय का नाम राज्यस्तर पर गौरवान्वित किया। राज्यभर से प्राप्त 84 फिल्मों में से अंतिम चरण के लिए 67 फिल्मों का चयन किया गया था, जिनमें धनबाद की दो फिल्में भी शामिल थीं। फेस्टिवल के दौरान फिल्म निर्माण, पटकथा लेखन, निर्देशन एवं मीडिया से संबंधित विभिन्न प्रशिक्षण सत्रों और कार्यशालाओं का आयोजन किया गया। इस दौरान बीबीएमकेयू के जनसंचार विभाग के विद्यार्थियों द्वारा निर्मित दो फिल्मों ने विशेष उपलब्धि हासिल की। रिशु राय एवं प्रीति तिवारी के निर्देशन में निर्मित कैंपस डॉक्यूमेंट्री झरिया : द बर्निंग लैंड ने प्रतियोगिता में द्वितीय स्थान प्राप्त किया। वहीं सौरभ कुमार एवं आरोही कुमारी के निर्देशन में बनी फिल्म एकल की छांव में को तृतीय स्थान से सम्मानित किया गया। समापन समारोह में अतिथियों ने विजेता छात्र-छात्राओं को सम्मानित करते हुए उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की। इस अवसर पर झारखंड के पूर्व मुख्यमंत्री अर्जुन मुंडा, पूर्व मुख्यमंत्री बाबूलाल मरांडी, चित्रपट के निर्देशक नन्द किशोर सिंह, सीयूजे के डीन देवव्रत सिंह सहित कई गणमान्य लोग उपस्थित थे।

नामकुम में शातिर अपराधी खालिद बंगाली गिरफ्तार, देसी कट्टा और कारतूस बरामद

बिभा संवाददाता

रांची। रांची के नामकुम थाना क्षेत्र में पुलिस ने बड़ी कार्रवाई करते हुए शातिर अपराधी मोहम्मद खालिद उर्फ खालिद बंगाली उर्फ चूजा को गिरफ्तार कर लिया। उसके कब्जे से एक लोडेड देसी कट्टा, दो जिंदा कारतूस और एक मोबाइल फोन बरामद किया गया है।

पुलिस के अनुसार, गिरफ्तार आरोपित 10 जून को अंजुमन इस्लामिया नूरिया महापंचायत के अध्यक्ष हाजी सऊद आलम के पुत्र मोहम्मद शमशेर आलम पर हुई फायरिंग की घटना में भी शामिल था।

रविवार को पुलिस उपाधीक्षक (डीएसपी) अमर पांडेय ने बताया कि पुलिस को गुप्त सूचना मिली थी कि नामकुम थाना क्षेत्र के कुटियातु स्थित 89 आर्मी ग्राउंड के पास कुछ अपराधी एकत्र होकर किसी बड़ी आपराधिक घटना की योजना बना रहे हैं। सूचना के सत्यापन के बाद पुलिस टीम ने तत्काल छापेमारी की।

पुलिस टीम के मौके पर पहुंचते ही वहां मौजूद दो संदिग्ध व्यक्ति अलग-अलग दिशाओं में भागने लगे। पुलिस ने घेराबंदी कर एक व्यक्ति को पकड़ लिया, जबकि दूसरा अंधेरे का फायदा उठाकर फरार हो गया। पकड़े गए व्यक्ति ने पूछताछ में अपनी पहचान मोहम्मद खालिद उर्फ खालिद बंगाली उर्फ चूजा के रूप में बताई।

तलाशी के दौरान उसकी कमर से एक लोडेड देसी कट्टा और पैंट की जेब से एक जिंदा कारतूस बरामद किया गया। पुलिस ने उसके पास से एक मोबाइल फोन भी बरामद किया। मौके पर ही हथियार और कारतूस को विधिवत जब्त कर आरोपित को गिरफ्तार कर लिया गया।

डीएसपी ने बताया कि पूछताछ के दौरान खालिद ने स्वीकार किया कि वह आर्म्स एक्ट और चोरी सहित कई आपराधिक मामलों में पहले से संलिप्त रहा है। उसने यह भी कबूल किया कि 10 जून की शाम नामकुम थाना क्षेत्र के सामलौंग स्थित अराफात अपार्टमेंट के पास आपसी रंजिश के चलते उसने मोहम्मद शमशेर आलम पर गोली चलाई थी, जिसमें वह घायल हो गया था। घटना के बाद से वह गिरफ्तारी से बचने के लिए लगातार फरार चल रहा था।

पुलिस जांच में यह भी सामने आया कि मोहम्मद खालिद का शमशेर आलम और उसके पिता हाजी सऊद आलम के साथ लंबे समय से जमीन को लेकर विवाद चल रहा था। इसी रंजिश के कारण उसने अपने साथियों के साथ मिलकर फायरिंग की घटना को अंजाम दिया। इस मामले में नामकुम थाना में पहले ही प्राथमिकी दर्ज की जा चुकी है।

पुलिस के अनुसार, खालिद के खिलाफ पहले से तीन आपराधिक मामले दर्ज हैं। वहीं 10 जून की गोलीबारी की घटना में शामिल उसके दो सहयोगियों सद्दाम उर्फ टीपू और मोहम्मद ईरशाद आलम को पहले ही गिरफ्तार कर न्यायिक हिरासत में भेजा जा चुका है। पुलिस फरार अन्य आरोपितों की तलाश में लगातार छापेमारी कर रही है।

स्वर्णरेखा नदी के संरक्षण एवं प्रदूषण मुक्ति के उद्देश्य से पुनः चला संदेशात्मक श्रमदान अभियान

बिभा संवाददाता

रांची : स्वर्णरेखा नदी के संरक्षण एवं उसे प्रदूषणमुक्त बनाने के उद्देश्य से एक संदेशात्मक श्रमदान अभियान चलाया गया। अभियान का उद्देश्य लोगों को यह संदेश देना था कि यदि हम पूरी नदी को साफ नहीं कर सकते, तो कम से कम उसे गंदा होने से अवश्य बचा सकते हैं। समिति के सदस्यों ने कहा कि प्रत्येक रविवार अपना कुछ समय पर्यावरण, संस्कृति, कला और आस्था की प्रतीक माँ समान स्वर्णरेखा नदी के नाम समर्पित करना हम सभी का छोटा-सा प्रयास है। जनभागीदारी के माध्यम से ही नदी संरक्षण का लक्ष्य सफल हो सकता है।

अभियान में मुख्य रूप से साईनिंग झारखंड की संस्थापक पूजा साहू, स्वर्णरेखा जीर्णोद्धार समिति के अध्यक्ष माखन पाठक, वरिष्ठ उपाध्यक्ष अभिषेक सिंह (शैंकी), उपाध्यक्ष शिवम सिंह, समिति के कानूनी सलाहकार एवं उच्च न्यायालय के अधिवक्ता बीपीन सिंह, शशि बादल, आनंद केशरी, आयुष कुमार, राहुल राम, नवीन तिवारी, नागदेव चौधरी, तुषार सिंह एवं शिव कुमार सहित अन्य सदस्य उपस्थित रहे।

इस अवसर पर पूजा साहू ने कहा कि यदि जंगल और नदियाँ स्वच्छ नहीं रहेंगी, तो हमें साँस लेने के लिए भी प्रदूषित हवा ही मिलेगी। इसलिए शहर के प्रत्येक जिम्मेदार नागरिक को संकल्प के साथ इनके संरक्षण में अपना-अपना योगदान देना चाहिए। स्वर्णरेखा जीर्णोद्धार समिति के अध्यक्ष माखन पाठक ने कहा कि हम सभी से आग्रह है कि प्रत्येक रविवार अपने समय का कुछ हिस्सा स्वर्णरेखा नदी के संरक्षण के लिए श्रमदान में अवश्य दें। छोटे-छोटे प्रयास ही बड़े परिवर्तन का आधार बनते हैं। समिति के कानूनी सलाहकार एवं उच्च न्यायालय के अधिवक्ता बीपीन सिंह ने कहा स्वच्छ नदी और स्वच्छ वातावरण प्रत्येक नागरिक का अधिकार है। साथ ही, इन प्राकृतिक धरोहरों का संरक्षण करना हम सभी का नैतिक एवं सामाजिक दायित्व भी है।

अंत में समिति ने शहरवासियों से अपील की कि वे स्वर्णरेखा नदी को स्वच्छ, अविरल एवं प्रदूषणमुक्त बनाने के अभियान से जुड़ें तथा अपने स्तर पर नदी में कचरा या गंदगी न डालने का संकल्प लें। जनसहभागिता से ही स्वर्णरेखा का अस्तित्व सुरक्षित रखा जा सकता है।

स्कूली खेलों में झारखंड की बड़ी उपलब्धि, एसजीएफआई ने दिए दो राष्ट्रीय सम्मान

बिभा संवाददाता

रांची : स्कूली खेलों के क्षेत्र में झारखंड ने एक बार फिर अपनी उत्कृष्ट संगठन क्षमता, दूरदर्शी नेतृत्व और खेल प्रतिभाओं के विकास के प्रति प्रतिबद्धता का राष्ट्रीय स्तर पर प्रभावशाली परिचय दिया है। स्कूल गेम्स फेडरेशन ऑफ इंडिया (एसजीएफआई) की वार्षिक आम बैठक में स्कूली शिक्षा एवं साक्षरता विभाग, झारखंड अंतर्गत झारखंड शिक्षा परियोजना परिषद रांची को वर्ष 2025-26 के दौरान राष्ट्रीय स्कूली खेलों के सफल एवं अनुकरणीय आयोजन तथा राष्ट्रीय स्कूली खिलाड़ियों के विकास में उल्लेखनीय योगदान के लिए दो प्रतिष्ठित राष्ट्रीय सम्मान प्रदान किया गया।

विभाग को पहला सम्मान सराहना पुरस्कार के रूप में प्रदान किया गया। यह सम्मान भारतीय स्कूली टीमों के राष्ट्रीय चयन ट्रायल एवं कोचिंग कैंपों के उत्कृष्ट आयोजन, प्रभावी समन्वय और युवा खिलाड़ियों को अंतरराष्ट्रीय प्रतियोगिताओं के लिए तैयार करने में निभाई गई महत्वपूर्ण भूमिका के लिए दिया गया। एसजीएफआई ने अपने प्रशस्ति पत्र में विभाग की खेल उत्कृष्टता के प्रति प्रतिबद्धता को भारतीय स्कूली खेलों के विकास में अत्यंत महत्वपूर्ण बताया।

वही दूसरी सम्मान के रूप में झारखंड को69वीं राष्ट्रीय स्कूली खेल के सर्वश्रेष्ठ आयोजक के लिए द्वितीय स्थान से सम्मानित किया गया। झारखंड ने 35 में से 34.40 अंक अर्जित कर उत्कृष्ट श्रेणी प्राप्त की। यह सम्मान 13 से 17 जनवरी, 2026 तक रांची में आयोजित 69वीं राष्ट्रीय स्कूली साइकिलिंग (ट्रैक एवं रोड) अंडर-14, 17 एवं 19 तथा बालक-बालिका शतरंज अंडर-14 चैंपियनशिप के अंतरराष्ट्रीय मानकों के अनुरूप सफल संचालन, सुव्यवस्थित प्रबंधन और उत्कृष्ट मेजबानी के लिए प्रदान किया गया।

राष्ट्रीय मूल्यांकन के दौरान खिलाड़ियों के आवास, पौष्टिक भोजन, स्वास्थ्य एवं सुरक्षा व्यवस्था, खेल अधोसंरचना, तकनीकी संचालन, परिवहन, स्वयंसेवी सहयोग तथा समग्र आयोजन प्रबंधन को अत्यंत उच्च स्तर का पाया गया। यह सम्मान एसजीएफआई के अध्यक्ष श्री दीपक कुमार के द्वारा प्रदान किया गया ।

27 जून को नई दिल्ली में आयोजित एसजीएफआई की वार्षिक आम बैठक में झारखंड की ओर से राज्य कार्यक्रम पदाधिकारी श्री धीरसेन ए.सोरेंग एवं खेल कोषांग के चंद्रदेव सिंह ने यह सम्मान प्राप्त किया।

सरला बिरला विश्वविद्यालय ने चलाया नशा मुक्ति अभियान

बिभा सवंवाददाता

रांची : सरला बिरला विश्वविद्यालय (एसबीयू), रांची की राष्ट्रीय सेवा योजना (एनएसएस) इकाइयों द्वारा तीन दिवसीय नशा मुक्ति अभियान का सफल आयोजन किया गया। यह अभियान विश्वविद्यालय द्वारा गोद लिए गए गांवों एवं शैक्षणिक संस्थानों में संचालित किया गया, जिसका उद्देश्य विद्यार्थियों, ग्रामीणों, अभिभावकों एवं आमजन को नशे के दुष्प्रभावों के प्रति जागरूक करना था।

अभियान का शुभारंभ एनएसएस समन्वयक डॉ. संजीव कुमार सिन्हा के नेतृत्व में किया गया। कार्यक्रम में डीएसडब्लू बी. सामंता, कार्यक्रम पदाधिकारी डॉ. साग्निका प्रधान एवं प्रो. श्वेता कुमारी, आईक्यूएसी निदेशक डॉ. नित्या गर्ग, डॉ. पूजा मिश्रा, डॉ. संदीप चौधरी, प्रो. करण प्रताप सहित विश्वविद्यालय के अन्य शिक्षकगण उपस्थित रहे।

अपने संबोधन में डॉ. साग्निका प्रधान ने महुआ बीजों के उपयोग से रोजगार सृजन की संभावनाओं पर प्रकाश डाला।

डॉ. बी. सामंता ने नशे की प्रक्रिया एवं प्रतिबंधित पदार्थों के सेवन से होने वाले दुष्प्रभावों की विस्तार से जानकारी दी। वहीं डॉ. संजीव कुमार सिन्हा ने नशे के मानव स्वास्थ्य, पारिवारिक संबंधों एवं सामाजिक जीवन पर पड़ने वाले नकारात्मक प्रभावों पर चर्चा की।

डॉ. संदीप चौधरी ने नशे की लत से मुक्ति पाने के व्यावहारिक उपायों एवं स्वस्थ जीवनशैली अपनाने के महत्व पर प्रकाश डाला। कार्यक्रम का संचालन प्रो. श्वेता कुमारी व धन्यवाद ज्ञापन डॉ विकास कुमार ने किया। अभियान के दूसरे दिन मॉडल हाई स्कूल, बराम में जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया। इस दौरान विद्यार्थियों के साथ संवाद करते हुए नशीले पदार्थों एवं शराब के सेवन से होने वाले सामाजिक, आर्थिक एवं स्वास्थ्य संबंधी दुष्प्रभावों की जानकारी दी। वक्ताओं ने युवाओं को नशे से दूर रहकर शिक्षा, कौशल विकास एवं राष्ट्र निर्माण में योगदान देने के लिए प्रेरित किया।

अभियान के अंतिम दिन मध्य विद्यालय, आरा में जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम में डॉ. संदीप कुमार एवं डॉ. अतुल कर्ण ने भी अपने विचार साझा किए। कार्यक्रम के अंत में सभी प्रतिभागियों ने नशामुक्त रहने तथा अपने-अपने समुदायों में नशा मुक्ति के प्रति जागरूकता फैलाने की शपथ ली। अभियान को मिला व्यापक समर्थन तीन दिवसीय इस नशा मुक्ति अभियान को विद्यार्थियों, ग्रामीणों, शिक्षकों एवं स्थानीय जनप्रतिनिधियों का उत्साहजनक सहयोग प्राप्त हुआ।

सरला बिरला विश्वविद्यालय के माननीय प्रतिकुलाधिपति श्री बिजय कुमार दलान, माननीय महानिदेशक प्रो गोपाल पाठक, माननीय कुलपति प्रो सी जगनाथन एवं माननीय राज्यसभा सांसद सह निदेशक प्लानिंग एंड डेवलपमेंट डॉ प्रदीप कुमार वर्मा ने इस अभियान के सफल क्रियान्वयन पर आयोजक मंडली को शुभकामनाएं दी है।

नि:शुल्क स्वास्थ्य जांच शिविर में 70 लोगों ने कराई जांच

रांची : पुंदाग स्थित श्री राधा कृष्ण प्रणामी मंदिर परिसर में श्री कृष्ण प्रणामी सेवा धाम ट्रस्ट एवं ए.आर. हेल्थ केयर पॉलीक्लिनिक एंड डायग्नोस्टिक के संयुक्त तत्वावधान में रविवार को निःशुल्क स्वास्थ्य जांच एवं चिकित्सा परामर्श शिविर का सफल आयोजन किया गया। शिविर में क्षेत्र के लोगों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया तथा विभिन्न स्वास्थ्य संबंधी जांचों का लाभ उठाया। शिविर के दौरान कुल 70 लोगों के ब्लड शुगर, रक्तचाप (बीपी), कोलेस्ट्रॉल एवं वजन की निःशुल्क जांच की गई। जांच के उपरांत वरिष्ठ चिकित्सक डॉ. सुरेंद्र प्रसाद ने सभी मरीजों का स्वास्थ्य परीक्षण कर आवश्यक चिकित्सकीय परामर्श प्रदान किया।

प्रधानमंत्री मोदी की विदेशी यात्राएँ भारत के लिए अर्थलाभदायक?

सौरभ वार्ष्णेय

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की विदेश यात्राएँ पिछले एक दशक से भारतीय राजनीति और कूटनीति के केंद्र में रही हैं। समर्थकों के लिए ये यात्राएँ भारत की बढ़ती वैश्विक प्रतिष्ठा का प्रतीक हैं, जबकि आलोचक इन्हें अत्यधिक प्रचार आधारित और महँगी कूटनीति मानते हैं। ऐसे में यह प्रश्न स्वाभाविक है कि क्या इन यात्राओं से वास्तव में भारत को ठोस लाभ मिला है?

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की विदेश यात्राएँ केवल औपचारिक कूटनीतिक कार्यक्रम नहीं रहीं, बल्कि उन्होंने भारत की वैश्विक पहचान, आर्थिक हितों और सामरिक प्रभाव को नई ऊँचाइयों तक पहुँचाने का कार्य किया है। वर्ष 2014 में सत्ता संभालने के बाद से लेकर जून 2026 तक प्रधानमंत्री मोदी लगभग 100 विदेश यात्राएँ कर 78 देशों का दौरा कर चुके हैं। यह आँकड़ा स्वयं इस बात का प्रमाण है कि भारत ने बीते एक दशक में विश्व मंच पर अपनी सक्रिय उपस्थिति दर्ज कराई है।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की विदेश यात्राएँ पिछले एक दशक से भारतीय राजनीति और कूटनीति के केंद्र में रही हैं। समर्थकों के लिए ये यात्राएँ भारत की बढ़ती वैश्विक प्रतिष्ठा का प्रतीक हैं, जबकि आलोचक इन्हें अत्यधिक प्रचार आधारित और महँगी कूटनीति मानते हैं। ऐसे में यह प्रश्न स्वाभाविक है कि क्या इन यात्राओं से वास्तव में भारत को ठोस लाभ मिला है?

भारत की विदेश नीति आज केवल सीमाओं की सुरक्षा तक सीमित नहीं है, बल्कि व्यापार, निवेश, ऊर्जा सुरक्षा, तकनीक, रक्षा सहयोग और वैश्विक प्रभाव बढ़ाने का माध्यम भी बन चुकी है। प्रधानमंत्री मोदी ने अपने कार्यकाल में अमेरिका, यूरोप, खाड़ी देशों, अफ्रीका तथा हिंद महासागर क्षेत्र के देशों के साथ संबंधों को नई दिशा देने का प्रयास किया है। हाल की उनकी सेशेल्स हिंद महासागर में स्थित एक खूबसूरत द्वीपीय देश है। यात्रा भी समुद्री सुरक्षा, ब्लू इकोनॉमी और हिंद महासागर क्षेत्र में भारत की रणनीतिक भूमिका को मजबूत करने की दृष्टि से महत्वपूर्ण मानी जा रही है। इन यात्राओं का सबसे बड़ा लाभ आर्थिक क्षेत्र में दिखाई देता है। वैश्विक कंपनियों के साथ संपर्क बढ? से भारत में निवेश आकर्षित हुआ है। डिजिटल अर्थव्यवस्था, सेमीकंडक्टर, कृत्रिम बुद्धिमत्ता और विनिर्माण क्षेत्र में भारत को नई संभावनाएँ मिली हैं। हाल के वर्षों में अनेक वैश्विक कंपनियों ने भारत में बड़े निवेश की घोषणाएँ की हैं, जिससे रोजगार और औद्योगिक विकास को गति मिलने की उम्मीद है।

रणनीतिक दृष्टि से भी भारत की स्थिति पहले की तुलना में अधिक सशक्त हुई है। हिंद महासागर क्षेत्र में भारत अपनी उपस्थिति मजबूत कर रहा है और छोटे द्वीपीय देशों के साथ

रक्षा एवं समुद्री सहयोग बढ़ा रहा है। सेशेल्स को भारत निर्मित गश्ती पोत सौंपना इसी नीति का हिस्सा है।

अंतरराष्ट्रीय मंचों पर भारत की स्वीकार्यता भी बढ़ी है। अनेक देशों ने भारत की वैश्विक भूमिका का समर्थन किया है तथा भारत को एक उभरती महाशक्ति के रूप में देखा जाने लगा है। संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद में स्थायी सदस्यता की भारतीय दावेदारी को भी विभिन्न देशों का समर्थन प्राप्त हो रहा है।

हालाँकि, विदेश यात्राओं की सफलता का मूल्यांकन केवल स्वागत समारोहों और समझौतों की संख्या से नहीं किया जा सकता। यह भी देखना आवश्यक है कि कितने समझौते धरातल पर उतरते हैं, कितना निवेश वास्तव में आता है और उससे देश के आम नागरिक को कितना लाभ मिलता है। कुछ मामलों में व्यापारिक विवाद, वैश्विक तनाव और भू-राजनीतिक चुनौतियाँ भी भारत के सामने बनी हुई हैं।

आधुनिक विश्व व्यवस्था में सक्रिय कूटनीति किसी भी उभरती शक्ति के लिए अनिवार्य है। प्रधानमंत्री मोदी की विदेश यात्राओं ने भारत की अंतरराष्ट्रीय पहचान को मजबूत किया है, नए साझेदार बनाए हैं और भारत को वैश्विक निर्णय प्रक्रिया में अधिक प्रभावशाली स्थान दिलाने का प्रयास किया है। लेकिन इन यात्राओं की वास्तविक सफलता का पैमाना यही होगा कि वे देश की अर्थव्यवस्था, रोजगार, सुरक्षा और आम नागरिक के जीवन में कितनी सकारात्मक परिवर्तनकारी भूमिका निभाती हैं।

विदेश नीति का अंतिम उद्देश्य राष्ट्रीय हितों की पूर्ति होना चाहिए। यदि विदेश यात्राएँ निवेश, तकनीक, ऊर्जा सुरक्षा और रणनीतिक शक्ति के रूप में भारत को लाभ पहुँचा रही हैं, तो उन्हें केवल राजनीतिक दृष्टि से नहीं बल्कि राष्ट्रीय विकास की व्यापक रणनीति के रूप में देखा जाना चाहिए। भारत की बढ़ती वैश्विक भूमिका इसी संतुलित और परिणामोन्मुख कूटनीति पर निर्भर करेगी।

आलेख के बीच में

सेशेल्स यात्राः हिन्द महासागर में सहयोग और सामरिक साझेदारी की नई दिशा

भारत और सेशेल्स के बीच संबंध केवल कूटनीतिक औपचारिकताओं तक सीमित नहीं हैं, बल्कि वे साझा समुद्री हितों, सुरक्षा सहयोग और विकास की साझी आकांक्षाओं पर आधारित हैं। सेशेल्स की यात्रा दोनों देशों के द्विपक्षीय संबंधों को नई ऊँचाइयों तक ले जाने के साथ-साथ हिन्द महासागर क्षेत्र में शांति, स्थिरता और समृद्धि के साझा लक्ष्य को भी मजबूती प्रदान करेगी। हिन्द महासागर आज वैश्विक व्यापार, ऊर्जा आपूर्ति और सामरिक प्रतिस्पर्धा का प्रमुख केंद्र बन चुका है। विश्व व्यापार का बड़ा हिस्सा इसी समुद्री मार्ग से होकर गुजरता है। ऐसे में इस क्षेत्र की सुरक्षा और स्थिरता केवल तटीय देशों के लिए ही नहीं, बल्कि पूरी विश्व अर्थव्यवस्था के लिए महत्वपूर्ण है। सेशेल्स, भौगोलिक दृष्टि से छोटा द्वीपीय राष्ट्र होने के बावजूद हिन्द महासागर की समुद्री सुरक्षा व्यवस्था में अत्यंत महत्वपूर्ण स्थान रखता है। भारत ने हमेशा सागर अर्थात सिक्योरिटी एंड ग्रोथ फॉर ऑल इन द रीजन की नीति के माध्यम से हिन्द महासागर क्षेत्र में सहयोग, विश्वास और साझा विकास को प्राथमिकता दी है। इसी नीति के तहत भारत ने सेशेल्स के साथ रक्षा, समुद्री निगरानी, तटरक्षक सहयोग, क्षमता निर्माण तथा आपदा प्रबंधन जैसे क्षेत्रों में निरंतर साझेदारी विकसित की है। समुद्री डकैती, अवैध मछली पकड?, तस्करी और अन्य समुद्री अपराधों से निपटने में भी दोनों देशों का सहयोग महत्वपूर्ण साबित हुआ है।

सेशेल्स की यात्रा इस बात का संकेत है कि भारत अपने पड़ोसी और मित्र देशों के साथ संबंधों को केवल रणनीतिक नजरिये से नहीं देखता, बल्कि उन्हें विकास के विश्वसनीय भागीदार के रूप में भी मान्यता देता है। स्वास्थ्य, शिक्षा, डिजिटल कनेक्टिविटी, अक्षय ऊर्जा और ब्लू इकोनॉमी जैसे क्षेत्रों में सहयोग की व्यापक संभावनाएँ मौजूद हैं। विशेष रूप से ब्लू इकोनॉमी के क्षेत्र में दोनों देश समुद्री संसाधनों के सतत उपयोग और पर्यावरण संरक्षण की दिशा में महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकते हैं। आज जब हिन्द महासागर क्षेत्र में वैश्विक शक्तियों की सक्रियता बढ़ रही है, तब भारत और सेशेल्स के बीच मजबूत होते संबंध क्षेत्रीय संतुलन और सामूहिक सुरक्षा के लिए भी आवश्यक हैं। यह साझेदारी किसी प्रतिस्पर्धा का माध्यम नहीं, बल्कि सहयोग, विश्वास और साझा हितों पर आधारित व्यवस्था को मजबूत करने का प्रयास है। छोटे द्वीपीय देशों की विकास संबंधी चुनौतियों और जलवायु परिवर्तन के खतरों से निपटने में भारत की भूमिका एक विश्वसनीय मित्र और विकास सहयोगी के रूप में उभर रही है। सेशेल्स यात्रा दोनों देशों के संबंधों को और अधिक प्रगाढ़ बनाएगी। इससे हिन्द महासागर क्षेत्र में समुद्री सहयोग को नई गति मिलेगी तथा एक सुरक्षित, शांतिपूर्ण और समृद्ध हिन्द महासागर के निर्माण की साझा दृष्टि को साकार करने की दिशा में महत्वपूर्ण प्रगति होगी। वर्तमान वैश्विक परिस्थितियों में ऐसी साझेदारियाँ ही क्षेत्रीय स्थिरता, आर्थिक प्रगति और दीर्घकालिक शांति की आधारशिला सिद्ध होंगी।

लेखक वरिष्ठ पत्रकार, चिंतक, राजनीतिक विचारक है।

संपादकीय

पासपोर्ट फीस बढ़ी और नागरिकता पर सवाल

विदेश में उच्च शिक्षा ग्रहण करने, रोजगार पाने या फिर भ्रमण का सपना संजोने वाले लोगों को अब पासपोर्ट बनवाने के लिए अपनी जेब और अधिक ढीली करनी पड़ेगी। सरकार ने पासपोर्ट के आवेदन शुल्क में बढ़ोतरी कर दी है, जिसके तहत अब 36 पन्नों के सामान्य पासपोर्ट के लिए 1,500 रुपए की जगह 2,500 रुपए का भुगतान करना होगा, जबकि तत्काल सेवा के लिए 3,500 रुपए के बजाय 5,000 रुपए देने होंगे। सरकार की ओर से शुल्क बढ़ोतरी का कोई स्पष्ट कारण नहीं बताया गया है, लेकिन इसका असर निश्चित रूप से उन आर्थिक रूप से कमजोर परिवारों पर पड़ेगा, जिनके बच्चों को विदेश में उच्च शिक्षा हासिल करने के अवसर मिलते हैं। साथ ही उन श्रमिकों पर भी अतिरिक्त बोझ पड़ेगा, जो विदेश में रोजगार के जरिए अपने परिवार की आर्थिक स्थिति सुधारना चाहते हैं। इसी के साथ पासपोर्ट को नागरिकता का प्रमाण न मानने को लेकर भी विवाद पैदा हो गया है। सड़कों से लेकर राजनीतिक गलियारों तक यह सवाल उठने लगा है कि आखिर नागरिकता साबित करने के लिए कौन सा दस्तावेज जरूरी है। इसमें दो राय नहीं कि भारतीय विद्यार्थियों का विदेश जाकर उच्च शिक्षा ग्रहण करने में खासा रुझान देखा जाता है। एक रिपोर्ट के मुताबिक वर्ष 2025 में 12 लाख से अधिक भारतीय विद्यार्थी विभिन्न देशों में उच्च शिक्षा हासिल कर रहे थे, लेकिन अब इन छात्रों की संख्या में गिरावट देखी जा रही है। विदेशी शिक्षा संस्थानों में बढ़ती फीस और वीजा नियमों में की जा रही सख्ती से देश के छात्रों के कदम ठिठक रहे हैं। ऐसे में पासपोर्ट के आवेदन शुल्क में बढ़ोतरी उनके इरादों को और कमजोर कर सकती है। इसी तरह विदेश में रोजगार के लिए जाने वाले श्रमिक वर्ग पर भी इसका विपरीत असर पड़ने की आशंका है। सरकारी आंकड़ों के मुताबिक वर्ष 2024 में करीब साढ़े तीन लाख भारतीय श्रमिक विदेश गए थे। ऐसे में यह सवाल भी उठ रहा है कि क्या आर्थिक स्थिति के आधार पर पासपोर्ट आवेदन शुल्क में रियायत नहीं दी जा सकती है। सरकार का मकसद केवल राजस्व अर्जित करना ही नहीं, बल्कि आम लोगों की आर्थिक सुरक्षा पर ध्यान देना भी होना चाहिए।

चिंतन-मनन

जीवन में दर्द अस्थायी होता है

एक राजा ने अपने सभी सलाहकारों को बुलाया और कहा, मैं चाहता हूं कि मैं अंदर से स्थिर बना रहूं। जीवन के उतार-चढ़ाव मेरा संतुलन बिगाड़ देते हैं। तुम कोई ऐसी चीज बताओ जिससे दुख की अवस्था से गुजरते हुए मैं खुशी पा सपूं और जब मैं आनंद की अवस्था में होऊं, तो वह चीज मुझे दुखों की याद दिलाती रहे। ऐसी चीज खोजो जो मैं अपने पास रख सपूं ताकि मेरे चारों ओर कुछ भी घटता रहे, पर मैं शांत-स्थिर रह सपूं। सभी सलाहकार मिलकर बैठे और उन्होंने विचार-विमर्श किया। अंत में वे एक बक्सा लेकर राजा के पास गए- महाराज, आप इस बक्से को खोलें। राजा ने उसे खोला तो उसमें एक छोटी अंगूठी मिली। उन्होंने राजा से कहा, इस पर जो लिखा है,उसे पढ़ें। अंगूठी पर लिखा था- यह समय भी बीत जाएगा। इन पांच सादे लफ्जों से राजा को बड़ी मदद मिली। हमें भी संतुलन बनाए रखने में इनसे मदद मिल सकती है। जब हम बहुत आनंद में हों, तब याद रखने की जरूरत है कि चीजें हर समय ऐसी नहीं रहेंगी और जब खुशहाल वक्ति गुजर जाए तो हमें निराश या हतोत्साहित नहीं होना चाहिए। हमें ये पांच सादे लफ्ज याद दिला सकते हैं कि दर्द अस्थायी है और खुशहाली फिर लौट आएगी। सभी जीवन में उतार-चढ़ाव का सामना करते हैं। ये जीवन के अभिन्न अंग हैं। इनसे बचा नहीं जा सकता। प्रश्न यह है कि जीवन-पथ पर जब हम ऊंच-नीच का सामना करेंगे तो क्या हम मन की शांति खोकर अस्थिर हो जाना चाहेंगे ? अगर हम खुद को जिंदगी में घटने वाली हर घटना से प्रभावित होने देंगे तो हम आनंद की ऊंचाइयों से घोर निराशा की गहराइयों में पहुंच जाएंगे लेकिन अगले ही क्षण वापस आनंद की अवस्था में होंगे। इस लगातार बदलाव से अक्सर भय, तनाव और आतंक पैदा होता है क्योंकि हमें कभी यह पता नहीं होता कि आगे क्या होगा। समय के साथ, भय और तनाव की यह अवस्था हमारे स्वभाव का हिस्सा बन जाती है और हम शांत या तनाव रहित नहीं हो पाते। ध्यान और प्रार्थना के द्वारा हम शांत स्थान पर पहुंच सकते हैं। हमारे अंतर में समस्त दैवी खजाने हैं। हम मात्र शरीर और मन नहीं हैं, बल्कि हम आत्मा हैं। आत्मा ज्योति, प्रेम और आनंद से भरपूर है। यह हर समय प्रभु से जुड़ी रहती है। सृजनात्मक शक्ति यानी प्रभु और आत्मा एक ही तत्त्व के बने हैं। अगर हम प्रतिदिन अपना कुछ समय अंतरात्मा की शांति में व्यतीत करें तो हम आनंद के एक स्थान से जुड़ जाएंगे। तब बाहरी परिस्थितियां प्रभावित नहीं करेंगी। अगली बार हमें दुख-दर्द हो तो हम याद रखें, यह समय भी बीत जाएगा।

एनडीए कुनबे में सांसद बढ़े पर बढ़ गया अंदरूनी असंतोष

दिलीप कुमार पाठक

भारतीय राजनीति में इस समय एक बड़ा विरोधाभास देखने को मिल रहा है। विपक्ष के सांसदों की टूट-फूट से सत्ताधारी एनडीए का कुनबा लगातार बड़ा हो रहा है। ऊपरी तौर पर ऐसा लगता है कि सरकार पहले से कहीं अधिक मजबूत और सुरक्षित हो चुकी है। लेकिन जब हम दिल्ली के राजनीतिक गलियारों और संसद के आंकड़ों की गहराई में जाते हैं, तो कहानी कुछ और ही नजर आती है। बाहर से ताकतवर दिख रही इस सरकार के भीतर तनाव की एक नई लहर दौड़ गई है।

साल 2024 के लोकसभा चुनाव में भाजपा अपने दम पर बहुमत का जाजुई आंकड़ा नहीं छू सकी थी। तब एनडीए ने 293 सीटों के साथ सरकार का गठन किया था। सरकार को टिकाए रखने के लिए 272 सांसदों की जरूरत होती है। हाल के दिनों में विपक्षी खेमे, खासकर टीएमसी और शिवसेना, जैसे दलों से सांसदों के पाला बदलने के कारण अब एनडीए का आंकड़ा 313 के पार पहुंच चुका है। सीधे गणित से देखें तो अविश्वास प्रस्ताव के जरिए इस सरकार को गिराना विपक्ष के लिए पूरी तरह असंभव है। सरकार गिरने का कोई तात्कालिक खतरा नहीं है, इसलिए सरकार के पूरी तरह अस्थिर होने का दावा तकनीकी रूप से गलत साबित होता है। लेकिन असली पेंच सरकार के बने रहने का नहीं, बल्कि उसके कामकाज और आंतरिक तालमेल का है। सरकार का कुनबा तो बढ़ रहा है, लेकिन इसके साथ ही गठबंधन के भीतर तनाव भी चरम पर पहुंच गया है। इस समय सबसे बड़ी अटकलें मंत्रिमंडल में बड़े फेरबदल को लेकर लगाई जा रही हैं। बाहर से आए दिग्गज नेताओं को संतुष्ट करने के लिए उन्हें सरकार में जगह देनी होगी। इसकी वजह से मौजूदा कई मंत्रियों पर भारी दबाव देखा जा रहा है। राजनीतिक गलियारों में चर्चा तेज है कि नए चेहरों को एडजस्ट करने के लिए कई पुराने और कद्दावर मंत्रियों की छुट्टी की जा सकती है या उनसे भारी-भरकम मंत्रालय छीने जा सकते हैं। इस संभावित फेरबदल की वजह से मंत्रियों और मूल पार्टी कार्यकताओं के बीच असंतोष की आग सुलगने लगी है। पुराने नेताओं को लगने लगा है कि बरसों तक पार्टी के लिए खून-पसीना बहाने के बाद भी, ऐन मौके पर दलबदलुओं को तवज्जो दी जा रही है। तनाव का दूसरा बड़ा कारण गठबंधन की छोटी और क्षेत्रीय पार्टियों में देखा जा रहा है। नीतीश कुमार की जेडीयू और चंद्रबाबू नायडू की टीडीपी जैसे दल अब अपने राजनीतिक अस्तित्व को लेकर गहरे संकट और चिंता में हैं। दरअसल, जब एनडीए के पास 293 सीटें थीं, तब इन छोटे दलों की बैसाखियों के बिना सरकार एक कदम भी नहीं चल सकती थी। लेकिन अब विपक्ष से आए सांसदों के कारण सरकार का अपना आंकड़ा 313 पार कर गया है। इस नए समीकरण ने छोटे दलों की सौदेबाजी की ताकत को लगभग खत्म कर दिया है। उन्हें डर है कि भाजपा अब उनके क्षेत्रीय हितों को नजरअंदाज कर सकती है, जिससे उनके राज्यों में उनका वजूद ही खतरे में पड़ जाएगा।इस राजनीतिक उठापटक के बीच, हालिया विवादों ने सरकार की सुशासन की छवि पर भी दबाव बना दिया है। अयोध्या में राम मंदिर के चढ़ावे में चोरी का बड़ा मामला सामने आने से जहां एक तरफ धार्मिक और राजनीतिक बहस छिड़ गई है, वहीं दूसरी तरफ मध्य प्रदेश के मुख्यमंत्री मोहन यादव से जुड़ा भूमि आवंटन का ताजा प्रकरण भी विपक्ष के हाथों में बड़ा मुद्दा बन गया है। इन दोनों ही गंभीर मामलों ने भाजपा को रक्षात्मक मुद्रा में ला खड़ा किया है, जिससे संगठन के भीतर का आपसी तनाव और अधिक गहरा गया है। इस पूरे दलबदल के पीछे सरकार की अपनी एक बड़ी रणनीति भी छिपी है। सरकार संसद में मनमाने और कड़े बिल पारित कराना चाहती है। भाजपा का मुख्य एजेंडा सिर्फ सरकार चलाना नहीं, बल्कि परिसीमन और एक देश, एक चुनाव जैसे बड़े संवैधानिक सुधारों को लागू करना है। इन ऐतिहासिक बदलावों के लिए संसद में दो-तिहाई बहुमत यानी 362 सीटों की जरूरत होती है। सरकार इसी जादुई आंकड़े को छूने के लिए विपक्ष में तोड़फोड़ कर रही है। हालांकि, इतने सांसदों को जोड़ने के बाद भी सरकार अभी दो-तिहाई के आंकड़े से दूर है, जिससे विधायी स्तर पर उसकी राह अब भी आसान नहीं दिखती। कुल मिलाकर देखें तो यह दावा पूरी तरह सही है कि सांसदों के आने से एनडीए का संख्या बल तो बढ़ा है, लेकिन सरकार के भीतर आंतरिक तनाव और असंतोष अभूतपूर्व स्तर पर पहुंच गया है। सरकार की उम्र भले ही लंबी हो गई हो, लेकिन मंत्रियों की कुर्सी छिनने का डर, पुराने नेताओं की नाराजगी, क्षेत्रीय दलों के अस्तित्व का संकट और हालिया भ्रष्टाचार के आरोप इस सरकार की राजनीतिक स्थिरता को अंदर ही अंदर खोखला कर रहे हैं।

(लेखक पत्रकार हैं)

(यह लेखक के व्यक्तिगत विचार हैं इससे संपादक का सहमत होना अनिवार्य नहीं है)

राष्ट्रीय सांख्यिकी दिवस- आंकड़ों से आत्मनिर्भरता तकः सांख्यिकी की बढ़ती शक्ति

योगेश कुमार गोयल

आंकड़ों से भविष्य गढ़ने का विज्ञान है सांख्यिकी...

हमारी रोजमर्रा की जिंदगी में सांख्यिकी (स्टैटिस्टिक्स) के उपयोग को लोकप्रिय बनाने के उद्देश्य से प्रतिवर्ष 29 जून को 'राष्ट्रीय सांख्यिकी दिवस' मनाया जाता है। आर्थिक नियोजन और सांख्यिकी के क्षेत्र में प्रो. प्रशांत चंद्र महालनोबिस द्वारा दिए गए उत्कृष्ट योगदान को देखते हुए भारत सरकार द्वारा उनकी जयंती को राष्ट्रीय सांख्यिकी दिवस मनाने के रूप में मनाने का निर्णय लिया गया था और इस आशय की अधिसूचना भारत के राजपत्र में 5 जून 2007 को प्रकाशित की गई थी। 'राष्ट्रीय सांख्यिकी दिवस' का वर्ष 2026 का विषय है 'प्रशासनिक डेटा की क्षमता को उजागर करना', जो इस तथ्य को रेखांकित करता है कि सरकारी विभागों द्वारा प्रतिदिन एकत्र किए जाने वाले विशाल प्रशासनिक आंकड़े केवल अभिलेख नहीं हैं बल्कि वे नीति निर्माण, सेवा वितरण, पारदर्शिता, जवाबदेही और समावेशी विकास के सबसे प्रभावी उपकरण बन सकते हैं। 29 जून 1893 को कलकत्ता में जन्मे प्रो. पी.सी. महालनोबिस जाने-माने भारतीय सांख्यिकीविद् थे, जिन्होंने 'महालनोबिस दूरी' तैयार करने के अलावा दूसरी पंचवर्षीय योजना में औद्योगीकरण के लिए भारत की रणनीति तैयार करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई थी। उन्होंने दो डेटा सेटों के बीच तुलना का एक माप तैयार किया था, जिसे अब 'महालनोबिस दूरी' के रूप में जाना जाता है। प्रो. महालनोबिस ने 17 दिसम्बर 1931 को कलकत्ता में भारतीय सांख्यिकी संस्थान की स्थापना की थी, जिसे 1959 में राष्ट्रीय महत्व का संस्थान घोषित किया गया। 1950 में उन्होंने राष्ट्रीय नमूना सर्वेक्षण तथा सांख्यिकीय गतिविधियों के समन्वय के लिए केन्द्रीय सांख्यिकी संगठन की स्थापना की।

प्रो. महालनोबिस एक प्रशिक्षित भौतिक विज्ञानी थे, जिन्होंने अपने शिक्षक डब्ल्यू एच मैकाले के कहने पर 'बायोमेट्रिका' नामक एक किताब पढ़ी और वह किताब पढ़ने के बाद ही उनका रुझान सांख्यिकी की ओर होने लगा था। उसके बाद ही उन्होंने पता लगाया कि मौसम विज्ञान और मानव विज्ञान सहित विभिन्न क्षेत्रों में सांख्यिकी का उपयोग किया जा सकता है। यही उनके वैज्ञानिक जीवन में बेहद महत्वपूर्ण क्षण साबित हुआ। भारत में एंथ्रोपोमेट्री अथवा मानव माप के अध्ययन के क्षेत्र में वे अग्रणी थे और उन्होंने बड़े पैमाने पर नमूना सर्वेक्षण तथा नमूनाकरण विधियों के डिजाइन में भी सहायता की। उन्होंने फेल्डमैन-महालनोबिस मॉडल बनाया, जो आर्थिक विकास का एक नव-मार्क्सवादी मॉडल था, जिसका उपयोग भारत की दूसरी पंचवर्षीय योजना में किया गया, जिसने देश में तेजी से औद्योगीकरण को बढ़ावा दिया। उन्होंने भारत के पहले योजना आयोग में भी काम किया और उन्हें उनके महत्वपूर्ण कार्यों के लिए पद्म विभूषण सहित कई पुरस्कार मिले। बड़े पैमाने पर नमूना सर्वेक्षण करने के लिए उन्होंने नई तकनीकों का आविष्कार किया और अव्यवस्थित नमूने की विधि का उपयोग करके एकड़ और फसल की पैदावार की गणना की। लोगों के विभिन्न समूहों की सामाजिक आर्थिक स्थितियों की तुलना करने के लिए उन्होंने फ्रैक्टाइल ग्राफिकल विश्लेषण नामक एक सांख्यिकीय पद्धति भी तैयार की। बाढ़ नियंत्रण के लिए उन्होंने सांख्यिकी को आर्थिक नियोजन में भी लागू किया। 28 जून 1972 को कलकत्ता में प्रो. महालनोबिस का निधन हो गया। सांख्यिकी के क्षेत्र में उनके उल्लेखनीय कार्यों और योगदान के सम्मान में ही हर साल 29 जून को राष्ट्रीय सांख्यिकी दिवस मनाया जाता है।

माना जाता है कि सांख्यिकी की उत्पत्ति हजारों वर्ष पूर्व की गई जनगणना में हुई थी लेकिन एक विशिष्ट वैज्ञानिक अनुशासन के रूप में इसे 19वीं शताब्दी की शुरूआत में आबादी, अर्थव्यवस्थाओं और नैतिक कार्यों के अध्ययन के रूप में और बाद में उस शताब्दी में ऐसी संख्याओं के विश्लेषण के लिए गणितीय उपकरण के रूप में विकसित किया गया था। राष्ट्रीय सांख्यिकी दिवस सही मायनों में लोगों को यह समझाता है कि नीतियों को आकार देने और तैयार करने में सांख्यिकी किस प्रकार मदद करती है और इस दिवस को मनाते हुए यह उम्मीद की जाती है कि यह आयोजन सामाजिक-आर्थिक नियोजन और नीति निर्माण में सांख्यिकी की भूमिका के बारे में विशेषकर युवा वर्ग में जागरूकता बढ़ाएगा। प्राकृतिक आपदाओं की जानकारी के संबंध में रिपोर्ट भेजने के लिए हम प्रायः कुछ एजेंसियों अथवा विभागों की घोषणाओं पर ही भरोसा करते हैं। दरअसल भूकम्प, मौसम और ज्वालामुखी संबंधी भविष्यवाणियों की गणना सांख्यिकीय तरीकों की एक श्रृंखला के माध्यम से ही की जाती है। रिकॉर्ड और फॉर्मूले के बगैर हम यह अनुमान ही नहीं लगा सकते कि नवीनतम तूफान या कोई बड़ा भूकम्प कब आएगा और ऐसे में हम इसके अभाव में समय रहते आवश्यक सावधानियां नहीं बरत सकते। इसके लिए आंकड़े ही हमें सचेत करते हैं ताकि हम आपातकालीन स्थिति के लिए पहले से ही बेहतर तैयारी कर सकें, जिससे जान-माल का नुकसान न्यूनतम हो सके।

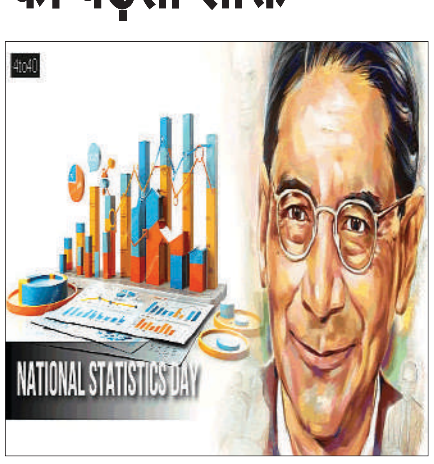

सांख्यिकी अनुभवजन्य डेटा एकत्र करने, विश्लेषण करने, व्याख्या करने और प्रस्तुत करने के तरीकों के विकास और अध्ययन से संबंधित विज्ञान है। यह गणित की वह शाखा है, जिसमें आंकड़ों का संग्रहण, प्रदर्शन, वर्गीकरण और उसके गुणों के आकलन का अध्ययन किया जाता है। सांख्यिकी एक गणितीय विज्ञान है, जिसमें किसी वस्तु, अवयव, तंत्र अथवा समुदाय से संबंधित आंकड़ों का संग्रह, विश्लेषण, व्याख्या या स्पष्टीकरण और प्रस्तुति की जाती है। सांख्यिकी की सहायता से ही देश में अशिक्षा, बेरोजगारी, अपराध, भिक्षावृत्ति इत्यादि विभिन्न सामाजिक समस्याओं के संबंध में जानकारी प्राप्त की जाती है, साथ ही इन समस्याओं के समाधान के उपाय तथा वे उपाय कहां तक सफल हुए हैं, इनका पता भी सांख्यिकी की मदद से ही लगाया जा सकता है। सांख्यिकी में आंकड़े दो प्रकार के होते हैं, वर्णनात्मक और अनुमानात्मक, जिनका उपयोग ज्यादातर रिकॉर्ड रखने, संभावनाओं की गणना करने और ज्ञान प्रदान करने के लिए किया जाता है। यह हमें संख्याओं और अन्य मात्रात्मक जानकारी के माध्यम से दुनिया को थोड़ा बेहतर ढ़ंग से समझने में मदद करता है, अर्थात ऐसी संख्याएं, जो किसी तथ्य पर प्रकाश डालती हों, आंकड़े कहलाती हैं। आंकड़े सदैव संख्या में ही व्यक्त किए जाते हैं और यह गणनात्मक होते हैं। आंकड़ों का संग्रहण किसी पूर्व निश्चित उद्देश्य के लिए ही किया जाता है, हालांकि आंकड़ों का संकलन करते समय उनकी शुद्धता एवं सत्यता पर विशेष ध्यान दिया जाना जरूरी होता है।

डिजिटल इंडिया : परिवर्तन के 11 वर्ष

बिहान भारत

डिजिटल इंडिया कार्यक्रम ने देश भर में नागरिकों के जुड़ने, सीखने, लेन-देन करने और सरकारी सेवाओं का लाभ उठाने के तरीके को बदल दिया है। पिछले 11 वर्ष में भारत ने बड़े पैमाने पर दुनिया के सबसे बड़े डिजिटल सार्वजनिक अवसंरचना पारिस्थितिकी में से एक को तैयार किया है। डिजिटल प्लेटफॉर्म ने विशेष रूप से ग्रामीण और कम सुविधा वाले इलाकों में स्वास्थ्य देखभाल, शिक्षा, कौशल प्रदान करने, खेती और कल्याणकारी योजनाओं तक पहुंच बढ़ाई है। भारत डिजिटल पेमेंट और डिजिटल गवर्नेंस नवाचार में ग्लोबल लीडर के तौर पर भी उभरा है। 'इंडिया स्टैक' के कई देशों तक पहुंचने के साथ, डिजिटल इंडिया समावेशी, नागरिक-केंद्रित और प्रौद्योगिकी-आधारित विकास में भारत के वैश्विक नेतृत्व को मजबूत कर रहा है।

डिजिटल इंडिया का विकास

डिजिटल इंडिया कार्यक्रम 1 जुलाई 2026 को 11 वर्ष पूरे कर रहा है, जो भारत के डिजिटल परिवर्तन की यात्रा में महत्वपूर्ण पड़ाव है। 2015 से पहले, सरकारी सेवाओं का मतलब अक्सर लंबी पंक्तियाँ, कागजी कार्रवाई और सीमित संपर्क होता था। डिजिटल इंडिया ने इंटरनेट की पहुंच बढ़ाकर और सेवाओं को ऑनलाइन लाकर डिजिटल अंतर को कम करने में सहायता की। इसने डिजिटल गवर्नेंस को मजबूत किया और सेवाओं को अधिक तेज, पारदर्शी और अधिक सुलभ बनाया। अब लाखों लोग स्वास्थ्य देखभाल, शिक्षा, बैंकिंग और कल्याणकारी योजनाओं के लाभ के लिए डिजिटल प्लेटफॉर्म का उपयोग करते हैं।
डिजिटल अवसंरचना में सरकारी निवेश ने ग्रामीण और शहरी भारत में कनेक्टिविटी को बेहतर बनाया। इस कार्यक्रम ने किफायती इंटरनेट और बड़े पैमाने पर डिजिटल पहुंच के जरिए डिजिटल टेक्नोलॉजी के लोकतंत्रीकरण को भी बढ़ावा दिया।
पिछले दशक में, डिजिटल इंडिया भारत की डिजिटल अर्थव्यवस्था और डिजिटल सार्वजनिक अवसंरचना की नींव बन गया है। भारत अब ग्लोबल रियल-टाइम डिजिटल पेमेंट में सबसे आगे है, जिसमें यूपीआई मात्रा के लिहाज से दुनिया भर के लेनदेन का लगभग 49% संभालता है। डिजिटल अर्थव्यवस्था भारत के सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) में लगभग 12-14% का योगदान देती है। आशा है कि अगले दशक में यह लगभग पांचवां हिस्सा (20%) योगदान देगी। डिजिटल इंडिया ने अलग-अलग क्षेत्र में नवाचार, स्टार्टअप ग्रोथ और प्रौद्योगिकी को अपनाने की गति को तेज किया। इसने आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस, क्लाउड कंप्यूटिंग और साइबर सुरक्षा में भारत की क्षमताओं को भी मजबूत किया। जैसे-जैसे भारत 'विकसित भारत 2047' की ओर बढ़ रहा है, डिजिटल इंडिया देश भर में समावेशी विकास, प्रौद्योगिकी के मामले में आत्मनिर्भरता और नागरिकों के सशक्तिकरण को बढ़ावा दे रहा है।

डिजिटल इंडिया के नौ स्तंभ

डिजिटल इंडिया कार्यक्रम को 9 स्तंभों के आधार पर बनाया गया था, ताकि डिजिटल पहुंच को बढ़ाने और नवाचार को बढ़ावा देने के लिए एकीकृत ढांचा तैयार किया जा सके।

स्तंभ 1: ब्रॉडबैंड हाईवेज

पूरे देश में डिजिटल अंतर को पाटने के लिए मोबाइल कनेक्टिविटी बहुत जरूरी है। भारतनेट-1 और भारतनेट-2 के अंतर्गत, देश भर में 2.22 लाख से ज्यादा ग्राम पंचायतों को जोड़ने का लक्ष्य रखा गया था। जनवरी 2026 तक, लगभग 2.15 लाख ग्राम पंचायतें यानी लगभग 97% पंचायतें जुड़ चुकी हैं और देश भर में लगभग 7 लाख किलोमीटर ऑप्टिकल फाइबर केबल बिछाई गई है। इससे ग्रामीण भारत में ई-गवर्नेंस, डिजिटल पेमेंट, ऑनलाइन शिक्षा, टेलीमेडिसिन और स्थानीय उद्यमिता को काफी मजबूती मिली है।

स्तंभ 2: मोबाइल कनेक्टिविटी तक सबकी पहुँच

डिजिटल गवर्नेंस और समावेशी आर्थिक वृद्धि के लिए भरोसेमंद ब्रॉडबैंड जरूरी है। मार्च 2026 के अंत तक ब्रॉडबैंड इंटरनेट सब्सक्राइबर की संख्या बढ़कर 106.58 करोड़ हो गई। इससे ग्रामीण भारत में भरोसेमंद 'लास्ट-माइल' डिजिटल कनेक्टिविटी मजबूत हुई।

स्तंभ 3: सार्वजनिक इंटरनेट पहुंच कार्यक्रम

आसानी से उपलब्ध डिजिटल सेंटर नागरिकों को अपने घरों के पास सेवाएं पाने में सहायता करते हैं। अब 6.5 लाख से ज्यादा सामान्य सेवा केंद्र और 1.6 लाख डाक घर डिजिटल सेवाएं दे रहे हैं। ये केंद्र ग्रामीण और कम सुविधा वाले इलाकों में ई-गवर्नेंस, बैंकिंग और नागरिक सेवाएं प्रदान करते हैं।

स्तंभ 4: ई-गवर्नेंस: टेक्नोलॉजी के जरिए सरकार में सुधार

इलेक्ट्रॉनिक रूप से सेवाएँ देने के लिए बनाया गया ई-गवर्नेंस, पेपरलेस, एकीकृत और जनता-केंद्रित प्रशासन को बढ़ावा देता है। आज, डिजिलॉकर और नेशनल सिंगल साइन-ऑन इकोसिस्टम जैसे प्लेटफॉर्म सर्टिफि केट, आवेदन, भुगतान और सार्वजनिक सेवाओं तक आसानी से पहुँचने में मदद करते हैं, जिससे कागजी काम कम होता है और जीवन आसान बनता है।

स्तंभ 5: ई-क्रांति: सेवाओं का इलेक्ट्रॉनिक वितरण

डिजिटल इंडिया के सेवा वितरण स्तंभ के तौर पर, ई-क्रांति ने फिजिकल से डिजिटल गवर्नेंस की ओर परिवर्तन को तेज किया है। ी-लङ्क२स्र३', ी-रंल्लीीप्ल्ल और ी-उङ्क४१३२ जैसे एकीकृत प्लेटफॉर्म ने सर्टिफि केट, स्वास्थ्य देखभाल और न्याय सेवाओं तक पहुँच को आसान बना दिया है, जिससे शासन ज्यादा कुशल और नागरिक-केंद्रित हो गया है।

क्या आप जानते थे?

e-Courts मिशन मोड प्रोजेक्ट ने भारत की कागज-आधारित न्यायिक प्रणाली को डिजिटल न्याय पारिस्थितिकी में बदल दिया है। 660 करोड़ से ज्यादा पृष्ठ डिजिटाइज किए गए हैं, जबकि 1.07 करोड़ केस ऑनलाइन फाइल किए गए हैं।

स्तंभ 6: सभी के लिए जानकारी

यह स्तंभ सरकारी जानकारी को आसानी से उपलब्ध कराकर और डिजिटल प्लेटफॉर्म के जरिए नागरिकों की भागीदारी को बढ़ावा देकर पारदर्शी और भागीदारी वाले शासन को मजबूत करता है। MyGov और Open Government Data जैसी पहल नागरिकों को जानकारी पाने और सरकारी कार्यक्रमों व सेवाओं से रियल-टाइम में जुड़े रहने में सक्षम बनाती हैं।

स्तंभ 7: इलेक्ट्रॉनिकी विनिर्माण

डिजिटल इंडिया ने नीति समर्थन, नवाचार और निवेश के जरिए भारत की इलेक्ट्रॉनिकी विनिर्माण पारिस्थितिकी को मजबूत किया है। इलेक्ट्रॉनिक्स उत्पादन वित्त वर्ष 2014-15 में 1.9 लाख करोड़ से बढ़कर मार्च 2026 तक लगभग 12 लाख करोड़ हो गया है। आज, भारत दुनिया का दूसरा सबसे बड़ा मोबाइल फोन निर्माता है, जो ग्लोबल इलेक्ट्रॉनिक्स मूल्य शृंखला में इसकी बढ़ती भूमिका को दिखाता है।

स्तंभ 8: नौकरियों के लिए सूचना प्रौद्योगिकी

भारत की डिजिटल अर्थव्यवस्था बड़े पैमाने पर रोजगार के अवसर सर्जित कर रही है। नैसकॉम के अनुसार, सूचना प्रौद्योगिकी और ITeS उद्योग ने वित्त वर्ष 2025 में 283 अरब अमरीकी डॉलर का राजस्व सर्जित किया है। भारत के 2,100 से ज्यादा ग्लोबल कैपेबिलिटी सेंटर्स (GCCs) में इंजीनियरिंग, एनालिटिक्स, साइबर सिक्योरिटी और एआई-आधारित भूमिकाओं में लगभग 26 लाख प्रोफेशनल काम करते हैं।

स्तंभ 9: अर्ली हार्वेस्ट प्रोग्राम

बायोमेट्रिक अटेंडेंस, सुरक्षित सरकारी ईमेल, पब्लिक वाई-फाई हॉटस्पॉट, ई-बुक्स, एसएमएस-आधारित मौसम चेतावनी और डिजिटल कम्युनिकेशन प्लेटफॉर्म जैसी तुरंत असर दिखाने वाले कार्यक्रमों ने प्रौद्योगिकी-आधारित शासन के फौरन मिलने वाले फायदे दिखाए।
ये 9 स्तंभ डिजिटल इंडिया के लिए रणनीतिक ढांचा तैयार करते हैं और ऐसे देश की नींव रखते हैं जो आपस में जुड़ा हुआ है और भविष्य के लिए तैयार है।
डिजिटल इंडिया प्रोग्राम, डिजिटल अंतर को कम करने की पहल से आगे बढ़कर दुनिया के सबसे बड़े डीपीआई इकोसिस्टम में से एक बन गया है, जो विभिन्न क्षेत्रों में शासन को बढ़ावा दे रहा है।

जेएएम ट्रिनिटी: डिजिटल इंडिया की नींव

जेएएम ट्रिनिटी — जन धन, आधार और मोबाइल कनेक्टिविटी — ने भारत में वित्तीय समावेशन और कल्याणकारी योजनाओं के लाभ पहुंचाने के तरीके में क्रांतिकारी परिवर्तन किया है। इसने लाखों लोगों को औपचारिक बैंकिंग प्रणाली से जोड़ा और सरकारी सेवाओं तक आसान पहुंच संभव बनाई।
जन धन योजना ने पूरे देश में बैंकिंग सेवाओं तक पहुंच को तेजी से बढ़ाया। बैंक खाते मार्च 2015 में 14.72 करोड़ से बढ़कर फरवरी 2026 तक 57.78 करोड़ हो गए। इसी दौरान जमा राशि 15,670 करोड़ से बढ़कर 2.94 लाख करोड़ हो गई।
इसके अलावा, आधार ने सुरक्षित और तुरंत डिजिटल प्रमाणीकरण के लिए भरोसेमंद बायोमेट्रिक पहचान प्लेटफॉर्म बनाया। आधार नामांकन 2010-11 में 0.42 करोड़ से बढ़कर मार्च 2026 तक 144 करोड़ से अधिक हो गए। मोबाइल कनेक्टिविटी ने पूरे भारत में डिजिटल पहुंच बढ़ाकर जेएएम इकोसिस्टम को और मजबूत किया। मार्च 2026 तक, 85.5% भारतीय परिवारों के पास कम से कम एक स्मार्टफोन था, जबकि 109 करोड़ से अधिक लोगों के पास इंटरनेट की सुविधा थी।
इन तीनों (जेएएम) ने मिलकर डिजिटल इंडिया के समावेशी शासन ढांचे की रीढ़ का कार्य किया। जून 2026 तक, 176 करोड़ नागरिकों को सीधे ?51 लाख करोड़ से अधिक का लाभ अंतरित किया गया, जिससे पूरे देश में पारदर्शिता और डिजिटल गवर्नेंस में सुधार हुआ।

केस स्टडी: भारत ने अपनी डिजिटल पहचान में किस प्रकार क्रांतिकारी बदलाव किया

आधार से पहले, लाखों भारतीयों के पास सत्यापन योग्य पहचान पत्र नहीं था, जिससे बैंकिंग, कल्याणकारी योजनाओं और सार्वजनिक सेवाओं तक उनकी पहुंच सीमित हो गई थी। आधार ने सुरक्षित बायोमेट्रिक-आधारित डिजिटल पहचान मंच के माध्यम से इस चुनौती का समाधान किया। समावेश पर केंद्रित इस कार्यक्रम की प्रतीक, महाराष्ट्र के तेम्भाली गांव की आदिवासी महिला श्रीमती रंजना सोनावाने, पहली आधार धारक बनीं। आधार ने न केवल मुख्यधारा के नागरिकों, बल्कि पूरे भारत में आदिवासी और वंचित समुदायों के लिए भी बैंकिंग, प्रत्यक्ष लाभ अंतरण और सरकारी सेवाओं तक पहुंच का विस्तार किया। आधार अधिनियम, 2016 के पारित होने के बाद इस परिवर्तन को और गति मिली, जिसने यूआईडीएआई को वैधानिक अधिकार प्रदान किया और आधार को मूलभूत डिजिटल सार्वजनिक अवसंरचना (डीपीआई) के रूप में मान्यता दी।
आधार ने बड़े पैमाने पर बैंक खाते खोलने और प्रमाणीकरण को सक्षम बनाकर और वित्तीय सेवाओं तक आसान पहुंच प्रदान करके भारत के वित्तीय समावेशन को पुनर्गठित किया।
बिचौलियों के बिना कल्याणकारी योजनाएँ: आधार ने सुरक्षित और पारदर्शी सेवा वितरण को सक्षम बनाकर कल्याणकारी योजनाओं के वितरण में क्रांति ला दी है। अनाज के सार्वजनिक वितरण का 98% से अधिक हिस्सा अब आधार-प्रमाणित है। पात्र लाभार्थी आधार-आधारित प्रमाणीकरण का उपयोग करके 3,100 से अधिक प्रत्यक्ष लाभ अंतरण (डीबीटी) योजनाओं और 360 से अधिक सार्वजनिक सेवाओं से लाभान्वित होते हैं।
सत्यापन अब कागजी प्रक्रिया से मुक्त: आधार ने विभिन्न क्षेत्रों में पहचान सत्यापन को सरल बना दिया है। 30 अप्रैल 2025 तक कुल ई-केवाईसी लेनदेन 2,393 करोड़ तक पहुंच गए, जिससे कागजी कार्रवाई कम हुई और सार्वजनिक सेवाओं तक तेजी से पहुंच संभव हुई।
इसका नवीनतम संस्करण, आधार ऐप, लॉन्च होने के पांच महीनों के भीतर ही 3.1 करोड़ डाउनलोड का आंकड़ा पार कर चुका है। यह मोबाइल नंबर और पते के डिजिटल अपडेट जैसी सेवाएं प्रदान करता है, जिससे कागज रहित सत्यापन को रोजमर्रा के उपयोग में लाया जा सकता है।
विश्व की निगाहों का केंद्र: आज, आधार को वैश्विक स्तर पर डिजिटल पहचान प्रणाली (डीपीआई) के लिए मानक के रूप में मान्यता प्राप्त है, और मिस्र, नाइजीरिया, इंडोनेशिया और पापुआ न्यू गिनी जैसे देश इस मॉडल का अध्ययन कर रहे हैं। यह दुनिया की सबसे बड़ी और सबसे भरोसेमंद डिजिटल पहचान प्रणालियों में से एक है, जो विश्व भर में डिजिटल शासन मॉडलों को प्रेरित करती है।

डिजिलॉकर:

डिजिलॉकर फिजिकल डॉक्यूमेंट्स की जगह सुरक्षित डिजिटल वॉलेट का इस्तेमाल कर रहा है और पूरे भारत में दस्तावेजों को सहेजने और उनके सत्यापन के तरीके को बदल रहा है। मार्च 2026 तक, इस प्लेटफॉर्म पर 70.69 करोड़ से ज्यादा यूजर्स रजिस्टर हो चुके हैं और 850 करोड़ से ज्यादा दस्तावेज जारी किए जा चुके हैं, जिससे सत्यापन तेज, कागजमुक्त और ज्यादा भरोसेमंद हो गया है।

यूनिफाइड पेमेंट्स इंटरफेस (यूपीआई)

2026 में दस वर्ष पूरे कर रही यूपीआई, नागरिकों और बिजनेस के लिए तुरंत और सुरक्षित लेनदेन के जरिए डिजिटल भुगतान का कायाकल्प कर रहा है। जो साधारण पेमेंट प्लेटफॉर्म के तौर पर शुरू हुआ था, वह अब पूरे भारत में रोजाना के डिजिटल कॉमर्स को चला रहा है। लेनदेन की संख्या वित्त वर्ष 2016-17 में सिर्फ.2 करोड़ से बढ़कर वित्त वर्ष 2025-26 में 24,162 करोड़ से ज्यादा हो गई है। यूपीआई की ग्लोबल पहुंच अब नौ देशों तक फैल गई है, जिसमें कंबोडिया सबसे नया देश है जिसने यात्रियों के लिए आसान यूपीआई-आधारित भुगतान की सुविधा शुरू की है। और पढ़ने के लिए यहां क्लिक करें।

क्या आप जानते थे?

भीम (भारत इंटरफेस फॉर मनी) सरकार द्वारा समर्थित यूपीआई ऐप है जिसे भारतीय राष्ट्रीय भुगतान निगम (एनपीसीआई) ने बनाया है। यह यूपीआई का इस्तेमाल करके तुरंत पैसे ट्रांसफर करने की सुविधा देता है, जिससे पूरे भारत में लाखों लोगों के लिए सुरक्षित और कैशलेस डिजिटल भुगतान आसान और सुलभ हो जाते हैं।

सार्वजनिक स्वास्थ्य को बढ़ावा देने वाले डिजिटल प्लेटफॉर्म

पिछले दशक में, डिजिटल इंडिया ने सेवाओं को तेज, कनेक्टेड और ज्यादा सुलभ बनाकर सार्वजनिक स्वास्थ्य देखभाल में परिवर्तन किया है। ऑनलाइन पंजीकरण प्रणाली (ओआरएस) मरीजों को डिजिटल रूप से अपॉइंटमेंट बुक करने की सुविधा देती है, साथ ही लाइन और कागजी काम को भी कम करती है। 24 जून 2026 तक, ओआरएस पर 1.37 करोड़ से ज्यादा ऑनलाइन अपॉइंटमेंट दर्ज किए जा चुके हैं। इस पारिस्थितिकी का समर्थन करते हुए, क्लाउड-बेस्ड eHospital प्लेटफॉर्म अस्पताल के कामकाज को डिजिटाइज कर रहा है, जबकि eBloodBank स्वास्थ्य संस्थानों में रक्त की उपलब्धता और प्रबंधन को बेहतर बना रहा है।
eSanjeevani के जरिए स्वास्थ्य देखभाल तक पहुँच और बढ़ रही है। यह टेलीमेडिसिन प्लेटफॉर्म मरीजों को दूर से ही विशेष रूप से ग्रामीण और कम सुविधा वाले इलाकों में डॉक्टरों से जोड़ता है, इससे यात्रा का खर्च और प्रतीक्षा का समय कम हो रहा है, साथ ही पूरे देश में स्पेशलिस्ट हेल्थकेयर तक पहुँच बढ़ रही है। 24 जून 2026 तक, eSanjeevani ने 48 करोड़ से ज्यादा कंसल्टेशन में मदद की है और 2.3 लाख से ज्यादा हेल्थकेयर प्रोवाइडर्स को जोड़ा है, जिससे टेलीमेडिसिन सार्वजनिक स्वास्थ्य सेवा वितरण का महत्वपूर्ण अंग बन गई है।
कोविड-19 महामारी के दौरान, भारत ने आरोग्य सेतु और CoWIN जैसे प्लेटफॉर्म के जरिए अपने डिजिटल हेल्थ इकोसिस्टम का विस्तार किया। आरोग्य सेतु ने शुरू में कॉन्टैक्ट ट्रेसिंग (संक्रमित लोगों के संपर्क में आए लोगों का पता लगाने) और स्वास्थ्य परामर्श जारी करने में सहायता की। बाद में यह आयुष्मान भारत डिजिटल मिशन के तहत राष्ट्रीय स्वास्थ्य ऐप बन गया। CoWIN भारत के टीकाकरण कार्यक्रम का डिजिटल आधार बन गया। इसने 220 करोड़ से ज्यादा वैक्सीन डोज का प्रबंधन किया और डिजिटल पब्लिक हेल्थ सिस्टम के लिए ग्लोबल मॉडल के तौर पर उभरा।
Tele MANAS पूरे देश में 14416 और 1-800-891-4416 के जरिए मुफ़्त टेली-काउंसलिंग और मानसिक स्वास्थ्य समर्थन देता है। जून 2026 तक, इसे 40.42 लाख से ज्यादा कॉल मिल चुके हैं, और देश भर में इसके 53 Tele MANAS सेल, 23 मेंटरिंग इंस्टीट्यूट और 5 क्षेत्रीय समन्वय केंद्र हैं। इसके अलावा, MANAS (मादक-पदार्थ निषेध आसूचना केंद्र) नागरिकों को टोल-फ्री नंबर 1933 और उमंग ऐप के जरिए मादक पदार्थों की तस्करी और उससे जुड़े अपराधों की गुमनाम रूप से रिपोर्ट करने की सुविधा देता है। यह प्लेटफॉर्म काउंसलिंग और पुनर्वास सहायता भी देता है। जून 2026 तक, इसे मादक पदार्थों से जुड़ी 2.16 लाख से ज्यादा जानकारी और मादक पदार्थों की तस्करी से जुड़ी 16,200 से ज्यादा कार्रवाई-योग्य जानकारी मिली है, जिससे देशव्यापी 'मादक पदार्थ मुक्त भारत' अभियान मजबूत हुआ है।

प्रौद्योगिकी के जरिए व्यापार को सशक्त बनाना

गवर्नमेंट ई-मार्केटप्लेस (GeM) ने सरकारी खरीद को पारदर्शी, कुशल और पेपरलेस बनाकर उसमें बड़ा बदलाव किया है। जून 2026 तक, इसने 18.4 लाख करोड़ से ज्यादा का कुल ग्रॉस मर्चेंडाइज वैल्यू (GMV) दर्ज किया है, जिसमें वित्त वर्ष 2025-26 का ?5 लाख करोड़ भी शामिल है। साथ ही, इसने 11 लाख से अधिक सूक्ष्म, लघु एवं मध्यम उद्यमों (MSME) को सरकारी बाजारों तक पहुँचने में सहायता की है।
ओपन नेटवर्क फॉर डिजिटल कॉमर्स (ONDC) ऐसा खुला और इंटरऑपरेबल डिजिटल कॉमर्स इकोसिस्टम बना रहा है जो अलग-अलग प्लेटफॉर्म पर खरीदारों और विक्रेताओं को जोड़ता है। जून 2026 तक, ONDC का विस्तार 20 करोड़ से ज्यादा खरीदारों और 5 लाख विक्रेताओं तक हो गया था; यह 1,000 शहरों में मौजूद है और यहाँ हर महीने लगभग 90 लाख लेनदेन होते हैं। ONDC ने भारतीय डाक विभाग को रसद सेवा प्रदाता के तौर पर भी जोड़ा है, जिससे पूरे देश में भरोसेमंद और व्यापक ई-कॉमर्स डिलीवरी मजबूत हुई है। तालमेल (इंटरऑपरेबिलिटी) को बढ़ावा देकर और प्लेटफॉर्म पर निर्भरता कम करके, ONDC छोटे व्यवसायों के लिए बाजार तक बेहतर पहुँच बना रहा है और डिजिटल कॉमर्स में समावेशी विकास को बढ़ावा दे रहा है।
इन प्लेटफॉर्म ने खरीद की प्रक्रियाओं को आसान बनाया है, छोटे व्यवसायों के लिए बाजार तक पहुँच बढ़ाई है और प्रतिस्पर्धी कीमतों को बढ़ावा दिया है। GeM और ONDC ने 'ईज ऑफ डूइंग बिजनेस' (व्यापार करने में आसानी) को भी मजबूत किया है और भारत में सार्वजनिक सेवा वितरण के बड़े पैमाने पर डिजिटलाइजेशन को आगे बढ़ाया है।

क्या आप जानते थे?

eSaras और Indiahandmade स्वयं-सहायता समूहों, बुनकरों और कारीगरों को सीधे डिजिटल बाजारों तक पहुँचने में मदद कर रहे हैं, जिससे ग्रामीण आजीविका को सहारा मिलता है और पारंपरिक शिल्प सुरक्षित रहते हैं। ONDC के साथ जुड़ने से 11 से ज्यादा बायर ऐप पर उनकी पहुँच और भी बढ़ गई है।
सामाजिक कल्याण के लिए प्रौद्योगिकी-आधारित सार्वजनिक सेवाएँ
उमंग सरकारी सेवाओं के लिए सिंगल डिजिटल गेटवे बन गया है, जिसमें 2017 की 166 सेवाओं की तुलना में जून 2026 तक 2572 सेवाएं शामिल हो गई हैं। लेनदेन की संख्या 3.9 करोड़ से बढ़कर 796.69 करोड़ हो गई है, जिससे बड़े पैमाने पर डिजिटल सेवाओं को अपनाए जाने का पता चलता है। नागरिकों के लिए अलग-अलग तरह की सेवाओं को एक ही प्लेटफॉर्म पर लाकर, उमंग ने पूरे देश में सरकारी सेवाओं तक पहुँचने, सुविधा और आसानी को बेहतर बनाया है।
माल एवं सेवा कर नेटवर्क (GSTN) ने पंजीकरण, रिटर्न फाइलिंग, कर भुगतान और ई-इनवॉइसिंग को एक साथ लाकर अप्रत्यक्ष कर प्रणाली को आधुनिक बनाया है। अप्रैल 2026 तक, कुल जीएसटी संग्रह लगभग 2.43 लाख करोड़ तक पहुँच गया। इस प्लेटफॉर्म ने कर नियमों का पालन बेहतर किया है, पारदर्शिता बढ़ाई है और जीएसटी सिस्टम के तेजी से और प्रौद्योगिकी-आधारित कामकाज को संभव बनाया है।

पोषण ट्रैकर (POSHAN Tracker) पोषण सेवा की रियल-टाइम मॉनिटरिंग में सहायता करता है। यह 13.35 लाख आंगनवाड़ी केंद्रों को जोड़ता है और 8.9 करोड़ से ज्यादा लाभार्थियों तक सेवाएँ पहुँचाता है, जिनमें गर्भवती महिलाएँ, स्तनपान कराने वाली माताएँ, बच्चे (0-6 वर्ष) और किशोर लड़कियाँ (आकांक्षी ज़िलों और पूर्वोत्तर राज्यों में) शामिल हैं। इस डिजिटल प्लेटफॉर्म ने डेटा-आधारित निगरानी को संभव बनाया है और महिलाओं व बच्चों के लिए पोषण और कल्याण कार्यक्रमों की कार्यक्षमता को बेहतर बनाने में मदद की है।

क्या आप जानते थे?

पोषण हेल्पलाइन (1515 डायल करें) समर्पित सरकारी सहायता सुविधा है, जिसे 'मिशन सक्षम आंगनवाड़ी और पोषण 2.0' और 'प्रधानमंत्री मातृ वंदना योजना (PMMVY)' के लाभार्थियों के लिए बनाया गया है। यह 17 भाषाओं में जानकारी, शिकायतों के समाधान और तकनीकी सहायता तक तुरंत पहुँच प्रदान करती है।
पीएम गतिशक्ति ने एकीकृत अवसंरचना नियोजन के लिए जीआईएस-आधारित प्लेटफॉर्म बनाया है। फरवरी 2026 तक, नेटवर्क प्लानिंग ग्रुप ने 16.10 लाख करोड़ की लागत वाले 352 परियोजनाओं का मूल्यांकन किया था, जिनमें से 201 को स्वीकृति दी गई और 167 पर काम चल रहा है। विभिन्न क्षेत्रों और मंत्रालयों के बीच तालमेल वाली प्लानिंग को संभव बनाकर, इस प्लेटफॉर्म ने कार्यक्षमता बढ़ाई है, लॉजिस्टिक्स की कमियों को दूर किया है और अवसंरचना के विकास में तेजी लाई है।

MY भारत (मेरा युवा भारत) https://mybharat.gov.in/ युवाओं के लिए भारत का सबसे बड़ा डीपीआई है। यह ऐसा एकीकृत, सुरक्षित और स्केलेबल प्लेटफॉर्म है जो युवा नागरिकों को वॉलंटियरिंग, अनुभव-आधारित सीखने (एक्सपीरिएंशियल लर्निंग), इंटर्नशिप, नौकरी, कौशल विकास, नेतृत्व, नवाचार और राष्ट्रीय कार्यक्रमों के अवसरों से जोड़ता है। 31 अक्टूबर 2023 को आरंभ किए गए इस प्लेटफॉर्म पर 2.21 करोड़ से ज्यादा युवा पंजीकृत हो चुके हैं, 1.52 लाख से ज्यादा वॉलंटियरिंग के अवसर और 28,000 से ज्यादा अनुभव-आधारित लर्निंग प्रोग्राम (ELP) उपलब्ध कराए गए हैं, और 1.19 लाख से ज्यादा संगठन इससे जुड़े हैं। एआई, कई भाषाओं के सपोर्ट, मोबाइल-फर्स्ट सेवाओं, गेमिफि केशन, ओपन एपीआई और रियल-टाइम एनालिटिक्स से बना माई भारत सरकारों और सहयोगी संगठनों को एक ही राष्ट्रीय डिजिटल इकोसिस्टम के जरिए लाखों युवाओं को जोड़ने, उनकी पहचान करने और उन्हें सशक्त बनाने में सहायता करता है। इससे 'डिजिटल इंडिया' और 'विकसित भारत@2047' के विजन को आगे बढ़ाने में सहायता मिलती है।

क्या आप जानते थे?

MY Bharat ने एक हफ़्ते में ऑनलाइन क्विज में भाग लेने वाले सबसे ज्यादा यूजर्स का गिनीज वर्ल्ड रिकॉर्ड बनाकर भारत के डीपीआई की ताकत दिखाई। इसमें 390,812 सत्यापित प्रतिभागियों ने हिस्सा लिया।

AgriStack: प्रौद्योगिकी के जरिए किसानों को सशक्त बनाना

डिजिटल एग्रीकल्चर मिशन के तहत विकसित AgriStack किसानों पर केंद्रित डीपीआई है। यह e-NAM (ऑनलाइन कृषि व्यापार के लिए) और 'किसान ई-मित्र' (एआई-आधारित चैटबॉट जो खेती से जुड़ी तुरंत जानकारी और सरकारी योजनाओं का सपोर्ट देता है) जैसी सेवाओं को चलाता है। किसान, जमीन और फसल के डेटा को एक साथ लाकर, यह क्रेडिट, बीमा, सब्सिडी, खरीद और व्यक्तिगत परामर्श सेवाओं तक आसान पहुँच बनाता है। मार्च 2026 तक, 9.20 करोड़ से ज्यादा किसान पहचान पत्र बनाए जा चुके हैं।

क्या आप जानते थे?

भारत ने वैज्ञानिक और प्रौद्योगिकी-आधारित खेती को बढ़ावा देने के लिए 731 कृषि विज्ञान केंद्र (KVK) स्थापित किए हैं। 'किसान सारथी' डिजिटल परामर्श प्लेटफॉर्म के जरिए, किसानों को KVK, ICAR और कृषि विश्वविद्यालयों से रियल-टाइम मार्गदर्शन मिलता है। इससे कृषि संबंधी जानकारी ज्यादा लोगों तक पहुँचती है और साथ ही जलवायु-अनुकूल और किसान-केंद्रित खेती के तरीकों को बढ़ावा मिलता है।

शिक्षा तक पहुँच बढ़ाने वाले डिजिटल प्लेटफॉर्म

डिजिटल इंडिया क्लासरूम और भौगोलिक सीमाओं से परे अच्छी गुणवत्ता वाली शिक्षा उपलब्ध कराकर शिक्षा के क्षेत्र में मौजूद अंतर को कम कर रहा है।
DIKSHA (ज्ञान साझा करने के लिए डिजिटल अवसंरचना) करिकुलम से जुड़े डिजिटल लर्निंग रिसोर्स और टीचर ट्रेनिंग के जरिए स्कूली शिक्षा में परिवर्तन ला रहा है। यह प्लेटफॉर्म स्टूडेंट्स और टीचर्स के लिए QR-कोड वाली टेक्स्टबुक, इंटरैक्टिव कंटेंट और एआई-इनेबल्ड लर्निंग टूल उपलब्ध कराता है। यह भारतीय संकेत भाषा संसाधनों और आसानी से इस्तेमाल किए जा सकने वाले डिजिटल कंटेंट के जरिए समावेशी शिक्षा को भी बढ़ावा दे रहा है। मार्च 2026 तक, DIKSHA के देशभर में 2 करोड़ से ज्यादा रजिस्टर्ड यूजर्स हो गए हैं।
इसके अलावा, SWAYAM (युवाओं के लिए एक्टिव लर्निंग का स्टडी वेब) और SWAYAM Prabha क्लासरूम से बाहर भी अच्छी क्वालिटी वाली शिक्षा तक पहुँच बढ़ा रहे हैं। SWAYAM प्रमुख संस्थानों के जरिए क्लास 9 से स्नातकोत्तर स्तर तक के फ्री ऑनलाइन कोर्स ऑफर करता है और जनवरी 2026 तक, इसमें अलग-अलग विषयों के 4,400 से ज्यादा कोर्स उपलब्ध हैं। इसके साथ ही, SWAYAM Prabha 48 समर्पित डीटीएच चैनलों के जरिए एजुकेशनल कंटेंट ब्रॉडकास्ट करता है, जिससे कम इंटरनेट कनेक्टिविटी वाले इलाकों में भी सीखने की सुविधा मिलती है।
इन कार्यक्रमों को आगे बढ़ाते हुए, PM e-Vidya बिना रुकावट और कई तरीकों से सीखने की सुविधा देने के लिए DIKSHA, SWAYAM, SWAYAM Prabha, कम्युनिटी रेडियो और डेडिकेटेड एजुकेशनल टेलीविजन चैनलों को एक ही फ्रेमवर्क में जोड़ता है। यह दिव्यांग विद्यार्थियों के लिए विशेष रूप से तैयार किए गए कंटेंट के जरिए समावेशी शिक्षा को बढ़ावा देते हुए अच्छी क्वालिटी वाली शिक्षा तक पहुँच बढ़ा रहा है।

क्या आप जानते थे?

APAAR (ऑटोमेटेड परमानेंट एकेडमिक अकाउंट रजिस्ट्री) हर विद्यार्थी को विशिष्ट डिजिटल शैक्षिक पहचान देता है, शैक्षिक रिकॉर्ड का सुरक्षित रूप से भंडार करता है और प्रवेश, स्कॉलरशिप और अन्य सेवाओं के लिए कागज मुक्त सत्यापन की सुविधा देता है। जून 2026 तक, 33.74 करोड़ से ज्यादा APAAR पहचान कार्ड बनाए जा चुके हैं।

भारत की डिजिटल श्रमशक्ति को मजबूत बनाना

डिजिटल इंडिया देशभर में डिजिटल कौशल, नई प्रौद्योगिकी और रोजगार के अवसरों को बढ़ाकर भविष्य के लिए तैयार श्रमशक्ति बना रहा है।
PMGDISHA ने नागरिकों को स्मार्टफोन के इस्तेमाल, इंटरनेट एक्सेस, डिजिटल पेमेंट और ऑनलाइन सेवाओं का प्रशिक्षण देकर ग्रामीण डिजिटल अंतर को कम किया है। मार्च 2024 तक, इसने 6.39 करोड़ ग्रामीण नागरिकों को प्रशिक्षण दिया, जो इसके लक्ष्य से अधिक था।
FutureSkills Prime सीखने वालों को एआई, क्लाउड कंप्यूटिंग, साइबर सिक्योरिटी और डेटा एनालिटिक्स जैसी उभरती हुई प्रौद्योगिकी के लिए तैयार कर रहा है। इसमें 26 लाख से अधिक उम्मीदवारों ने पंजीकरण किया है और यह नैसकॉम के टैलेंट कनेक्ट के जरिए सीखने वालों को नौकरी से जोड़ता है।
स्किल इंडिया डिजिटल हब (SIDH) स्किलिंग, सर्टिफि केशन और रोजगार सेवाओं के लिए एकीकृत प्लेटफॉर्म है। मार्च 2026 तक, इसमें 32 लाख से अधिक उम्मीदवारों ने नामांकन किया था और यह PMKVY, पीएम विश्वकर्मा, सरकारी योजनाओं और डिजिटल लर्निंग पार्टनर्स के तहत कोर्स ऑफर करता है।
IndiaAI मिशन एआई शिक्षा, अवसंरचना और ज़िम्मेदार एआई अपनाए जाने की प्रक्रिया को मजबूत कर रहा है। यह IndiaAI कोश जैसी योजनाओं के जरिए स्कूलों, हायर एजुकेशन संस्थानों और प्रोफेशनल ट्रेनिंग प्रोग्राम में एआई स्किलिंग को बढ़ावा दे रहा है। India AI मिशन के बारे में और पढ़ें।

क्या आप जानते थे?

भारत ने फरवरी 2026 में IndiaAI इम्पैक्ट समिट की मेजबानी की, और ग्लोबल साउथ का पहला देश बना जिसने ग्लोबल एआई शिखर सम्मेलन की मेजबानी की। इसमें 100 से ज्यादा देशों के प्रतिभागी शामिल हुए।

भारत का डिजिटल नेतृत्व और आगे का रास्ता

मापन योग्य (स्केलेबल) और नागरिकों पर केंद्रित डिजिटल गवर्नेंस प्लेटफॉर्म के कारण भारत, डिजिटल पब्लिक इंफ्रास्ट्रक्चर (डीपीआई) के क्षेत्र में ग्लोबल लीडर के तौर पर उभर रहा है। फरवरी 2026 तक, भारत ने 'इंडिया स्टैक' और डीपीआई सिस्टम पर सहयोग के लिए 24 देशों के साथ समझौतों पर हस्ताक्षर किए हैं, जिनमें डिजिटल पहचान, पेमेंट, डेटा एक्सचेंज और सेवा वितरण जैसे क्षेत्र शामिल हैं। यूपीआई अब संयुक्त अरब अमीरात (UAE), सिंगापुर, फ्रांस, मॉरिशस और श्रीलंका सहित आठ से अधिक देशों में काम कर रही है, जिससे ग्लोबल फिनटेक में भारत की मौजूदगी मजबूत हुई है। आधार, डिजीलॉकर, कोविन (CoWIN), GeM, दीक्षा (DIKSHA), उमंग (UMANG) और ई-संजीवनी (eSanjeevani) जैसे प्लेटफॉर्म अंतरराष्ट्रीय डिजिटल गवर्नेंस मॉडल को तेजी से आकार दे रहे हैं। भारत ने 2023 में अपनी G20 अध्यक्षता के दौरान 'इंडिया स्टैक ग्लोबल' और 'ग्लोबल डीपीआई रिपॉजिटरी' भी आरंभ किए, जिससे भारतीय डिजिटल समाधानों तक वैश्विक पहुँच बढ़ी है। जैसे-जैसे 'डिजिटल इंडिया' अपने अगले दशक में प्रवेश कर रहा है, भारत प्रौद्योगिकी को समावेशी विकास, डिजिटल सशक्तिकरण और वैश्विक सहयोग के साधन के तौर पर स्थापित कर रहा है।

उपायुक्त ऋतुराज ने अपने पुत्र एवं पुत्री को पोलियो की खुराक पिलाकर किया अभियान का शुभारंभ

बिभा संवाददाता

रामगढ़ः देश को पोलियो मुक्त बनाए रखने और भविष्य की पीढ़ी को सुरक्षित करने के उद्देश्य से आज रामगढ़ जिले में राष्ट्रीय प्रतिरक्षण दिवस (ठक्क) के तहत पल्स पोलियो टीकाकरण अभियान का शुभारंभ किया गया। प्रमुख आयोजन सदर अस्पताल, रामगढ़ में आयोजित इस विशेष उद्घाटन समारोह में मुख्य अतिथि के रूप में विधायिका रामगढ़ ममता देवी उपस्थित हुईं। उनके साथ विशिष्ट अतिथि के रूप में उपायुक्त ऋतुराज एवं सिविल सर्जन डॉ. अनिल कुमार मौजूद रहे।

अभियान का शुभारंभ उपायुक्त ऋतुराज ने अपने पुत्र एवं पुत्री को पोलियो की खुराक पिलाकर किया। इस अवसर पर उन्होंने सभी अभिभावकों से अपील करते हुए कहा कि वे अपने 0 से 5 वर्ष तक के सभी बच्चों को पोलियो की खुराक अवश्य पिलाएं, ताकि जिले का कोई भी बच्चा इस जीवनरक्षक अभियान से वंचित न रह जाए।

स्वास्थ्य विभाग ने इस तीन दिवसीय अभियान के दौरान रामगढ़ जिले के 1,71,477 बच्चों (0 से 5 वर्ष तक) को पोलियो की खुराक पिलाने का लक्ष्य निर्धारित किया है। इसके लिए पूरे जिले के सुदूरवर्ती गांवों से लेकर शहरी क्षेत्रों तक व्यापक तैयारियां की गई हैं, ताकि कोई भी बच्चा इस सुरक्षा चक्र से वंचित न रहे।

समारोह के दौरान जिले के वरिष्ठ प्रशासनिक एवं स्वास्थ्य अधिकारियों ने अपनी सक्रिय भागीदारी दर्ज कराई। कार्यक्रम में मुख्य रूप से जिला आरसीएच पदाधिकारी डॉ. ठाकुर मृत्युंजय कुमार सिंह, जिला कुष्ठ पदाधिकारी डॉ. तुलिका रानी, जिला टीबी पदाधिकारी डॉ. स्वराज तथा सदर अस्पताल के उपाधीक्षक डॉ. हरेन चंद्र महतो सहित स्वास्थ्य विभाग के कई अन्य अधिकारी एवं कर्मचारी उपस्थित थे।

समारोह को संबोधित करते हुए विधायिका ममता देवी ने कहा, ₹भारत ने पोलियो पर विजय प्राप्त कर ली है, लेकिन इस उपलब्धि को बनाए रखना हमारी सामूहिक जिम्मेदारी है। जिले का एक भी बच्चा इस सुरक्षा कवच से छूटना नहीं चाहिए। उपायुक्त ऋतुराज ने स्वास्थ्य विभाग के अधिकारियों को निर्देश दिया कि 1,71,477 बच्चों के शत-प्रतिशत लक्ष्य को प्राप्त करने के लिए सुदूरवर्ती एवं संवेदनशील क्षेत्रों में विशेष निगरानी रखी जाए। उन्होंने आम जनता से अपने बच्चों को निकटतम बूथ पर ले जाकर पोलियो की खुराक अवश्य पिलाने की अपील की।

सिविल सर्जन डॉ. अनिल कुमार एवं जिला आरसीएच पदाधिकारी डॉ. ठाकुर मृत्युंजय कुमार सिंह ने बताया कि अभियान के प्रथम दिन बूथों पर बच्चों को पोलियो की खुराक पिलाई जा रही है। इसके बाद स्वास्थ्य विभाग की टीमें घर-घर जाकर छूटे हुए बच्चों को कवर करेंगी। उन्होंने अभियान को सफल बनाने में जुटीं एएनएम एवं सहिया बहनों के योगदान की सराहना की। वहीं दुशरा आयोजन राष्ट्रीय प्रतिरक्षण दिवस (ठक्क) पर भारत सरकार, झारखंड सरकार के अंतर्गत जिला स्वास्थ्य समिति रामगढ़ के द्वारा आयोजित पल्स पोलियो कार्यक्रम का आयोजन लायंस क्लब रामगढ़ ने किया।

डीएमएफटी फंड घोटाले की हो उच्चस्तरीय जांच, दोषियों को भेजा जाए जेल : आदित्य प्रसाद साहू

बिभा संवाददाता

लातेहार। भारतीय जनता पार्टी के लातेहार जिला कार्यालय में रविवार को भाजपा जिला अध्यक्ष बंसी यादव ने भाजपा प्रदेश अध्यक्ष एवं राज्यसभा सदस्य आदित्य प्रसाद साहू का अंगवस्त्र और गुलदस्ता भेंटकर भव्य स्वागत किया।कार्यक्रम को संबोधित करते हुए आदित्य प्रसाद साहू ने डीएमएफटी (जिला खनिज फाउंडेशन ट्रस्ट) फंड में कथित अनियमितताओं पर गंभीर चिंता जताई। उन्होंने जिला अध्यक्ष बंसी यादव को इस मुद्दे पर व्यापक जनआंदोलन चलाने का निर्देश देते हुए कहा कि संबंधित पदाधिकारियों की जवाबदेही तय होनी चाहिए और पूरे मामले की निष्पक्ष एवं उच्चस्तरीय जांच कराई जानी चाहिए। उन्होंने कहा कि डीएमएफटी फंड का उद्देश्य खनन प्रभावित क्षेत्रों के लोगों के कल्याण, बुनियादी सुविधाओं और विकास कार्यों पर खर्च करना है, लेकिन आरोप है कि इस राशि का उपयोग जनहित के बजाय सरकारी भवनों, सर्किट हाउस तथा अधिकारियों के आवासों के निर्माण में किया गया है। यदि जांच में कोई अधिकारी या अन्य व्यक्ति दोषी पाया जाता है तो उसके विरुद्ध कड़ी कानूनी कार्रवाई करते हुए जेल भेजा जाना चाहिए।भाजपा प्रदेश अध्यक्ष ने कहा कि यदि टेंडर प्रक्रिया में किसी प्रकार की गड़बड़ी हुई है तो जनता, विशेषकर युवाओं को इसके खिलाफ आवाज उठानी चाहिए। उन्होंने कहा कि भारतीय जनता पार्टी भ्रष्टाचार और अनियमितताओं के खिलाफ लगातार संघर्ष करती रही है और आगे भी ऐसे मामलों को बेनकाब कर दोषियों को कानून के कटघरे तक पहुंचाने का काम करेगी।

बैठक में भाजपा पदाधिकारियों एवं कार्यकर्ताओं ने भी संगठन को मजबूत करने और जनहित के मुद्दों पर सक्रिय भूमिका निभाने का संकल्प लिया।

संक्षिप्त खबरें

तीन दिवसीय इम्प्लांट कोर्स संपन्न, हजारीबाग व रांची के बीडीएस चिकित्सकों ने लिया प्रशिक्षण

हजारीबाग(बिभा): हजारीबाग कॉलेज ऑफ डेंटल साइंसेस एंड हॉस्पिटल के प्रोस्थोडॉन्टिक्स एवं क्राउन एंड ब्रिज विभाग के एसोसिएट प्रोफेसर डॉ. दया शंकर के नेतृत्व में रांची के कांटाटोली चौक स्थित ऑन हाइट्स बिल्डिंग की तीसरी मंजिल पर स्थित स्थेटिक्स में तीन दिवसीय इम्प्लांट कोर्स का सफल आयोजन किया गया। यह इम्प्लांट कोर्स का छठा बैच था। इससे पूर्व आयोजित सभी पांच बैच हजारीबाग कॉलेज ऑफ डेंटल साइंसेस एंड हॉस्पिटल में संपन्न हुए थे। इस प्रशिक्षण कार्यक्रम में हजारीबाग एवं रांची के कई बीडीएस चिकित्सकों ने भाग लेकर आधुनिक डेंटल इम्प्लांट तकनीकों का व्यावहारिक एवं सैद्धांतिक प्रशिक्षण प्राप्त किया। समापन समारोह में हजारीबाग कॉलेज ऑफ डेंटल साइंसेस एंड हॉस्पिटल के सचिव डॉ. प्रवीण श्रीनिवास एवं उप-प्राचार्य डॉ. अंकुर भार्गव ने सभी प्रतिभागी चिकित्सकों को प्रशस्ति-पत्र प्रदान कर सम्मानित किया तथा उनके उज्ज्वल भविष्य की शुभकामनाएं दी। इस अवसर पर डॉ. प्रवीण श्रीनिवास ने कहा डेंटल चिकित्सा के क्षेत्र में नई तकनीकों का निरंतर विकास हो रहा है। चिकित्सकों के लिए समय-समय पर कौशल उन्नयन (स्किल अपग्रेडेशन) अत्यंत आवश्यक है। हमारा उद्देश्य डिग्री प्रदान करने के साथ- साथ दक्ष और आत्मविश्वासी डेंटल प्रोफेशनल तैयार करना है जो आधुनिक तकनीकों के माध्यम से मरीजों को बेहतर उपचार उपलब्ध करा सकें। भविष्य में भी इस प्रकार के उन्नत प्रशिक्षण कार्यक्रम नियमित रूप से आयोजित किए जाते रहेंगे। एसोसिएट प्रोफेसर डॉ. दया शंकर ने कहा इस तीन दिवसीय प्रशिक्षण में प्रतिभागियों को डेंटल इम्प्लांट से जुड़ी आधुनिक तकनीकों, उपचार योजना, सर्जिकल प्रोटोकॉल एवं प्रैक्टिकल प्रशिक्षण से अवगत कराया गया। चिकित्सकों का उत्साह और सहभागिता बेहद सराहनीय रही। प्रशिक्षण कार्यक्रम दंत चिकित्सा की गुणवत्ता को नई ऊंचाइयों तक ले जाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं।

परम पूज्य ग 108 श्री प्रमाण सागर जी महाराज से अमर जैन विनायका ने प्राप्त किया आशीर्वाद

हजारीबाग(बिभा) : परम पूज्य संत शिरोमणि 108 श्री प्रमाण सागर जी महाराज के दर्शन एवं आशीर्वाद प्राप्त करने का सौभाग्य अमर जैन विनायका को प्राप्त हुआ। इस अवसर पर उन्होंने गुरुदेव के चरणों में श्रद्धा भाव से नमन कर आशीर्वाद लिया। गुरुदेव के सानिध्य में आध्यात्मिक मार्गदर्शन और मंगल आशीर्वचन प्राप्त कर अमर जैन विनायका ने स्वयं को धन्य महसूस किया। उन्होंने कहा कि संतों का सानिध्य जीवन में सकारात्मक ऊर्जा, संस्कार और धर्म के प्रति आस्था को और मजबूत करता है। इस दौरान धर्म, समाज और मानव सेवा से जुड़े विषयों पर भी चर्चा हुई। श्रद्धालुओं ने गुरुदेव के दर्शन कर पुण्य लाभ प्राप्त किया।

नव नियुक्त जिला कमेटी के पदाधिकारियों का आजसू कार्यालय में हुआ सम्मान

लातेहार(बिभा): चंदनडीह स्थित आजसू पार्टी के जिला कार्यालय में रविवार को नव नियुक्त जिला कमेटी के पदाधिकारियों के सम्मान में समारोह आयोजित किया गया। कार्यक्रम में सभी नवनियुक्त पदाधिकारियों का फूल-माला पहनाकर स्वागत एवं सम्मान किया गया।इस अवसर पर आजसू जिला अध्यक्ष अमित पांडेय ने कहा कि जिला कमेटी के कई सदस्यों को केंद्रीय कमेटी में नई जिम्मेदारी मिलने के बाद जिला कमेटी का पुनर्गठन किया गया है। इसी क्रम में नए पदाधिकारियों को संगठन की जिम्मेदारी सौंपी गई है। उन्होंने कहा कि सम्मान समारोह पहले आयोजित होना था, लेकिन व्यस्तताओं के कारण आज इसे संपन्न किया गया।जिला अध्यक्ष ने सभी नवनियुक्त पदाधिकारियों को शुभकामनाएं देते हुए विश्वास व्यक्त किया कि वे संगठन की नीतियों एवं जनहित के कार्यों को पूरी निष्ठा और जिम्मेदारी के साथ आगे बढ़ाएंगे।कार्यक्रम में उपस्थित सभी वक्ताओं ने अपने विचार व्यक्त करते हुए संगठन को मजबूत बनाने का संकल्प दोहराया।कार्यक्रम की अध्यक्षता जिला अध्यक्ष अमित पांडेय ने की, जबकि संचालन गारू प्रखंड अध्यक्ष आशीष सिंह ने किया। युवा मोर्चा के जिला प्रभारी मुकेश यादव ने धन्यवाद ज्ञापन किया। इसके साथ ही सम्मान समारोह का समापन हुआ।मौके पर अखिल झारखंड श्रमिक संघ जिला अध्यक्ष वीरेंद्र ठाकुर, जिला महासचिव विनोद सिंह,जिला प्रवक्ता संजीव कुमार, जिला संगठन सचिव सरोज लोहारा, जिला सचिव विकास कुमार, जिला उपाध्यक्ष चंचल सिंह, लातेहार प्रखंड अध्यक्ष अमर उरांव, मनिका प्रखंड अध्यक्ष नंदन कुमार,प्रखंड सचिव श्याम प्रसाद, नीरज कुमार, नगर अध्यक्ष विकाश साहू, छात्र संघ अध्यक्ष आदित्य दुबे, उपाध्यक्ष आकाश कुमार तिवारी, अर्जुन राम,सुभम सिंह,इत्यादि दर्जनों कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

उपायुक्त संदीप कुमार ने दीप प्रज्वलित कर किया राष्ट्रीय पल्स पोलियो अभियान का शुभारंभ

3 दिन तक चलेगा अभियान, 1.55 लाख बच्चों को पिलाई जाएगी पोलियो की खुराक

बिभा संवाददाता

लातेहार : 5 वर्ष तक के बच्चों को पोलियो से बचाव के लिए जिले में राष्ट्रीय पल्स पोलियो अभियान 2026 का शुभारंभ आज सदर अस्पताल परिसर में किया गया। उपायुक्त संदीप कुमार एवं अन्य अतिथियों ने दीप प्रज्वलित कर अभियान की शुरूआत की। जिले में यह अभियान 28 जून, 29 जून एवं 30 जून 2026 तक तीन दिनों तक चलाया जाएगा।28 जून बूथ दिवस इस दिन जिले भर में बनाए गए बूथों पर स्वास्थ्य कार्यकर्ता और आंगनबाड़ी सेविकाएं 0 से 5 वर्ष तक के सभी बच्चों को पोलियो की 2 बूंद दवा पिलाएंगी।29-30 जून घर-घर दस्तकबूथ दिवस पर छूट गए बच्चों को कवर करने के लिए स्वास्थ्य कर्मी घर-घर जाकर बच्चों को दवा पिलाएंगे।जिले में कुल 1 लाख 55 हजार 359 बच्चों को दवा पिलाने का लक्ष्य रखा गया है। इसके लिए 998 बूथ बनाए गए हैं, जिनमें शहरी क्षेत्र में 24 और ग्रामीण क्षेत्रों में 974 बूथ शामिल हैं।अभियान को सफल बनाने के लिए 1995 कर्मियों की प्रतिनियुक्ति की गई है। इसके अलावा स्वास्थ्य टीम 1 लाख 32 हजार 487 घरों में जाकर बच्चों को पोलियो की खुराक देगी।

इस अभियान के लिए विशेष स्थानों पोलियो की दवा पिलाने की व्यवस्था की गई है, बस स्टैंड, रेलवे स्टेशन, हाट-बाजार एवं अन्य भीड़भाड़ वाले स्थानों पर ट्रांजिट टीम तैनात की गई है ताकि यात्रा के दौरान छूटने वाले बच्चों को भी दवा पिलाई जा सके।उपायुक्त संदीप कुमार ने अभिभावकों से अपील की कि वे अपने 0 से 5 वर्ष तक के सभी बच्चों को, चाहे उन्होंने पहले खुराक ली हो या न ली हो, अनिवार्य रूप से पोलियो की दवा पिलाएं। उन्होंने कहा ₹दो बूंद जिंदगी की - हर बार, हर बच्चा₹ के मंत्र को अपनाकर लातेहार को पोलियो मुक्त रखें।

सिविल सर्जन एवं जिला स्वास्थ्य विभाग की टीम अभियान की निगरानी करेगी।इस मौके पर सिविल सर्जन डॉ राजमोहन खलखो, जिला जनसम्पर्क पदाधिकारी डॉ चन्दन,उपाधीक्षक सदर अस्पताल,स्वास्थ्य विभाग के डीपीएम, सदर अस्पताल के डॉक्टर, स्वास्थ्य कार्यकर्ता, आंगनवाड़ी सेविका एवं अन्य उपस्थित थें।

30 जून तक होल्डिंग टैक्स जमा करें, पाएं 15% की छूट; 1 जुलाई से लगेगा ब्याज

बिभा संवाददाता

लातेहार। नगर पंचायत क्षेत्र के होल्डिंग धारकों के लिए राहत की खबर है। यदि आपने अभी तक अपना होल्डिंग टैक्स जमा नहीं किया है, तो 30 जून तक भुगतान कर 15 प्रतिशत तक की छूट का लाभ उठाया जा सकता है। इसके बाद यह छूट समाप्त हो जाएगी और 1 जुलाई से टैक्स जमा करने पर मूलधन के साथ प्रति माह ब्याज भी देना होगा।नगर पंचायत के नगर प्रबंधन राज कुमार वर्मा ने बताया कि नगर पंचायत क्षेत्र के सभी होल्डिंग धारक, जिनका अभी तक असेसमेंट नहीं हुआ है या जिन्होंने टैक्स का भुगतान नहीं किया है, वे 30 जून तक अपना असेसमेंट कराकर होल्डिंग टैक्स अवश्य जमा करें। ऐसा करने पर सरकार द्वारा दी जा रही 15 प्रतिशत की छूट का लाभ मिलेगा।उन्होंने कहा कि 30 जून के बाद टैक्स जमा करने वालों को निर्धारित नियमों के अनुसार मूलधन के साथ प्रति माह ब्याज भी देना पड़ेगा। इसलिए सभी नागरिक अंतिम तिथि का इंतजार न करें और समय रहते अपना होल्डिंग टैक्स जमा कर आर्थिक लाभ प्राप्त करें।

नगर प्रबंधन ने शहरवासियों से अपील करते हुए कहा कि सभी होल्डिंग धारक 30 जून तक अपना होल्डिंग टैक्स जमा कर 15 प्रतिशत की छूट का लाभ अवश्य उठाएं, ताकि बाद में अतिरिक्त आर्थिक बोझ से बचा जा सके।

सांसद तीर्थ दर्शन महाअभियान के 70वें जत्थे के साथ भक्तिमय हुई चौपारण की धरा, 65 श्रद्धालु रवाना

बिभा संवाददाता

चौपारण : हजारीबाग लोकसभा क्षेत्र के बुजुर्ग श्रद्धालुओं के लिए चलाए जा रहे ऐतिहासिक 'सांसद तीर्थ दर्शन महाअभियान' का आने वाले 29 जून 2026 को एक साल पूरा होने जा रहा है। इस महाअभियान के तहत अब तक 69 जत्थे उत्तर प्रदेश के पवित्र चार प्रमुख तीर्थ स्थलों का दर्शन कर चुके हैं। इसी कड़ी में शनिवार को 70 वाँ जत्था बरही विधानसभा के चौपारण पूर्वी मंडल अंतर्गत बेलाही पंचायत से पूरी आस्था और उत्साह के साथ रवाना हुआ। इस 70वें जत्थे में कुल 65 बुजुर्ग श्रद्धालु शामिल हैं। बेलाही पंचायत के मध्य विद्यालय, बरवाडीह के प्रांगण में आयोजित एक भव्य समारोह में सभी तीर्थयात्रियों को पहचान पत्र और यात्रा थैला भेंट किया गया। विदाई के समय श्रद्धालुओं पर पुष्प वर्षा की गई, जिससे पूरा वातावरण भक्तिमय हो उठा। सांकेतिक रूप से कई बुजुर्गों का सांसद मनीष जायसवाल और विधायक मनोज कुमार यादव द्वारा पाँव पखार कर उन्हें सम्मान दिया गया।इसके बाद मुख्य अतिथियों और स्थानीय लोगों ने श्रद्धालुओं के साथ बेलाही शिवालय तक पदयात्रा की, जहाँ से तीर्थयात्रियों को बस द्वारा गंतव्य के लिए रवाना किया गया ।

कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित हजारीबाग सांसद मनीष जायसवाल ने श्रद्धालुओं को संबोधित करते हुए उन्होंने इस यात्रा के सफल संचालन की रूपरेखा साझा की। सांसद मनीष जायसवाल ने यात्रियों को यात्रा के दौरान सेहत और सुरक्षा से जुड़ी सावधानियाँ बरतने की सलाह दी और साथ ही जीवन में तीर्थाटन के आध्यात्मिक लाभों पर प्रकाश डाला। सांसद मनीष जायसवाल ने यह भी बताया कि 500 साल के अथक संघर्षों के बाद अयोध्या में प्रभु श्रीराम का भव्य और दिव्य मंदिर मोदी सरकार में बना है इस मंदिर को सामने से देखकर इसके अतीत के लिए किए कई सनातनियों के संघर्ष, बलिदान और त्याग को जरूर स्मरण करें। विशिष्ट अतिथि के रूप में मौजूद बरही विधायक मनोज कुमार यादव ने इस पुनीत कार्य के लिए सांसद मनीष जायसवाल की सराहना की।

लखनऊ जैसी त्रासदी से पहले अलर्ट हजारीबाग में अग्निकांड रोकने को प्रशासन सख्त

बिभा संवाददाता

हजारीबाग : उत्तर प्रदेश की राजधानी लखनऊ में हाल ही में हुई भीषण अग्निकांड की घटना से सबक लेते हुए हजारीबाग जिला प्रशासन पूरी तरह सतर्क हो गया है। जिले में भविष्य में किसी भी प्रकार की आगजनी की बड़ी घटना की पुनरावृत्ति न हो, इसके लिए उपायुक्त ने सभी सरकारी कार्यालयों, निजी संस्थानों, व्यावसायिक प्रतिष्ठानों, शिक्षण संस्थानों, अस्पतालों, होटल, लॉज, मॉल तथा कोचिंग संस्थानों को अग्नि सुरक्षा से जुड़े सभी आवश्यक मानकों का कड़ाई से पालन सुनिश्चित करने का निर्देश दिया है। प्रशासन का स्पष्ट मानना है कि समय रहते सुरक्षा व्यवस्था को मजबूत कर बड़ी जनहानि और संपत्ति के नुकसान से बचा जा सकता है। उपायुक्त ने कहा कि अधिकांश अग्निकांड विद्युत व्यवस्था में तकनीकी खामियों, क्षमता से अधिक बिजली भार, शॉर्ट सर्किट, पुराने एवं जर्जर तारों तथा सुरक्षा मानकों की अनदेखी के कारण होते हैं। ऐसे में जिले के सभी संस्थानों को अपने भवनों की विद्युत सुरक्षा जांच कराने का निर्देश दिया गया है। इस जांच के माध्यम से यह सुनिश्चित किया जाएगा कि भवन की विद्युत व्यवस्था सुरक्षित है या नहीं तथा वर्तमान आवश्यकता के अनुरूप उसकी क्षमता पर्याप्त है या नहीं। जहां कहीं भी खामियां पाई जाएं, वहां तत्काल पुराने तारों को बदलने, अतिरिक्त विद्युत भार को नियंत्रित करने तथा मानक गुणवत्ता वाले विद्युत उपकरण लगाने के निर्देश दिए गए हैं। उपायुक्त ने सभी संस्थानों को यह भी सुनिश्चित करने को कहा है कि परिसर में पर्याप्त संख्या में अग्निशमन यंत्र उपलब्ध रहें तथा उनकी समय-समय पर जांच और रखरखाव किया जाए। किसी भी आपातकालीन स्थिति में सुरक्षित निकासी के लिए भवनों में निकास मार्ग पूरी तरह खुले एवं अवरोधमुक्त रहें।

उपायुक्त ने स्पष्ट शब्दों में कहा कि अग्नि सुरक्षा नियमों की अनदेखी किसी भी परिस्थिति में बर्दाश्त नहीं की जाएगी। जिन संस्थानों द्वारा निर्धारित सुरक्षा मानकों का पालन नहीं किया जाएगा, उनके विरुद्ध नियमानुसार कड़ी कार्रवाई की जाएगी। जिला प्रशासन समय-समय पर विभिन्न संस्थानों का निरीक्षण कर सुरक्षा व्यवस्था का आकलन भी करेगा। जिला प्रशासन ने सभी संस्थानों, भवन संचालकों और आम नागरिकों से अपील की है कि वे सुरक्षा को सर्वोच्च प्राथमिकता दें।

सेंट्रल मोहर्रम कमेटी पंडरा का मेला शांतिपूर्ण माहौल में संपन्न, विजेताओं को किया गया सम्मानित

बिभा संवाददाता

कुडू। प्रखंड क्षेत्र के पंडरा गांव में सेंट्रल मोहर्रम कमेटी के तत्वावधान में आयोजित पारंपरिक मोहर्रम मेला रविवार को शांतिपूर्ण एवं सौहार्दपूर्ण वातावरण में संपन्न हुआ। कमेटी के अध्यक्ष कमरुल इस्लाम की अध्यक्षता में आयोजित इस मेले में आसपास के दर्जनों गांवों से आए खलीफाओं एवं अखाड़ों ने अपने-अपने जुलूस के साथ पारंपरिक खेल, करतब और नुमाइश का आकर्षक प्रदर्शन किया। मेले में पंडरा के अलावा उडुमूडू, चंदलासो, मकानदू, मराडी, चेटर सहित कई गांवों के अखाड़ों ने हिस्सा लिया। विभिन्न अखाड़ों द्वारा लाठी, तलवार और अन्य पारंपरिक युद्धकलाओं का प्रदर्शन दर्शकों के आकर्षण का केंद्र रहा। कार्यक्रम के दौरान हजारों की संख्या में लोग मौजूद रहे, जिन्होंने पूरे उत्साह के साथ मेले का आनंद लिया। नुमाइश के समापन के बाद सेंट्रल मोहर्रम कमेटी पंडरा की ओर से उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले अखाड़ों को सम्मानित किया गया। प्रथम पुरस्कार मराडी अखाड़ा को एक तलवार एवं ?4,000 नकद, जबकि द्वितीय पुरस्कार मकानदू अखाड़ा को एक तलवार एवं ?2,000 नकद देकर सम्मानित किया गया।

आयोजन के दौरान जिला प्रशासन एवं स्थानीय प्रशासन की ओर से सुरक्षा के व्यापक इंतजाम किए गए थे। मौके पर श्रद्धा केरकेटा, इंस्पेक्टर चंद्रशेखर आजाद, कुडू अंचल अधिकारी संतोष उरांव, उप प्रमुख ऐनुल अंसारी, तनवीर गौहर, लाल गुड्डू नाथ शाहदेव, मुखिया लाल मनोज नाथ शाहदेव, मुकेश साहू, लव कुमार साहू, नासिर अंसारी, सज्जाद अंसारी, रजी अंसारी, मुमताज पवारिया, मोहम्मद अजीम, हाजी नासिर, हाजी मतीउल्लाह, नफीस आलम, मुजीबुर रहमान, मुजाहिदुल इस्लाम, नौशाद आलम, अफरोज अंसारी, सनाउल्लाह अंसारी, फिरोज आलम, हसबुद्दीन अंसारी, इमरोज आलम सहित कई जनप्रतिनिधि, सामाजिक कार्यकर्ता एवं गणमान्य लोग उपस्थित थे। कार्यक्रम के सफल आयोजन पर कमेटी के अध्यक्ष कमरुल इस्लाम ने सभी अखाड़ों, प्रशासन, समिति के सदस्यों एवं क्षेत्रवासियों का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि सभी के सहयोग से यह आयोजन हर वर्ष की तरह इस वर्ष भी भाईचारे, शांति और आपसी सौहार्द के साथ सफलतापूर्वक संपन्न हुआ। उन्होंने कहा कि मोहर्रम का यह मेला क्षेत्र की सामाजिक एकता और सांप्रदायिक सद्भाव का प्रतीक है।

संगठन की सबसे बड़ी ताकत कार्यकर्ता :आदित्य

बिभा संवाददाता

लातेहारः भाजपा जिला कार्यालय में झारखंड भाजपा प्रदेश अध्यक्ष राज्यसभा आदित्य साहू ,पलामू सांसद बीडी राम एवं प्रदेश महामंत्री मनोज सिंह का आगमन लातेहार भाजपा जिला कार्यालय में हुआ, जहां जिला अध्यक्ष बंशी यादव के अध्यक्षता कार्यकताओं के साथ बैठक की। प्रदेश अध्यक्ष ने बैठक को संबोधित करते हुए कहा कि झारखंड भाजपा प्रदेश अध्यक्ष सह राज्यसभा सांसद आदित्य साहू ने कार्यकताओं को संबोधित करते हुए कहा कि संगठन की सबसे बड़ी ताकत उसके समर्पित कार्यकर्ता हैं। प्रत्येक कार्यकर्ता को केंद्र एवं राज्य सरकार की जनकल्याणकारी योजनाओं को घर-घर तक पहुँचाने, आम जनता की समस्याओं के समाधान के लिए तत्पर रहने तथा संगठन को बूथ स्तर तक और अधिक मजबूत बनाने के लिए पूरी निष्ठा एवं सक्रियता के साथ कार्य करना चाहिए। उन्होंने कहा कि आने वाले समय की चुनौतियों का सामना एकजुट होकर करना है और जनता का विश्वास एवं समर्थन ही हमारी सबसे बड़ी पूंजी है, मंच पर मुख्य रूप से प्रदेश मंत्री सह जिला संगठन प्रभारी मनीर उरांव , प्रदेश कार्य समिति सदस्य राजधानी यादव ,ओबीसी मोर्चा प्रदेश मंत्री इंद्रजीत यादव ,नगर पंचायत अध्यक्ष महेश सिंह ,जिला परिषद् पूनम देवी , महिला मोर्चा प्रदेश मंत्री नीलम देवी ,जिला उपाध्यक्ष राकेश दुबे मंचस्थ रहे।।

बैठक का संचालन जिला महामंत्री अमलेश कुमार सिंह ने किया वहीं समाप्ति के घोषणा जिला महामंत्री छोटू राजा के द्वारा किया गया ,बैठक में जनसंकल के वरिष्ठ नेता, पूर्व जिलाध्यक्ष, जिला पदाधिकारी, मोर्चा के सभी जिला अध्यक्ष, मंडल अध्यक्ष पूर्व मंडल अध्यक्ष समेत सैकड़ो भाजपा कार्यकर्ता मौजूद रहे।

जिला के सुदूरवर्ती टापू दियारा गोलढाब पहुंचे विधायक व डीसी

पल्स पोलियो अभियान का किया शुभारंभ

बिभा संवाददाता

उधवा । राजमहल विधायक मो. ताजुद्दीन उर्फ एमटी राजा एवं उपायुक्त दीपक कुमार दुबे ने रविवार को उधवा प्रखंड क्षेत्र के दक्षिण पलाशगाछी पंचायत व पश्चिमी प्राणपुर पंचायत के सुदूरवर्ती क्षेत्र गोलढाव चुआर पहुंचे। इस दौरान विधायक एमटी राजा, उपायुक्त दीपक कुमार दुबे,सिविल सर्जन डॉ. रामदेव पासवान व एसडीओ सदानंद महतो ने संयुक्त रूप दीप प्रज्वलित कर एवं वैक्सीन करियर में फीता काटकर कार्यक्रम का शुभारंभ किया। स्वास्थ्य विभाग की ओर से पौधा भेंटकर स्वागत किया गया। इस दौरान विधायक एमटी राजा ने संबोधित करते हुए कहा कि पल्स पोलियो अभियान

जन्म से 5 वर्ष तक के बच्चों के लिए जरूरी है। यह हम सभी जानते है अब हम सभी ग्रामीण एवं अभिभावकों का कर्तव्य है कि इस निर्धारित उम्र के बच्चों को पल्स पोलियो की खुराक अवश्य पिलाएं। ताकि बच्चा रोग मुक्त रहें। वहीं उपायुक्त दीपक कुमार दुबे ने संबोधित करते हुए कहा कि समाज के अंतिम व्यक्ति तक स्वास्थ्य व्यवस्था की सुविधाओं से लाभान्वित करना यह सरकार और जिला प्रशासन का लक्ष्य है। इसके तहत जिला के सबसे सुदूरवर्ती गांव पहुंचे ताकि यहां के लोग पल्स पोलियो अभियान में अपनी भागीदारी सुनिश्चित कर सकें। वहीं सिविल सर्जन डॉ. रामदेव पासवान ने कहा कि पल्स पोलियो अभियान के साथ-साथ टापूनुमा दियारा क्षेत्र में स्वास्थ्य व्यवस्था को भी दुरुस्त करना स्वास्थ्य विभाग की प्राथमिकता है। मौके पर बीडीओ जयंत कुमार तिवारी, सीओ उधवा आशीष कुमार मंडल, प्रभारी उपाधीक्षक डॉ. उदय टुडू, प्रभारी चिकित्सा पदाधिकारी गुफरान आलम, विधायक प्रतिनिधि मो. मारूफ उर्फ गुड्डू, केंद्रीय समिति सदस्य एखलाखुर रहमान, झामुमो प्रखंड अध्यक्ष अय्यूब अली, सचिव विश्वजीत मंडल,काजू मल्लिक, जैनुल आबेदीन, गुलाब शेख सहित अन्य मौजूद थे।

राजमहल में पल्स पोलियो कार्यक्रम का शुभारंभ, सिविल सर्जन ने दिया नारा "कोई बच्चा छूटे न, पोलियो चक्र टूटे न"

बिभा संवाददाता

राजमहल । रविवार को राजमहल अनुमंडल अस्पताल परिसर में राष्ट्रीय पल्स पोलियो कार्यक्रम का विधिवत शुभारंभ सिविल सर्जन डॉ. रामदेव पासवान और राजमहल अनुमंडल पदाधिकारी सदानंद महतो, राजमहल अनुमंडल अस्पताल उपाधीक्षक डॉ. उदय टुडू ने संयुक्त रूप से बच्चों को पोलियो की दो बूंद पिलाकर अभियान की शुरूआत की। वही कार्यक्रम के दौरान दोनों अधिकारियों ने राजमहल प्रखंड एवं पूरे जिले के निवासियों से अपील की कि वे जन्म से लेकर 5 वर्ष तक की आयु के किसी भी बच्चे को पोलियो की खुराक से वंचित न रखें। सिविल सर्जन डॉ. रामदेव पासवान ने जानकारी देते हुए बताया कि

राजमहल प्रखंड में इस कार्य को सफल बनाने के लिए कुल 187 टीमें, 42 सुपरवाइजर और 16 सब डिपो कार्यरत हैं। उन्होंने सभी कार्यकताओं को निर्देश दिया कि वे शत-प्रतिशत लक्ष्य की प्राप्ति सुनिश्चित करें। वही कार्यक्रम के समापन पर सिविल सर्जन ने जोशीला नारा दिया, "कोई बच्चा छूट न, पोलियो चक्र टूटे न", जिससे पूरे परिसर में माहौल गूंज उठा। स्वास्थ्य विभाग की यह मुहिम बच्चों को पोलियो जैसी जानलेवा बीमारी से सुरक्षित रखने के लिए निरंतर जारी है।

संक्षिप्त खबरें

सौ फीसद बच्चों को पिलाएं पोलियोरोधी दवा : सीएस

तालझारी(बिभा) । तीन दिनों तक चलने वाली पल्स पोलियो अभियान रविवार से शुरू हो गई। जिसका शुभारंभ सीएस डॉ. रामदेव पासवान, स्टेट टीम के डॉ. मुकेश मिश्रा, सीओ सह बीडीओ राम सुमन प्रसाद, प्रभारी चिकित्सा पदाधिकारी डॉ. रंजन कुमार के द्वारा समुदायिक स्वास्थ्य केंद्र तालझारी प्रांगण में बच्चों को पोलियो पिलाकर किया। साथ ही उन्होंने कहा की प्रखंड क्षेत्र में कुल 19 हजार 576 बच्चों को पोलियो की खुराक पिलाने का लक्ष्य निर्धारित किया गया है। पोलियो अभियान को सफल बनाने के लिए प्रखंड भर में 104 बूथ व 22 सब डिपो बनाए गए हैं। साथ ही कहा की अभियान के प्रथम दिन सभी बूथों पर 0-5 वर्ष के बच्चों को खुराक पिलाई गई। दूसरे व तीसरे दिन घर-घर जाकर खुराक पिलाना है। कहा कि हर हाल में लक्ष्य की प्राप्ति करनी है।

पल्स पोलियो अभियान के निरीक्षण में लापरवाही! वाहन से नीचे तक नहीं उतरी टीम, उठे सवाल

साहेबगंज(बिभा)। जिले में रविवार से शुरू हुए तीन दिवसीय उप- राष्ट्रीय पल्स पोलियो अभियान के दौरान निरीक्षण व्यवस्था पर सवाल उठने लगे हैं। ताजा मामला तालझारी प्रखंड क्षेत्र के तालझारी शहीद चौक पर पल्स पोलियो अभियान के निरीक्षण के लिए पहुंची एक टीम वाहन से नीचे उतरना भी मुनासिब नहीं समझी। टीम के सदस्य वाहन में बैठे-बैठे ही पोलियो बूथ का जायजा लेते नजर आए, जबकि बूथ पर मौजूद स्वास्थ्यकर्मी अपनी जिम्मेदारी निभा रहे थे। वहीं स्थानीय लोगों ने आरोप लगाया कि निरीक्षण के नाम पर टीम ने केवल औपचारिकता निभाई। वाहन से बाहर निकलकर न तो बूथ की व्यवस्थाओं का बारीकी से निरीक्षण किया गया और न ही स्वास्थ्यकर्मियों अथवा अभिभावकों से किसी प्रकार की जानकारी ली गई। मौके पर मौजूद लोगों का कहना है कि यदि निरीक्षण दल स्वयं बूथ पर उतरकर व्यवस्थाओं का जायजा लेता, तो अभियान की वास्तविक स्थिति का बेहतर आकलन हो सकता था। इस तरह की कार्यशैली से निरीक्षण की गंभीरता पर सवाल खड़े हो रहे हैं। हालांकि, इस मामले में संबंधित अधिकारियों की ओर से कोई आधिकारिक प्रतिक्रिया सामने नहीं आई है।

प्रखंड में 20637 बच्चों को बूथ दिवस पर पिलायी गई पोलियो की दवा

रांची(बिभा) : राष्ट्रीय पल्स पोलियो अभियान के अवसर पर सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र, रातु, राँची में कार्यक्रम का शुभारम्भ प्रखण्ड प्रमुख संगीता देवी एवं प्रभारी चिकित्सा पदाधिकारी डॉ० सुजीत कुमार कश्यप के कर कमलों द्वारा बच्चों को पोलियो ड्राप पिलाकर किया गया। सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र, रातु, राँची क्षेत्र अंतर्गत लक्षित बच्चों की कुल संख्या 25425 में से कुल 20637 बच्चों को बूथ दिवस पर पोलियो की दवा पिलाई गई। बचे हुए बच्चों को 29 एवं 30 को टीम द्वारा घर - घर भ्रमण कर पोलियो की खुराक पिलाई जाएगी। मौके पर मुख्य रूप से डॉ० सुजीत कुमार कश्यप, डॉ० पुरुषोत्तम, डॉ० प्रिती, डॉ० निधि, यशवंत कुमार, अमित कुमार, राहुल पटेल, अल्पना, सुशीला, विद्या सागर शर्मा, संधीर उरॉव, प्रवीण सहित सभी स्वास्थ्य कर्मी उपस्थित थें।

रांची से बाबा अमरनाथ यात्रा के पहले जत्थे को किया गया रवाना

रांची(बिभा)। बाबा अमरनाथ यात्रा के लिए रांची से श्रद्धालुओं का पहला जत्था रविवार को पहाड़ी मंदिर से रवाना हुआ। श्रद्धालु पहले मुरी पहुंचेंगे, जहां से ट्रेन के माध्यम से जम्मू के लिए प्रस्थान करेंगे। इस यात्रा का नेतृत्व मनोज कुमार जायसवाल कर रहे हैं, जो लगातार 34 वर्षों से बाबा अमरनाथ की यात्रा कर रहे हैं।यात्रा दल को रांची महानगर मंत्री शुभम कुमार जायसवाल ने श्रद्धालुओं को तिलक लगाकर एवं अंगवस्त्र भेंट कर शुभकामनाओं के साथ रवाना किया। इस अवसर पर नयन कुमार सिन्हा, उपमहापौर नीरज कुमार, शैलेश जायसवाल, अविनाश कुमार उर्फ मुन्ना, श्रवण सिन्हा, विकास वर्मा सहित कई गणमान्य लोग उपस्थित रहे। आयोजकों ने बताया कि जिन श्रद्धालुओं का पूर्व पंजीकरण नहीं हो पाया है, उनका पंजीकरण जम्मू में कराया जाएगा। इसके बाद 3 जुलाई को पहला जत्था बाबा अमरनाथ गुफा में पूजा-अर्चना के लिए रवाना होगा तथा 6 जुलाई को बाबा बफार्नी के दर्शन करेगा। यात्रा कार्यक्रम के अनुसार श्रद्धालु श्रीनगर स्थित खीर भवानी मंदिर, जम्मू के रघुनाथ मंदिर, माता वैष्णो देवी धाम तथा अमृतसर स्थित स्वर्ण मंदिर में भी दर्शन-पूजन करेंगे। रांची लौटने के बाद देवघर स्थित बाबा बैद्यनाथ धाम, बाबा बासुकीनाथ एवं पश्चिम बंगाल के तारापीठ मंदिर में भी पूजा-अर्चना करेंगे।

गोलढाब चुआर दियारा में सोलर युक्त पर्याप्त रोशनी एवं स्वास्थ्य व्यवस्था होगी दुरुस्त : विधायक

बिभा संवाददाता

उधवा । राजमहल विधायक मो. ताजउद्दीन उर्फ एमटी राजा व उपायुक्त दीपक कुमार दुबे ने रविवार को उधवा प्रखंड के सुदूरवर्ती दक्षिण पलाशगाछी पंचायत के गोलढाब चुआर दियारा के ग्रामीणों से मिलकर वहां की प्राथमिक समस्याओं से अवगत हुए। ग्रामीणों ने बाढ़ राहत चबूतरा, संभावित बाढ़ की तैयारी, मवेशियों के लिए बाढ़ में समुचित व्यवस्था, स्वास्थ्य व्यवस्था दुरुस्त करने ताकि गांव में संस्थागत प्रसव विभाग की ओर से कराया जा सकें। पेयजल की व्यवस्था दुरुस्त करने,सोलर युक्त रोशनी की व्यवस्था एवं सड़कों के निर्माण के

विषय को ग्रामीण एवं पंचायत के मुखिया नफीसा खातुन ने बातों को रखी। विधायक ने कहा कि गोलढाब चुआर दियारा में स्वास्थ्य व्यवस्था को दुरुस्त कर सोलर युक्त रोशनी की व्यवस्था करना है। साथ ही पेयजल की व्यवस्थाओं को दुरुस्त कराना एवं बाढ़ राहत के लिए प्रशासनिक तैयारी आवश्यक है। उन्होंने जिला के उपायुक्त को आभार व्यक्त करते हुए कहा कि पहली बार जिला के उपायुक्त दूरस्थ गांव में नाव के माध्यम से चुआर में पहुंचे है। निश्चित ही प्राथमिक समस्याओं का निष्पादन होगा। उन्होंने कहा कि पंचायत स्तर एवं प्रखंड स्तर के पदाधिकारी समस्याओं का निष्पादन को सूचीबद्ध करें उपायुक्त एवं उनके माध्यम से समस्या का समाधान की दिशा में पहल की जाएगी। वहीं उपायुक्त ने कहा कि सभी जन समस्याओं से वह भौतिक रूप से अवगत हुए है। जल्द ही विकास कार्यों की योजना तैयार कराई जाएगी। प्रशासनिक पदाधिकारी के पहुंचने से ग्रामीणों में उत्साह देखने को मिला है। समस्याओं का समाधान कर उत्साह बरकरार रखने की दिशा में पहल होगी।

विधायक ने 3.53 करोड़ की लागत के दो योजनाओं का किया शिलान्यास

बिभा संवाददाता

उधवा । राजमहल विधायक मो. ताजउद्दीन उर्फ एमटी राजा ने रविवार को उधवा प्रखंड क्षेत्र के मोहनपुर पंचायत अंतर्गत कुसमा में 2.98 करोड़ की लागत से बनने वाले खाद्य आपूर्ति विभाग के एक हजार मैट्रिक टन के गोदाम के साथ तौलपुल व कंप्यूटर कक्ष का शिलान्यास एवं उत्तर पलाशगाछी के स्वास्थ्य उपकेंद्र का शिलान्यास विधायक ने किया। उन्होंने कहा कि विकास कार्यों की गति देने के लिए लगातार कार्य किया जा रहा है। सरकार के माध्यम से विभिन्न विभागों द्वारा योजनाओं का क्रियान्वन राजमहल विधानसभा क्षेत्र में कराया जा रहा है। जिसका लाभ निश्चित ही क्षेत्र के लोगों को मिलेगा। पार्टी कार्यकर्ता पदाधिकारी एवं संवेदक के प्रतिनिधि के माध्यम से पुष्प गुच्छ देकर विधायक का स्वागत किया गया। मौके पर विधायक प्रतिनिधि मो. मारूफ उर्फ गुड्डू, झामुमो प्रखंड अध्यक्ष अय्यूब अली,प्रखंड सचिव विश्वजीत मंडल,काजू मल्लिक,रानी हांसदा,सकल हेंब्रम, दुर्गा सोरेन,वर्णवास सोरेन,मुर्शीद राजा,आकिब अनिस सहित अन्य मौजूद थे।

संगठन की मजबूती पर झारखंड मजदूर संघ का मंथन, सदस्यता अभियान तेज करने का निर्णय

बिभा संवाददाता

साहेबगंज । शहर स्थित मछुआ समिति सोसाइटी समिति के प्रांगण में झारखंड मजदूर संघ (प्रजातांत्रिक) की जिला स्तरीय बैठक जिला कोषाध्यक्ष राकेश कुमार महतो की अध्यक्षता में आयोजित हुई। बैठक का मुख्य फोकस संगठन को जमीनी स्तर पर अधिक मजबूत बनाने, सदस्यता अभियान को गति देने और पदाधिकारियों की सक्रिय भागीदारी सुनिश्चित करने पर रहा। वहीं बैठक में केंद्रीय महामंत्री राजकुमार यादव ने कहा कि संगठन की मजबूती आर्थिक रूप से आत्मनिर्भर होने पर भी निर्भर करती है। इसके लिए प्रत्येक सदस्य से नियमित आर्थिक सदस्यता शुल्क लेकर संगठन को सशक्त बनाने का निर्णय लिया गया। साथ ही उन्होंने प्रखंड स्तरीय बैठकों की समीक्षा करते

हुए कहा कि 4 जून से 21 जून तक आयोजित बैठकों में जिला स्तर के कई पदाधिकारियों का अपेक्षित सहयोग नहीं मिला। उन्होंने स्पष्ट कहा कि यदि पदाधिकारी सक्रिय नहीं होंगे तो संगठन को मजबूत बनाना मुश्किल होगा। उन्होंने सभी पदाधिकारियों और कार्यकताओं से जिम्मेदारी के साथ संगठनात्मक गतिविधियों में भाग लेने का आह्वान किया।

बैठक में आगामी 30 जून को वीर शहीद जननायक सिद्धू-कान्हू, चांद और भैरव की जयंती पर माल्यार्पण कार्यक्रम आयोजित करने का भी निर्णय लिया गया। इस अवसर पर केंद्रीय महामंत्री राजकुमार यादव सहित संगठन के कई पदाधिकारी श्रद्धांजलि अर्पित करेंगे। मौके पर अंसार खान, मिथुन कुमार यादव, रणधीर प्रसाद चौरसिया, मनोज सोरेन, फूल कुमारी देवी, शंकर यादव, मुन्ना यादव, विजय यादव, राजू रजक, मोहम्मद निजाम, रिंकू शेख, मुजीबुर रहमान सहित अनेक सदस्य उपस्थित थे।

अस्पताल की सड़क के लिए ग्रामीण राज्यपाल के नाम करेंगे जमीन दान

रैयतों की सहमति के साथ जल्द अस्पताल को मिलेगा नया सड़क : उपायुक्त

बिभा संवाददाता

उधवा । राजमहल विधायक मो. ताजउद्दीन उर्फ एमटी राजा व उपायुक्त साहिबगंज दीपक कुमार दुबे ने रविवार को उधवा प्रखंड के मोहनपुर पंचायत स्थित सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र का निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान स्वास्थ्य व्यवस्था को दुरुस्त करने के लिए उपायुक्त के माध्यम से कई आवश्यक दिशा निर्देश दिए गए। उन्होंने प्रसव गृह,इमरजेंसी,ओपीडी एवं वार्ड का निरीक्षण किया। वर्तमान में अस्पताल की प्रमुख समस्या मुख्य सड़क से अस्पताल तक की कम्युनिकेशन को लेकर है। अतिरिक्त 3 किलोमीटर सफर मरीज को तय करना पड़ता है। विधायक के पहल पर आदिवासी रैयतों एवं ग्रामीणों ने मुख्य सड़क से अस्पताल को जोड़ने वाली सड़क

के लिए जमीन देने पर सहमति दी है। सभी ने कहा कि राज्यपाल के नाम अस्पताल हित में सड़क के लिए जमीन दान देंगे। विधायक ने कहा कि जो भी रैयत सड़क के लिए जमीन दान देंगे। उन रैयतो के परिवार के एक सदस्य को आउटसोर्सिंग के माध्यम से उनकी शैक्षणिक योग्यता के अनुसार रोजगार देने का कार्य स्वास्थ्य विभाग करें। इस पर प्रशासनिक पदाधिकारी द्वारा सकारात्मक आश्वासन प्राप्त हुआ है। सिविल सर्जन डॉ. रामदेव पासवान ने कहा कि स्वास्थ्य व्यवस्था को दुरुस्त करने की लगातार कार्य जारी है। कर्मचारी ईमानदारी पूर्वक अपने कर्तव्य का निर्वाह करें। मौके पर प्रभारी उपाधीक्षक डॉ. उदय टुडू, प्रभारी चिकित्सा पदाधिकारी डॉ. गुफरान आलम सहित अन्य मौजूद थे।

वाईएमसीए टेबल टेनिस अकादमी का शुभारंभ

बिभा संवाददाता

रांची : वाईएमसीए स्पोर्ट्स अकादमी द्वारा वाईएमसीए वोकेशनल ट्रेनिंग सेंटर, कांटाटोली, रांची में अत्याधुनिक टेबल टेनिस अकादमी का भव्य शुभारंभ मुख्य अतिथि असीम विक्रांत मिंज, आईपीएस, पुलिस महानिरीक्षक (आईजी), सीआईडी, झारखंड के करकमलों द्वारा रिबन काटकर किया गया।

कार्यक्रम को संबोधित करते हुए वाईएमसीए रांची के महासचिव श्री चोन्हस कुजूर ने कहा कि वाईएमसीए सदैव युवाओं की प्रतिभा को निखारने और उन्हें आगे बढ़ाने के लिए समर्पित रहा है। इसी उद्देश्य को साकार करने के लिए इस टेबल टेनिस अकादमी की स्थापना की गई है, जहाँ बच्चों एवं युवाओं को आधुनिक सुविधाओं, वैज्ञानिक प्रशिक्षण पद्धतियों तथा अनुभवी प्रशिक्षकों के मार्गदर्शन में व्यवस्थित प्रशिक्षण प्रदान किया जाएगा। उन्होंने विश्वास व्यक्त किया कि यहाँ से तैयार होने वाले खिलाड़ी जिला, राज्य, राष्ट्रीय एवं अंतरराष्ट्रीय स्तर पर उत्कृष्ट प्रदर्शन कर रांची एवं झारखंड का नाम

गौरवान्वित करेंगे। उन्होंने कहा कि वाईएमसीए का उद्देश्य केवल खिलाड़ियों को प्रशिक्षण देना ही नहीं, बल्कि उन्हें अनुशासित, सकारात्मक एवं प्रेरणादायी खेल वातावरण उपलब्ध कराना भी है, जिससे वे अपने खेल जीवन में नई ऊँचाइयों तक पहुँच सकें।

उद्घाटन समारोह का प्रारंभिक संबोधन संस्थान की उभरती हुई टेबल टेनिस खिलाड़ी सुश्री संवि सिन्हा ने किया। इस अवसर पर वाईएमसीए के सबसे कम आयु वर्ग के सब-जूनियर खिलाड़ियों अर्सल खान एवं दिव्यांश सिन्हा के बीच एक रोमांचक चैरिटी टेबल टेनिस मैच आयोजित किया गया, जिसने उपस्थित खेल प्रेमियों का भरपूर मनोरंजन किया। दोनों नन्हे खिलाड़ियों ने अपने उत्कृष्ट खेल कौशल, आत्मविश्वास और खेल भावना से सभी दर्शकों का दिल जीत लिया।

अपने संबोधन में मुख्य अतिथि श्री असीम विक्रांत मिंज, आईपीएस ने वाईएमसीए स्पोर्ट्स अकादमी के इस सराहनीय प्रयास की मुक्तकंठ से प्रशंसा करते हुए कहा कि खेल केवल शारीरिक विकास का माध्यम नहीं, बल्कि बच्चों के मानसिक, बौद्धिक एवं नैतिक विकास का भी सशक्त आधार है। उन्होंने कहा कि एक उत्कृष्ट खिलाड़ी सदैव अनुशासित, चरित्रवान एवं आत्मविश्वासी होता है। खेलों में सक्रिय विद्यार्थी सामान्यतः शिक्षा के क्षेत्र में भी बेहतर प्रदर्शन करते हैं, इसलिए बच्चों को पढ़ाई के साथ-साथ खेलों में भी समान महत्व के साथ भाग लेना चाहिए।

कार्यक्रम का गरिमापूर्ण संचालन श्रीमती शीतल करकेटा ने किया। अंत में वाईएमसीए के आजीवन सदस्य श्री आफताब आलम खान ने धन्यवाद ज्ञापन प्रस्तुत करते हुए मुख्य अतिथि, विशिष्ट अतिथियों, खिलाड़ियों, अभिभावकों, मीडिया प्रतिनिधियों एवं सभी उपस्थित जनों के प्रति हार्दिक आभार व्यक्त किया। उन्होंने विश्वास व्यक्त किया कि वाईएमसीए टेबल टेनिस अकादमी रांची एवं झारखंड के उभरते खिलाड़ियों के लिए एक महत्वपूर्ण मील का पत्थर सिद्ध होगी तथा राज्य की खेल प्रतिभाओं को नई दिशा, उत्कृष्ट प्रशिक्षण और राष्ट्रीय एवं अंतरराष्ट्रीय स्तर तक पहुँचने के बेहतर अवसर प्रदान करेगी।

यह अकादमी वाईएमसीए की युवा सशक्तिकरण, खेल संस्कृति के संवर्धन तथा खेल प्रतिभाओं के सर्वांगीण विकास के प्रति उसकी दृढ़ प्रतिबद्धता का प्रतीक है। आशा है कि आने वाले वर्षों में यह अकादमी झारखंड को अनेक राष्ट्रीय एवं अंतरराष्ट्रीय स्तर के उत्कृष्ट खिलाड़ी प्रदान कर राज्य का गौरव बढ़ाएगी।

'मन की बात' से संगठन तक: भाजपा ने बूथ स्तर पर साधा संपर्क, 'एक पेड़ मां के नाम' अभियान को दी धार

बिभा संवाददाता

साहेबगंज। भारतीय जनता पार्टी ने रविवार को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के 'मन की बात' के 135 वें एपिसोड को केवल सुनने तक सीमित नहीं रखा, बल्कि इसे संगठनात्मक सक्रियता और पर्यावरण संरक्षण अभियान से भी जोड़ा। कार्यक्रम के बाद कार्यकताओं ने 'एक पेड़ मां के नाम' अभियान के तहत पौधारोपण कर पर्यावरण संरक्षण का संदेश दिया। यह अभियान प्रधानमंत्री के आह्वान से जुड़ा राष्ट्रीय अभियान है।

साहेबगंज ग्रामीण मंडल अध्यक्ष अनुराग राहुल के नेतृत्व में शक्ति केंद्र गंगाप्रसादपुरा मध्य-41 पर पूर्व जिला मंत्री मनोज कुमार यादव के आवास पर संगठनात्मक बैठक आयोजित की गई। बैठक में प्रदेश उपाध्यक्ष एवं प्रवासी नेता बालमुकुंद सहाय, राजमहल के पूर्व विधायक अनंत कुमार ओझा, भाजपा जिला अध्यक्ष गौतम यादव तथा जिला प्रभारी अमृत पांडे मौजूद रहे। वहीं बैठक में बूथ एवं शक्ति केंद्र स्तर पर संगठन को और मजबूत

बनाने, कार्यकताओं की सक्रिय भागीदारी बढ़ाने तथा आगामी कार्यक्रमों की रूपरेखा पर चर्चा की गई। इसके बाद सभी नेताओं एवं कार्यकताओं ने पौधारोपण कर पर्यावरण संरक्षण का संकल्प लिया। मौके पर प्रखंड उपाध्यक्ष अमरनाथ चौधरी, पवन यादव, निशा देवी, महामंत्री ओम प्रकाश पांडे, महिला मोर्चा अध्यक्ष सुनीता देवी, प्रखंड मंत्री किरण देवी, शक्ति केंद्र संयोजक कुंदन कुमार, पूर्व जिला मंत्री मनोज यादव, मनीष कुमार, एससी मोर्चा अध्यक्ष यशवंत, पूर्व कोषाध्यक्ष गोपाल साह, अरविंद गुप्ता, पिंटू कुमार, सुनील कुमार यादव, मुरारी कुमार, पंकज कुमार चौधरी, कन्हाई मंडल, सियाराम मंडल, विनोद कुमार सहित बड़ी संख्या में कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

बेल्जियम ने जीता एफआईएच प्रो लीग का खिताब

लॉस एंजिल्स ओलंपिक 2028 के लिए किया क्वालिफाई

नई दिल्ली । बेल्जियम की पुरुष हॉकी टीम ने एफआईएच प्रो लीग 2026 का खिताब जीतते हुए एक और बड़ी उपलब्धि अपने नाम कर ली है। नीदरलैंड्स को 2-1 से हराकर बेल्जियम ने एक मैच शेष रहते ही चैंपियन बनने के साथ-साथ लॉस एंजिल्स ओलंपिक 2028 के लिए भी क्वालिफाई कर लिया। इस उपलब्धि के साथ बेल्जियम ओलंपिक में जगह पक्की करने वाली पहली पुरुष हॉकी टीम बन गई है।

नीदरलैंड्स को हराकर जीता दूसरा प्रो लीग खिताब – शनिवार को खेले गए मुकाबले में बेल्जियम ने नीदरलैंड्स को 2-1 से मात देकर एफआईएच प्रो लीग का खिताब अपने नाम किया। इस जीत के साथ टीम ने अंक तालिका में ऐसी बढ़त बना ली कि एक मैच बाकी रहते ही उसे चैंपियन घोषित कर दिया गया। यह बेल्जियम का एफआईएच प्रो लीग इतिहास में दूसरा खिताब है। इससे पहले टीम ने 2021 में पहली बार यह प्रतिष्ठित ट्रॉफी जीती थी।

लॉस एंजिल्स ओलंपिक 2028 का टिकट भी किया पक्का

एफआईएच प्रो लीग जीतने के साथ ही बेल्जियम ने लॉस एंजिल्स ओलंपिक 2028 का कोटा भी हासिल कर लिया। मेजबान अमेरिका पहले ही क्वालिफाई कर चुका है, जबकि बेल्जियम उपलब्ध 12 कोटा में जगह बनाने वाली पहली पुरुष टीम बन गई। महिला वर्ग में प्रो लीग चैंपियन बनने के बाद पहला ओलंपिक कोटा नीदरलैंड्स की महिला टीम को मिला।

विसेंट वनाश बने प्लेयर ऑफ द मैच

बेल्जियम के गोलकीपर विसेंट वनाश को शानदार प्रदर्शन के लिए 'प्लेयर ऑफ द मैच' चुना गया। उन्होंने पूरे मुकाबले में कई अहम बचाव किए और टीम की जीत में महत्वपूर्ण योगदान दिया। मैच के बाद वनाश ने कहा कि टीम ने शुरुआत से अंत तक शानदार संघर्ष किया और इस जीत की पूरी हकदार थी। उन्होंने कहा कि मौजूदा पीढ़ी द्वारा इतिहास में दूसरी प्रो लीग ट्रॉफी जीतना गर्व की बात है। साथ ही उन्होंने विश्व कप और लॉस एंजिल्स ओलंपिक 2028 के लिए क्वालिफाई करने पर भी खुशी जताई।

हेंड्रिक्स और बून ने दिलाई यादगार जीत – बेल्जियम की जीत में अलेक्जेंडर हेंड्रिक्स और टॉम बून ने अहम भूमिका निभाई। दोनों खिलाड़ियों ने एक-एक गोल कर टीम को मजबूत बढ़त दिलाई। नीदरलैंड्स की ओर से तीसरे क्वार्टर में टिज़मेन रेयेंगा ने गोल कर मुकाबले को रोमांचक बनाया, लेकिन बेल्जियम ने शानदार रक्षात्मक खेल दिखाते हुए अपनी बढ़त आखिर तक कायम रखी।

फीफा विश्व कप के बीच आई बुरी खबर

नीदरलैंड के फॉरवर्ड गाकपो के अजन्मे बेटे की गर्भ में मौत

वाशिंगटन : नीदरलैंड के फॉरवर्ड कोडी गाकपो की 'पार्टनर' (महिला मित्र) ने घोषणा की है कि गर्भावस्था के दौरान उनके अजन्मे बेटे की मृत्यु हो गई। गाकपो और मॉडल नोआ वैन डेर बिज का पहले से ही एक बेटा है और अक्टूबर में उनकी दूसरी संतान होनी थी। गाकपो अभी विश्व कप में टीम के साथ हैं, जहां नीदरलैंड नॉकआउट चरण में पहुंच चुका है। वैन डेर बिज ने सोशल मीडिया पर एक तस्वीर पोस्ट की जिसमें दोनों कंबल और छोटी बुनी हुई टोपी के ऊपर हाथ पकड़े हुए हैं। इसके साथ ही उन्होंने यह घोषणा भी की कि बच्चे की मौत हो गई है। वैन डेर बिज ने लिखा, 'आपके प्यार और समर्थन के लिए आभार। एलिजय राफेल गाकपो। हमेशा प्रिय। हमेशा हमारा बेटा।' अपनी पोस्ट में गाकपो ने लिखा, 'यह हमारे परिवार के लिए बेहद मुश्किल समय है। हम आपसे निजता और एकांत बनाए रखने का अनुरोध करते हैं।' गाकपो ने स्वीडन के खिलाफ नीदरलैंड की जीत में दो गोल किए और टीम को अपने ग्रुप में शीर्ष स्थान दिलाने में मदद की। नीदरलैंड सोमवार को राउंड ऑफ 32 में मोरक्को से भिड़ेगा।

महिला टी20 विश्व कप में न्यूजीलैंड का सफर खत्म

तीन दिग्गज खिलाड़ियों ने टी20 को कहा अलविदा

महिला टी20 विश्व कप 2026 में मौजूदा चैंपियन न्यूजीलैंड का अभियान ग्रुप चरण में ही समाप्त हो गया। इंग्लैंड के खिलाफ मिली हार के साथ व्हाइट फर्न्स न केवल टूर्नामेंट से बाहर हो गईं, बल्कि टीम की तीन दिग्गज खिलाड़ी सोफी डिवाइन, सूजी बेट्स और लिया ताहूहू ने भी टी20 इंटरनेशनल क्रिकेट को अलविदा कह दिया। मैच के बाद इंग्लैंड की खिलाड़ियों ने गार्ड ऑफ ऑनर देकर इस महान तिकड़ी को भावुक विदाई दी।

मेली केर ने संभाली पारी, लेकिन टीम नहीं बचा सकीं

पहले बल्लेबाजी करते हुए न्यूजीलैंड ने 20 ओवर में 6 विकेट पर 163 रन बनाए। कप्तान सोफी डिवाइन ने 14 गेंदों में 30 रन की तेज पारी खेलकर अच्छी शुरुआत दिलाई। इसके बाद मेली केर ने 34 गेंदों में 42 रन बनाकर पारी को संभाला। उनकी पारी में छह चौके शामिल रहे। हालांकि बाकी बल्लेबाज बड़ी साझेदारी नहीं बना सके। इंग्लैंड की ओर से डैनी गिब्सन ने सबसे प्रभावी गेंदबाजी करते हुए दो विकेट हासिल किए।

ग्रुप स्टेज में ही बाहर हुई डिफेंडिंग चैंपियन – महिला टी20 विश्व कप 2026 की विजेता बनकर उतरी न्यूजीलैंड टीम इस बार उम्मीदों पर खरी नहीं उतर सकी। वेस्टइंडीज, श्रीलंका और इंग्लैंड के खिलाफ मिली हार के बाद टीम सेमीफाइनल की दौड़ से बाहर हो गई। टूर्नामेंट का अंत न्यूजीलैंड के लिए बेहद निराशाजनक रहा।

तीन दिग्गज खिलाड़ियों का शानदार करियर हुआ खत्म – इंग्लैंड के खिलाफ मुकाबला सोफी डिवाइन, सूजी बेट्स और तेज गेंदबाज लिया ताहूहू के टी20 इंटरनेशनल करियर का आखिरी मैच साबित हुआ। मुकाबले के बाद इंग्लैंड की टीम ने मैदान पर दोनों टीमों के बीच गार्ड ऑफ ऑनर बनाकर इन तीनों दिग्गजों को सम्मानजनक विदाई दी, जिसने सभी क्रिकेट प्रेमियों को भावुक कर दिया।

इंग्लैंड और वेस्टइंडीज ने बनाई सेमीफाइनल में जगह – इस जीत के साथ इंग्लैंड ने वेस्टइंडीज के साथ सेमीफाइनल में अपनी जगह पक्की कर ली। दूसरी ओर, मौजूदा चैंपियन न्यूजीलैंड का अभियान ग्रुप चरण में ही समाप्त हो गया। टीम के लिए यह हार इसलिए भी यादगार रही क्योंकि इसी मुकाबले के साथ तीन महान खिलाड़ियों के शानदार टी20 अंतरराष्ट्रीय करियर का भी अंत हो गया।

अफ्रीका ने रचा इतिहास

पहली बार नॉकआउट राउंड में 9 टीमें पहुंचीं

न्यूयॉर्क । फीफा विश्व कप 2026 में अफ्रीकी फुटबॉल ने नया इतिहास रच दिया है। पहली बार अफ्रीका की रिकॉर्ड नौ टीमें टूर्नामेंट के नॉकआउट चरण (राउंड ऑफ 32) में पहुंची हैं। कांगो की उज्बेकिस्तान पर शानदार जीत और ऑस्ट्रिया के खिलाफ अल्जीरिया के रोमांचक ड्रॉ ने इस ऐतिहासिक उपलब्धि पर मुहर लगा दी। मोरक्को, मिस्र, सेनेगल और घाना जैसी मजबूत टीमों के साथ केप वर्डे और कांगो जैसी टीमों ने भी शानदार प्रदर्शन कर दुनिया का ध्यान अपनी ओर खींचा है।

अफ्रीका की रिकॉर्ड 9 टीमों ने किया नॉकआउट के लिए क्वालीफाई – अटलांटा में खेले गए मुकाबलों के बाद अफ्रीका की नौ टीमों ने फीफा विश्व कप 2026 के राउंड ऑफ 32 में जगह पक्की कर ली। इससे पहले किसी भी विश्व कप में इतने अफ्रीकी देश नॉकआउट चरण तक नहीं पहुंच पाए थे।

राउंड ऑफ 32 में पहुंचने वाली अफ्रीकी टीमें :

मोरक्को
दक्षिण अफ्रीका
सेनेगल
आइवरी कोस्ट
घाना
केप वर्दे
मिस्र
अल्जीरिया
कांगो

विश्व कप 2026 के लिए अफ्रीका से कुल 10 देशों ने क्वालीफाई किया था, जिनमें से नौ ने अब नॉकआउट में भी अपनी जगह बना ली है।

कांगो की जीत ने रचा इतिहास – कांगो ने उज्बेकिस्तान को 3-1 से हराकर नॉकआउट में प्रवेश किया। मुकाबले में उज्बेकिस्तान ने 10वें मिनट में एल्डोर शोमुरोदोव के गोल से बढ़त बनाई, लेकिन इसके बाद कांगो ने शानदार वापसी की। योएन विस्सा ने 68वें और इंजरी टाइम (90+1) में दो गोल दागे, जबकि फिस्टन मायेले ने 78वें मिनट में गोल कर टीम की जीत सुनिश्चित की। विस्सा को उनके बेहतरीन प्रदर्शन के लिए 'प्लेयर ऑफ द मैच' चुना गया। अब कांगो का अगला मुकाबला इंग्लैंड से होगा, जिसे टीम के लिए सबसे बड़ी परीक्षा माना जा रहा है।

अफ्रीकी फुटबॉल की बढ़ती ताकत – इस विश्व कप ने साबित कर दिया कि अफ्रीकी फुटबॉल अब केवल कुछ चुनिंदा टीमों तक सीमित नहीं है। केप वर्दे और कांगो जैसी उभरती टीमों का नॉकआउट में पहुंचना इस महाद्वीप की बढ़ती प्रतिस्पर्धा और प्रतिभा का बड़ा प्रमाण है। विश्व कप के इतिहास में पहले केवल छह अफ्रीकी देश ही कभी नॉकआउट चरण तक पहुंच पाए थे, लेकिन 2026 संस्करण ने इस रिकॉर्ड को पूरी तरह बदल दिया।

आमिर जंगू ने लारा और गेल की बराबरी की, श्रीलंका के खिलाफ टेस्ट में ऐतिहासिक दोहरा शतक लगाया

एंटीगा : वेस्टइंडीज के विकेटकीपर बल्लेबाज आमिर जंगू ने श्रीलंका के खिलाफ टेस्ट में में रिकॉर्ड 233 की पारी खेलकर इतिहास रच दिया। दस दोहरे शतक के साथ वह ब्रायन लारा और क्रिस गेल के बाद श्रीलंका के खिलाफ़ टेस्ट दोहरा शतक लगाने वाले तीसरे कैरेबियाई बल्लेबाज बन गए। सर विवियन रिचर्ड्स स्टेडियम में खेले जा रहे पहले टेस्ट मैच में इस 28 वर्षीय बल्लेबाज ने अपना पहला दोहरा शतक लगाकर शानदार अंदाज में यह उपलब्धि हासिल की। चौथे नंबर पर बल्लेबाजी करते हुए जंगू ने 342 गेंदों में अपना दोहरा बनाया। उन्होंने सोनल दिनुशा की गेंद पर एक रन लेकर अपनी यादगार पारी पूरी की। यह पारी अनुशासन, धैर्य और नियंत्रित आक्रामकता का बेहतरीन उदाहरण थी।

यह उपलब्धि जंगू के शुरुआती अंतरराष्ट्रीय करियर का एक और शानदार अध्याय है। अपने वनडे डेब्यू पर शतक लगाकर अपनी पहचान बनाने के बाद अब वे वेस्टइंडीज क्रिकेट के सबसे खास रिकॉर्ड बुक में शामिल हो गए हैं और देश के दो महानतम बल्लेबाजों की बराबरी कर ली है। ब्रायन लारा श्रीलंका के खिलाफ 200 रन का आंकड़ा पार करने वाले पहले वेस्टइंडीज खिलाड़ी थे। उन्होंने 2001 में कोलंबो में 221 रन बनाए थे और फिर 2003 में सेंट लूसिया में 209 रनों की एक और शानदार पारी खेली थी। क्रिस गेल ने 2010 में गाले में 333 रनों की विशाल पारी खेलकर इस विरासत को और आगे बढ़ाया। यह पारी आज भी श्रीलंका के खिलाफ किसी भी बल्लेबाज का सबसे बड़ा व्यक्तिगत टेस्ट स्कोर है। गेल पाकिस्तान के यूनिस खान के साथ उन दो बल्लेबाजों में से एक हैं जिन्होंने इस द्वीप देश के खिलाफ टेस्ट में तिहरा शतक लगाया है। जंगू की शानदार पारी वेस्टइंडीज की पहली पारी की मजबूत नींव बनी। उन्होंने कप्तान रोस्टन चेज के साथ मिलकर एक बड़ी साझेदारी की, जिसने श्रीलंकाई गेंदबाजी आक्रमण को ध्वस्त कर दिया और मेजबान टीम को सीरीज के पहले मैच में मजबूत स्थिति में पहुंचा दिया।

किदांबी श्रीकांत फाइनल में पहुंचे, देविका सिहाग और रौनक चौहान का शानदार सफर थमा

न्यूयॉर्क, एजेंसी। भारत के स्टार शटलर और पूर्व विश्व नंबर-एक किदांबी श्रीकांत ने बीडब्ल्यूएफ यूएस ओपन 2026 के सेमीफाइनल में जापान के चौथी वरीयता प्राप्त युदाई ओकिमोटो को 22-20, 15-21, 21-19 से हराकर इस साल पहली बार किसी अंतरराष्ट्रीय टूर्नामेंट के फाइनल में प्रवेश किया। 33 वर्षीय भारतीय खिलाड़ी ने यह मुकाबला एक घंटे 12 मिनट में अपने नाम किया।

तीनों गेम में दिखा जबरदस्त संघर्ष – पहले गेम में श्रीकांत ने 17-11 की बढ़त बना ली थी, लेकिन ओकिमोटो ने शानदार वापसी करते हुए गेम प्वाइंट हासिल कर लिया। हालांकि भारतीय खिलाड़ी ने दबाव में संयम बनाए रखा और लगातार दो अंक जीतकर पहला गेम 22-20 से अपने नाम कर लिया। दूसरे गेम में जापानी खिलाड़ी ने वापसी करते हुए 21-15 से जीत दर्ज की और मुकाबले को निर्णायक गेम तक पहुंचा दिया।

चेक ओपन 2026:

दीक्षा डागर की दमदार वापसी, तीन भारतीय महिला गोल्फरों ने कट किया पार

नई दिल्ली। चेक गणराज्य में खेले जा रहे टिप्सपोर्ट चेक लेडीज ओपन 2026 में भारतीय महिला गोल्फरों ने शानदार प्रदर्शन किया है। पूर्व चैंपियन दीक्षा डागर ने दूसरे दौर में एक अंडर 69 का कार्ड खेलकर खिताब की दौड़ में खुद को बनाए रखा। उनके अलावा प्रणवी उर्स और वाणी कपूर ने भी कट हासिल कर भारत की चुनौती को मजबूत किया। हालांकि अवनि प्रशांत, रिद्धिमा दिलावड़ी और हिताशी बख्शी कट पार करने में सफल नहीं हो सकीं।

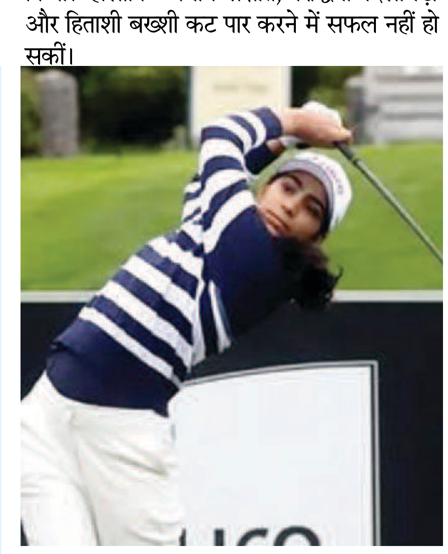

दीक्षा डागर ने बनाए रखी खिताब जीतने की उम्मीद – 2019 की चैंपियन दीक्षा डागर ने दूसरे राउंड में संयमित खेल दिखाते हुए एक अंडर 69 का स्कोर बनाया। पहले दिन के शानदार 66 के बाद उन्होंने लगातार अच्छा प्रदर्शन जारी रखा और 36 होल के बाद कुल नौ अंडर पार के स्कोर के साथ संयुक्त 11वें स्थान पर पहुंच गईं। हाल ही में डच लेडीज ओपन में संयुक्त तीसरे स्थान पर रहने वाली दीक्षा शानदार लय में नजर आ रही हैं। वह लीडर से सिर्फ चार शॉट पीछे हैं और अंतिम दौर में मजबूत चुनौती पेश कर सकती हैं।

प्रणवी उर्स और वाणी कपूर ने भी किया प्रभावित – भारत की युवा गोल्फर प्रणवी उर्स ने दूसरे दौर में बेहतरीन 67 का कार्ड खेलकर अपनी स्थिति मजबूत की और आसानी से कट हासिल किया। वहीं अनुभवी वाणी कपूर ने 70 का स्कोर बनाकर सप्ताहांत के मुकाबलों में जगह बनाई। तीन भारतीय खिलाड़ियों का अंतिम दो दौर में पहुंचना भारतीय गोल्फ के लिए सकारात्मक संकेत माना जा रहा है।

भारतीय गोल्फ की नजरें अब अंतिम दौर पर – तीन भारतीय खिलाड़ियों के कट पार करने से भारतीय प्रशंसकों की उम्मीदें बढ़ गई हैं।

तीन भारतीय खिलाड़ियों का अभियान हुआ समाप्त

दूसरी ओर भारत की अवनि प्रशांत, रिद्धिमा दिलावड़ी और हिताशी बख्शी उम्मीद के मुताबिक प्रदर्शन नहीं कर सकीं। तीनों खिलाड़ी कट लाइन पार करने में नाकाम रहीं और उनका अभियान दूसरे दौर के बाद ही समाप्त हो गया।

स्वीडन और इंग्लैंड की खिलाड़ियों के बीच शीर्ष स्थान की जंग

टूर्नामेंट में फिलहाल स्वीडन की लिसा पीटरसन और इंग्लैंड की चार्लोट हीथ संयुक्त बढ़त पर हैं। दोनों खिलाड़ियों का कुल स्कोर 13 अंडर पार है। हालांकि दीक्षा डागर उनसे केवल चार शॉट पीछे हैं। ऐसे में अंतिम दौर में मजबूत प्रदर्शन उन्हें एक बार फिर खिताब की दौड़ में सबसे बड़े दावेदारों में शामिल कर सकता है।

अर्जेंटीना की धमाकेदार जीत, मेसी का छठा गोल

ऑस्ट्रिया और अल्जीरिया भी नॉकआउट में पहुंचे

नई दिल्ली। फीफा वर्ल्ड कप 2026 के ग्रुप-जे के दो मैच खेले गए, जिससे लीग स्टेज का अंत बेहद रोमांचक अंदाज में हुआ। भारत में 12 जून से शुरू हुए लीग स्टेज 28 जून को जाकर खत्म हुआ। डिफेंडिंग चैंपियंस अर्जेंटीना के सामने जॉर्डन की चुनौती थी, लेकिन उन्होंने 3-1 से जीत हासिल की। जबकि ऑस्ट्रिया और अल्जीरिया के बीच खेला गया मैच टक्कर का रहा, जो 3-3 से ड्रॉ पर समाप्त हुआ। इस ग्रुप से अर्जेंटीना, अल्जीरिया और ऑस्ट्रिया तीनों टीमों ने राउंड ऑफ 32के लिए क्वालीफाई कर लिया है, जबकि जॉर्डन का सफर ड्रॉ के साथ ही समाप्त हुआ।

कैसा रहा अर्जेंटीना बनाम जॉर्डन मैच का हाल?

डलास स्टेडियम में खेले गए इस मुकाबले में मेसी की अर्जेंटीना ने जॉर्डन को 3-1 से मात दी। इस मैच में पूरे मैच में अर्जेंटीना का दबदबा देखने को मिला। मैच के 24वें मिनट में जियोवानी लो सेल्सो ने शानदार गोल कर अर्जेंटीना को 1-0 की बढ़त दिलाई। इसके बाद 31वें मिनट में जॉर्डन के डिफेंस ने अपने बॉक्स के अंदर फाउल किया, जिसके बाद अर्जेंटीना को पेनेल्टी शूट अवॉर्ड किया गया, जिसमें बिना कोई गलती किए लौटारो मार्टिनेज ने गोल दागा और अपनी टीम को 2-0 से आगे कर दिया।

मैच में फिर जॉर्डन ने वापसी की कोशिश की। दूसरे हाफ में उन्होंने पलटवार किया। 55वें मिनट में मूसा अल तमारी ने गोल कर स्कोर को 2-1 पर पहुंचा दिया। मेसी ने 80वें मिनट पर अपना इस विश्व कप का छठा गोल दागा और इस तरह अर्जेंटीना ने 3-1 का स्कोर कर दिया। इसके बाद कोई टीम गोल नहीं कर सकी और अर्जेंटीना ने 3-1 से मैच जीतकर अगले राउंड में मजबूती से कदम बढ़ाए। वहीं, जॉर्डन की टीम का सफर समाप्त हुआ।

ऑस्ट्रिया बनाम अल्जीरिया का मैच कैसा रहा?

कैंसस सिटी में खेला गया यह मैच बेहद ही रोमांच से भरपूर रहा। ये मुकाबला 3-3 की बराबरी पर छूटा, लेकिन दोनों ही टीमें राउंड ऑफ 32 में जगह बनाने में कामयबा रही। मैच में मार्को अर्नातोविच ने 28वें मिनट में गोल दागकर अपनी टीम को अल्जीरिया पर 1-0 की बढ़त दिलाई। इसके बाद अल्जीरिया के राफिक बेलघाली ने 45वें मिनट में गोल कर स्कोर को 1-1 पर पहुंचाया। फिर ऑस्ट्रिया के मार्सेल सबित्जर ने 55वें मिनट में गोल किया और टीम को 2-1 से आगे कर दिया। फिर रियाद महरेज ने गोल कर 2-2 स्कोर कर दिया। रियाद ने इंजरी टाइम में 90+3वें मिनट में गोल किया अल्जीरिया को 3-2 से आगे कर दिया। ऐसा लगा कि ऑस्ट्रिया की टीम टूर्नामेंट से बाहर हो जाएगी, लेकिन सासा कालजिच ने 90+6वें मिनट में गोल दागकर स्कोर को 3-3 कर दिया। इस तरह मैच 3-3 की बराबरी पर खत्म हुआ और दोनों टीमों ने नॉकआउट का टिकट कटाया।

गनालोया के उच्च स्तरीय पुल होने लगा जर्जर, धंसने की आशंका, ग्रामीणों ने लगाई मरम्मत की गुहार

बिभा संवाददाता

खूँटी । जिले के मुरहू प्रखण्ड अंतर्गत गनालोया और माहिल गाँव के बीच बनई नदी में बना पुल जर्जर होने लगा है। पुल के उपर जगह जगह गढ्ढे होने लगे हैं। किनारे का बॉर्डर में सिमेंट प्लेट भी टुटता जा रहा है। पुल के उपरी हिस्सा के अलावे पिलर भी कमजोर होने लगा है। पिलर के निचला हिस्सा में अब सरिया छड़ भी दिखाई देने लगा है। मुरहू प्रखंड का ये बनई नदी का पुल पर से होकर छोटे-बड़े हजारों वाहन आवागमन करते हैं। लेकिन बरसात में आवागमन बढ़ने से इस उच्च स्तरीय पुल में वाहनों का बोझ बढ़ जाता है। क्योंकि खूँटी सिमडेगा रोड पर पैलोल और बिचना के बीच का उच्च स्तरीय पुल टूट जाने के बाद डायवर्सन के उपर से पानी पार होता है। ऐसे में लोगों को आवागमन के लिए माहिल पुल ही मददगार साबित होगा। लेकिन अब सांस गिन रहा जर्जर गनालोया पुल मरम्मत का इंतिजार कर रहा है। अगर पुल का मरम्मत नहीं किया गया तो कहीं लोगों के लिए आवागमन में परेशानी का सबब न बन जाए। ग्रामीण जिसका मरम्मत का मांग करते रहे हैं।

रंगीला देवी ने बतायी कि गनालोया के बनई नदी पर बना पुल जर्जर हो गया है। इस पुल के उपर से हजारों वाहन आवागमन करते हैं। ये पुल न धंसे इसलिए जर्जर पुल का मरम्मत करना आवश्यक है।

उर्मिला देवी ने बतायी कि पुल के नीचे पीलर भी कमजोर हो गया है। पुल के पीलर का छड़ बाहर निकल आया है। वाहन चलता है तो पुल हिलता है। बनई नदी का यह पुल अनेक गाँव व क्षेत्रों को जोड़ता है। खूँटी से सिमडेगा तक को जोड़नेवाला पुल है। इसलिए इसका मरम्मत करना आवश्यक है।

संजोती देवी ने बतायी कि हजारों ग्रामीणों के लिए विद्यालय, कार्यालय, महाविद्यालय सहित खूँटी राँची बाजार जाने के लिए यही सड़क उपयोग होता है। अगर ये पुल धँस जाएगा तो ग्रामीणों को काफी कष्ट होगा।

ललीता देवी ने बतायी कि जिला केंद्र या मुख्य बाजार, विद्यालय महाविद्यालय कार्यालय सहित सभी जगह आवागमन के लिए यही सुलभ मार्ग है। ये पुल न केवल ग्रामीणों के लिए बल्कि दूरगामी क्षेत्र के सैकड़ों गाँवों व जिलों तक के लोग प्रतिदिन आवागमन करते हैं। ये पुल टूटने से पहले मरम्मत हो जाए तो टूटने से बच सकता है। जिसकी हम मांग करते हैं।

रेफरल अस्पताल तोरपा में हैंडओवर से पहले स्टाफ क्वार्टर का सीलिंग से उखड़ने लगा प्लास्टर

बिभा संवाददाता

खूँटी । झारखंड में भ्रष्टाचार की खबरें आए दिन सामने आते रहते हैं। झारखंड में भ्रष्ट संवेदक और सरकारी बाबू की काली करतूत और लीपापोती कर निर्माण कराने के मामले का उजागर हमेशा उजागर होता रहता है । इसी क्रम में रेफरल अस्पताल तोरपा के नवनिर्मित स्टाफ क्वार्टर में रविवार को प्रभारी चिकित्सा पदाधिकारी अनुमिता रानी ने 11 करोड़ रुपए की लागत से रेफरल अस्पताल तोरपा परिसर में बना रहे अस्पताल भवन व स्टाफ क्वार्टर का निरीक्षण की। जो कि शंकर एंड कम्पनी के द्वारा निर्माण कराया जा रहा है। जहाँ स्टाफ क्वार्टर के अंदर नवनिर्मित छत का सीलिंग से प्लास्टर उतरकर फर्श में गिर गया। जिसके निर्माण कार्य की गुणवत्ता पर प्रश्न खड़ा हो रहा है। बताया गया कि अस्पताल भवन और स्टाफ क्वार्टर अभी हैंडओवर भी नहीं हुआ। निर्माण कार्य पूरे 3 महीने पूरे हुए हैं और भवन के जर्जर होने से स्वास्थ्य कर्मी डरे सहमें हुए हैं। उक्त मामले को लेकर रेफरल अस्पताल तोरपा के चिकित्सा प्रभारी डॉक्टर अनुमिता रानी गंभीरता से लेते हुए निर्माण करा रहे संवेदक को कड़ी फटकार लगाया है और घटिया निर्माण के विरुद्ध मोर्चा खोल दिया है। तोरपा रेफरल अस्पताल के प्रभारी चिकित्सा पदाधिकारी अनुमिता रानी ने बताई कि भवन में आज देखने के लिए घूसे ही थे। जहाँ छत से प्लास्टर उजड़कर गिर गया। उन्होंने कहा कि किसी के सिर पर भी गिर सकता था इससे जाने-माने का खतरा भी है सकता है। अभी इसको हैंड ओवर भी नहीं लिया गया है और अभी से ही ये हाल है। इसमें घटिया किस्म का मेटेरियल इस्तेमाल किया गया है और अच्छा से निर्माण नहीं किया गया है इसीलिए अभी से ही ऐसी स्थिति आ रही है।

संक्षिप्त खबरें

सोनाहातू में वज्रपात से प्रभारी वनपाल की मौत, दो वनकर्मी घायल

खूँटी(बिभा) । खूँटी वन प्रमंडल के बुण्डू वन प्रक्षेत्र में तैनात प्रभारी वनपाल रोशन श्रीवास्तव की रविवार को वज्रपात की चपेट में आने से मौत हो गई, जबकि दो वनकर्मी घायल हो गए। यह हादसा उस समय हुआ, जब वन विभाग की टीम हाथियों से सुरक्षा के लिए बन रहे प्रहरी मीनार के निर्माण कार्य का निरीक्षण करने पहुँचे थे। इसी क्रम में कार्यस्थल पहुँचे ही थे कि अचानक मौसम ने करवट ली और तेज गर्जन के साथ आकाशीय बिजली गिरी और प्रभारी वनपाल रोशन श्रीवास्तव इसकी चपेट में आ गए। हादसे में वाहन चालक और एक अन्य वनकर्मी भी घायल हो गए। घटना के तुरंत बाद तीनों को सोनाहातू सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र ले जाया गया, जहाँ चिकित्सकों ने रोशन श्रीवास्तव को बेहतर इलाज की उम्मीद में ऑक्सीजन सपोर्ट के साथ रांची के देवनिका अस्पताल लेकर पहुंचे, लेकिन वहाँ चिकित्सकों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया। बाद में शव को पोस्टमार्टम के लिए रिम्स भेज दिया गया। खूँटी के डीएफओ दिलीप कुमार यादव ने बताया कि वन विभाग का दल टीम ने प्रहरी मीनार निर्माण कार्य का निरीक्षण करने गई थी। इसी दौरान अचानक वज्रपात हुआ, जिसकी चपेट में आने से यह हादसा हुआ। घायल दोनों वनकर्मियों का इलाज जारी है। इस दर्दनाक हादसे के बाद वन विभाग में शोक की लहर है। वहीं, मृतक के परिजनों का रो-रोकर बुरा हाल है। इस दुखद घटना पर वन प्रमंडल पदाधिकारी दिलीप कुमार यादव ने संवेदना व्यक्त की है। वहीं प्रभारी वनपाल क्रमशः अविनाश लुगुन, प्रवीण सिंह, नितेश केशरी, प्रधान वनरक्षी क्रमशः प्रभात पाढ़ी, ओमप्रकाश, राकेश कुमार, कर्मा होरो अनल मुण्डा शुभम जायसवाल मनोज सिंह, अमर स्वांसी, आदि अनेक लोगों ने शोक व्यक्त किया है।

पल्स पोलियो अभियान में उपायुक्त ने सदर अस्पताल खूँटी में पोलियो से सुरक्षा के लिए पिलाएं दो बूंद दवा

बिभा संवाददाता

खूँटी । जिले भर में जिंदगी के लिए दो बूंद पोलियो से सुरक्षा प्रदान हेतू दवा पिलाया जा रहा है। वहीं 28 जून को पोलियो दिवस के दिन खूँटी जिले के 836 बूथों में दवा पिलायी गयी। इसके लिए सदर अस्पताल परिसर में पोलियो दिवस का कार्यक्रम आयोजित किया गया। जिसके मुख्य अतिथि खूँटी उपायुक्त जावेद हुसैन ने सदर अस्पताल खूँटी में दो बूंद जिंदगी के लिए 0-5 वर्ष आयु के बच्चों को दवा पिलाया। इसके पूर्व सदर अस्पताल खूँटी में आयोजित पोलियो दिवस के कार्यक्रम का शुभारम्भ उपायुक्त जावेद हुसैन, सिविल सर्जन डॉ ललित रंजन पाठक उपाधीक्षक डॉ आनन्द किशोर उराँव ने दीप जलाकर की। इस दौरान मातृ शिशु अस्पताल के नवजात शिशुओं को पोलियो से सुरक्षा के दवा पिलायी। मौके पर, उपायुक्त ने कहा कि पल्स पोलियो अभियान के कारण अब पोलियो बिमारी होना समाप्त हो गया है। ऐसे खूँटी जिला पोलियो मुक्त हो गया है लेकिन पोलियो मुक्त देश बनाने के लिए 0-5 वर्ष के बच्चे बच्चियों को दवा पिलाया गया। मौके पर, सिविल सर्जन डॉ ललित रंजन पाठक ने बताया कि पूरे जिले भर में पल्स पोलियो दिवस मनाया जा रहा है। जहां सभी 836 बुथों में सहिया, एएनएम और आंगनबाड़ी सेविकाएँ दवा पिला रही है। वहीं कल व परसों जिले के सभी सुयोग्य बच्चे बच्चियों को घर-घर जाकर दवा की बूंद पिलाएंगी।

उक्त कार्यक्रम में राज्य स्तरीय अनुश्रवक डॉ अरविन्द उपाधीक्षक डॉ आनन्द किशोर उराँव, काननबाला तिर्की, डॉ उददयन शर्मा सहित अनेक लोग उपस्थित थे।

उपायुक्त सिमडेगा ने की बच्चे की दो बुंद की शक्ति पिला पल्स पोलियो की शुरूआत

बिभा संवाददाता

सिमडेगाः जिले में राष्ट्रीय पल्स पोलियो अभियान का शुभारंभ हुआ। उपायुक्त श्रीमती कंचन सिंह एवं सिविल सर्जन सुंदर मोहन सामद एवं वरिस्ठ नागरिक श्री राम कैलाश राम ,अस्पताल के उपाधीक्षक द्वारा संयुक्त रूप से सदर हॉस्पिटल सिमडेगा के पोलियो बूथ में द्वीप प्रज्वलन एवं बच्चो को पोलियो की दो बून्द खुराक पीला का उद्घाटन किया गया। पोलियो रविवार को पोलियो बूथ पर एवं दिनांक 29-30 जून 2026 को घर-घर भ्रमण कर 0-5 वर्ष तक के बच्चों को पोलियो की दवा पिलायी जाएगी। जिले मे कुल 20, ट्रांजिट पोइन्ट बनाये गये है, जो बस-स्टैण्ड, चौक/चैराहो, रेलवे स्टेशन आदि जगहो में 0 से 5 वर्ष तक के बच्चो को पोलियो की खुराक पिलायेगे।

स्वास्थ्य विभाग के द्वारा अभियान की सफलता के लिए आज से 30 जून तक तीन दिवसीय इस अभियान में जिले के 0 से 5 वर्ष के 81711 बच्चों को पोलियो की खुराक से आच्छादित करने का लक्ष्य रखा गया है। उपायुक्त के दिशा-निर्देश में बच्चों को पोलियो ड्रॉप पिलाने का कार्य प्लान तैयार किया गया है। आज जिले में 327 बूथों पर पोलियो से बचाव की दवा पिलाई जायेगी। स्वास्थ्य विभाग की 1309 कर्मी अभियान की सफलता की दिशा में लगाये गये है।

कारोबार

'मेड इन इंडिया' सिर्फ लेबल नहीं, क्वालिटी और राष्ट्रीय गौरव का प्रतीक : गोयल

एजेंसी

नई दिल्ली। केंद्रीय वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री पीयूष गोयल ने कहा कि मेड इन इंडिया केवल उत्पाद पर अंकित लेबल नहीं बल्कि गुणवत्ता के प्रति भारत की प्रतिष्ठा और प्रतिबद्धता का प्रतीक है। गुणवत्ता केवल कंपनियों के प्रदर्शन का पैमाना नहीं बल्कि देश के प्रति राष्ट्रीय जिम्मेदारी भी है।

वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री ने लंदन में 27 जून को आयोजित एक कारोबारी सत्र में तमिलनाडु के अंबूर स्थित फ्लोरेंस शू कंपनी के संस्थापक अकील अहमद पनारूना की सफलता का उल्लेख करते हुए यह बात कही। उन्होंने कहा कि भारतीय उद्यमी विश्वस्तरीय विनिर्माण के जरिये ब्रांड इंडिया की छवि को वैश्विक स्तर पर मजबूत कर रहे हैं।

गोयल ने अपने संबोधन में कहा कि एक अंतरराष्ट्रीय ग्राहक ने काहिरा एयरपोर्ट पर लक्जरी ब्रांड् गो बॉस का एक जूता देखा। उसको जूते पर लगे लेबल की जांच करने पर उस पर मेड इन इंडिया अंकित मिला। यह जूता अंबूर स्थित फ्लोरेंस शू कंपनी में तैयार किया गया था।

उन्होंने कहा, जब किसी उत्पाद पर मेड इन इंडिया लिखा होता है तो वह केवल एक कंपनी का नहीं बल्कि पूरे देश का प्रतिनिधित्व करता है। गोयल ने कहा कि अकील जैसे उद्यमियों के लिए गुणवत्ता कारोबारी मानक के साथ राष्ट्र के सम्मान और भरोसे से जुड़ी जिम्मेदारी है।

केंद्रीय वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री ने एक्स पोस्ट पर साझा संदेश में कहा कि पनारूना ने भारतीय कारीगरी को दुनिया के प्रतिष्ठित ब्रांड तक पहुंचाने के साथ-साथ ग्रामीण क्षेत्रों में बड़े पैमाने पर रोजगार सृजित किया है। उन्होंने विनिर्माण क्षेत्र में महिलाओं को सशक्त बनाने और जीरो लिक्विड डिस्चार्ज जैसी पर्यावरण-अनुकूल प्रौद्योगिकी को अपनाने में भी अग्रणी भूमिका निभाई है।

गोयल ने आगे लिखा, लंदन में भारतीय समुदाय और बिजनेस कम्युनिटी के लोगों से मिलकर शाम बहुत अच्छी रही। मैंने भारत और यूके के बीच एक जीवंत पुल के तौर पर भारतीय समुदाय की अहम भूमिका के बारे में बात की, जो आर्थिक, सांस्कृतिक और लोगों के बीच आपसी संबंधों को मजबूत बनाता है। मैंने 15 जुलाई, 2026 से लागू होने वाले इंडिया-यूके सीईटीए से मिलने वाले मौकों पर भी जोर दिया। इससे व्यापार, निवेश और इनोवेशन के क्षेत्रों में सहयोग और गहरा होगा, जिससे दोनों देशों की साझा समृद्धि में योगदान मिलेगा।

उल्लेखनीय है कि पीयूष गोयल 25 से 27 जून तक ब्रिटेन की तीन दिवसीय आधिकारिक दौरे पर थे, जहां उन्होंने भारत-ब्रिटेन व्यापक आर्थिक एवं व्यापार समझौते (सीईटीए) के क्रियान्वयन से जुड़े मुद्दों पर चर्चा की। यह समझौता 15 जुलाई से प्रभावी होगा। इसके तहत चमड़ा और फुटवियर जैसे श्रम-प्रधान भारतीय उत्पादों को ब्रिटेन के बाजार में शुल्क-मुक्त पहुंच मिलेगी।

आर्थिक आंकड़ों और मानसून पर रहेगी निवेशकों की नजर

वाहन कंपनियों के मासिक बिक्री आंकड़े भी बाजार के सेंटीमेंट पर सीधा असर डालेंगे

मुंबई ।

पिछले सप्ताह की मामूली बढ़त के बाद, भारतीय शेयर बाजार आगामी सप्ताह में कई घरेलू और वैश्विक कारकों से अपनी दिशा तय करेगा। निवेशकों की पैनी नजर जहां औद्योगिक उत्पादन, क्रय प्रबंधक सूचकांक

और वाहन बिक्री जैसे महत्वपूर्ण आर्थिक आंकड़ों पर रहेगी, वहीं मानसून की प्रगति भी बाजार के रुख को प्रभावित करने में निर्णायक भूमिका निभाएगी। इसके अतिरिक्त, अमेरिका और ईरान के बीच संभावित शांति समझौता भी वैश्विक बाजारों के माध्यम से घरेलू धारणा पर असर डाल सकता है। आगामी सप्ताह कई अहम आर्थिक आंकड़े जारी होने वाले हैं।

औद्योगिक उत्पादन के आंकड़े, मैन्युफैक्चरिंग और सेवा क्षेत्र के लिए पीएमआई (परचेजिंग मैनेजर्स इंडेक्स) के आंकड़े निवेशकों को देश की आर्थिक सेहत का संकेत देंगे। इसके अलावा, वाहन कंपनियों द्वारा जारी किए जाने वाले मासिक बिक्री आंकड़े भी बाजार के सेंटीमेंट पर सीधा असर डालेंगे। कृषि प्रधान अर्थव्यवस्था होने के नाते, मानसून की प्रगति हमेशा से भारतीय बाजारों के लिए एक महत्वपूर्ण कारक रही है। हालांकि, इस बार मानसून 10 दिनों की देरी के बाद पश्चिमी भारत में आगे बढ़ा है, लेकिन पूर्वी भारत में इसकी धीमी गति चिंता का विषय बनी हुई है। यदि मानसून पूर्वी क्षेत्रों में कमजोर रहता है, तो यह निवेश धारणा को नकारात्मक रूप से प्रभावित कर सकता है।

अंतर्राष्ट्रीय मोर्चे पर, अमेरिका और ईरान के बीच संभावित अंतिम शांति समझौते की दिशा में प्रगति का सीधा असर वैश्विक कमोडिटी बाजारों और अंततः शेयर बाजार पर दिखेगा। पिछले सप्ताह की बात करें तो, उतार-चढ़ाव भरे कारोबार के बावजूद घरेलू बाजारों ने मामूली बढ़त दर्ज की। बीएसई का सेंसेक्स 0.39 प्रतिशत चढ़कर 77,100.47 अंक पर बंद हुआ, जबकि नेशनल स्टॉक एक्सचेंज का निफ्टी-50 सूचकांक 0.18 प्रतिशत की साप्ताहिक बढ़त के साथ 24,056 अंक पर पहुंच गया। वृहत बाजारों में, निफ्टी मिडकैप-50 सूचकांक में 0.83 प्रतिशत की गिरावट आई, जबकि स्मॉलकैप-100 सूचकांक 0.03 प्रतिशत ऊपर बंद हुआ।

भारत के लग्जरी कार बाजार की रफ्तार थमी, पांच साल की तेजी पर लगा ब्रेक

मुंबई ।

रत के लग्जरी कार बाजार की पांच साल की शानदार रफ्तार पर 2026 की पहली छमाही में ब्रेक लग गया है। वैश्विक आर्थिक अनिश्चितता, रुपये की कमजोरी और लगातार बढ़ती कीमतों के कारण 40 लाख से अधिक कीमत वाली कारों की बिक्री में ठहराव आ गया है। उद्योग के शुरुआती आंकड़ों के मुताबिक, लग्जरी कारों की बिक्री 24,000 से 25,000 यूनिट के बीच ही सीमित रही। पिछले पांच सालों में लग्जरी कारों की कीमतों में 25-30 प्रे तिशत की बढ़ोतरी हुई है, जिसका मुख्य कारण यूरो के मुकाबले रुपये की कमजोरी और बढ़ी हुई आयात लागत है। इससे प्रीमियम सेगमेंट के वे ग्राहक, जो पहली बार लग्जरी कार खरीदना चाहते थे, अब अपनी खरीदारी टाल रहे हैं। विशेषज्ञ मानते हैं कि हाई-नेट-वर्थ निवेशक भी वैश्विक भू-राजनीतिक तनाव और शेयर बाजार के उतार-चढ़ाव को देखते हुए बड़े खर्चों से बच रहे हैं। हालांकि, सबसे महंगी और हाई-एंड अल्ट्रा-लग्जरी कारों की मांग अब भी मजबूत बनी हुई है, जिस पर वाहन निर्माता कंपनियां अब अधिक ध्यान केंद्रित कर रही हैं।

ईरान पर 60 दिनों का प्रतिबंध हटने के बाद बिचौलिए भारत को दे रहे सस्ते तेल का ऑफर

रिफाइनरियों से संपर्क करने वाले व्यापारी सिंगापुर और दुबई की छोटी ट्रेडिंग कंपनियों के

नई दिल्ली।

अमेरिका से प्रतिबंधों में ढील के बाद कई बिचौलिए भारत को सस्तार तेल बेचने की कोशिश कर रहे हैं। अमेरिका ने ईरान पर 60 दिनों का प्रतिबंध हटा दिया है, जिसके बाद तमाम बिचौलियों ने भारत को सस्ताा ईरानी तेल खरीदने का ऑफर दिया है। इस डील में भारत को सामान्यो क्रूड की कीमत के मुकाबले करीब 3 से 4 डॉलर प्रति बैरल की बचत हो सकती है।

भारतीय रिफाइनरी सूत्रों का कहना है कि कई बिचौलिए ईरानी तेल छूट पर बेचने की पेशकश कर रहे हैं, क्योंकि तेहरान वाशिंगटन की अस्थायी प्रतिबंध छूट के बाद बिक्री तेज करना चाहता है।भारतीय रिफाइनरियों से संपर्क सीधे नेशनल ईरानी ऑयल कंपनी (एनआईओसी) और बिचौलियों के जरिए हुआ है, जिन्होंने कहा है कि उन्हें ईरानी राज्य उत्पादक से तेल मिला है। एक रिफाइनिंग सूत्र ने बताया कि एनआईओसी के अलावा कई व्यापारी हमसे ईरानी तेल बेचने के लिए संपर्क कर रहे हैं, लेकिन मेरी प्राथमिकता एनआईओसी को मौका देना है। सूत्रों का कहना है कि एनआईओसी भारतीय खरीदारों को बता रहा है कि ईरानी कच्चा तेल अन्यस क्षेत्रीय ग्रेड की तुलना में 3 से 4 डॉलर प्रति बैरल सस्ता होगा। रिफाइनरियों से संपर्क करने वाले व्यापारी ज्यादातर सिंगापुर और दुबई की छोटी और मध्यम ट्रेडिंग कंपनियों से हैं। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक इस हफ्ते ईरानी पेट्रोलियम मंत्री मोहसिन पकनेजाद की नई दिल्ली यात्रा के दौरान भारत को कच्चा तेल और एलपीजी की संभावित आपूर्ति पर भी चर्चा हुई। हालांकि, भारतीय रिफाइनरियों के पास निकट भविष्य में ईरानी कच्चा तेल लेने की सीमित गुंजाइश है।

टॉप 10 कंपनियों के मूल्यांकन में 88,678 करोड़ की बढ़ोतरी

कच्चे तेल सस्ता होने से और एफआईआईएस की खरीदारी ने बढ़ाया निवेशकों का भरोसा

मुंबई ।

पिछले सप्ताह छुट्टियों के कारण कारोबार के दिन कम होने के बावजूद, भारतीय शेयर बाजार में कारात्मक माहौल बना रहा। देश की शीर्ष 10 सबसे मूल्यवान कंपनियों में से छह के संयुक्त बाजार मूल्यांकन में ₹88,678.1 करोड़ का उल्लेखनीय इजाफा देखा गया। इस बढ़त की अगुवाई निजी क्षेत्र के दिग्गज आईसआइस **ICICI** बैंक ने की, जो सबसे बड़े विजेता के रूप में उभरा। सप्ताह के दौरान, बीएसई का बेंचमार्क सेंसेक्स 297.57 अंक (0.38 प्रतिशत) और एनएसई का निफ्टी 42.9 अंक (0.17 प्रतिशत) चढ़ा, जिससे निवेशकों में भरोसा कायम रहा। रेलिगेयर ब्रोकिंग लिमिटेड के एक वरिष्ठ उपाध्यक्ष के अनुसार, कच्चे तेल की कीमतों में नरमी, पश्चिम एशिया में भू-राजनीतिक स्थिति में सुधार और विदेशी संस्थागत निवेशकों द्वारा चुनिंदा खरीदारी जैसे कारकों ने बाजार के माहौल को सकारात्मक बनाए रखा। एशियाई बाजारों में भी माइक्रोन की कमाई और क्वालकॉम के पूर्वानुमान से एआई को लेकर आशावाद बढ़ने से तेजी देखी गई। लाभ कमाने वाली प्रमुख कंपनियों में आईसीआईसीआई बैंक शीर्ष पर रहा, जिसका बाजार मूल्यांकन 29,588.75 करोड़ बढ़कर 9,95,610.74 करोड़ रुपए हो गया। इसके बाद, एचडीएफसी बैंक ने 24,718.3 करोड़ का इजाफा दर्ज किया, जिससे उसका मूल्यांकन बढ़कर12,25,981.44 करोड़ पर पहुंच गया। रिलायंस इंडस्ट्रीज का मूल्यांकन 12,043.96 करोड़ बढ़कर 17,83,926.92 करोड़ हुआ, जबकि बजाज फाइनेंस और स्टेट बैंक ऑफ इंडिया (**SBI**) ने भी क्रमशः 11,580.28 करोड़ और 9,322.93 करोड़ की वृद्धि दर्ज की। इंजीनियरिंग दिग्गज लार्सन एंड टुब्रो को भी 1,423.88 करोड़ का लाभ हुआ। हालांकि, सभी कंपनियों के लिए सप्ताह अच्छा नहीं रहा। भारती एयरटेल को 35,615.21 करोड़ का सबसे बड़ा नुकसान झेलना पड़ा, जिससे उसका मूल्यांकन गिरकर 11,27,348.09 करोड़ हो गया। भारतीय जीवन बीमा निगम के मूल्यांकन में 21,188.74 करोड़ की गिरावट आई, जबकि टाटा कंसल्टेंसी सर्विसेज (और हिंदुस्तान यूनिलीवर (बाजार

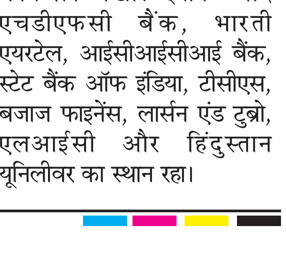

पूंजीकरण भी क्रमशः 11,143.71 करोड़ और 5,321.83 करोड़ रुपए कम हुआ। शीर्ष 10 सबसे मूल्यवान कंपनियों की रैंकिंग में रिलायंस इंडस्ट्रीज ने अपना पहला स्थान बरकरार रखा। इसके बाद एचडीएफसी बैंक, भारती एयरटेल, आईसीआईसीआई बैंक, स्टेट बैंक ऑफ इंडिया, टीसीएस, बजाज फाइनेंस, लार्सन एंड टुब्रो, एलआईसी और हिंदुस्तान यूनिलीवर का स्थान रहा।

चान्हो में भव्य मुहर्रम जुलूस एवं अस्त्र-शस्त्र चालन प्रतियोगिता का वित्त मंत्री राधाकृष्ण किशोर एवं कृषि मंत्री शिल्पी नेहा तिर्की ने किया शुभारंभ

हजरत इमाम हुसैन की कुर्बानी पूरी मानवता के लिए प्रेरणा : राधाकृष्ण

बिभा संवाददाता

चान्हो: प्रखंड मुख्यालय स्थित बाजारटांड़ में रविवार को सेंट्रल मुहर्रम एक्शन कमेटी, चान्हो के तत्वावधान में मुहर्रम के अवसर पर पारंपरिक जुलूस, मेला एवं अस्त्र-शस्त्र चालन प्रतियोगिता का भव्य आयोजन किया गया। कार्यक्रम में क्षेत्र के विभिन्न गांवों के अखाड़ों ने भाग लेते हुए अपनी पारंपरिक युद्धकला, अनुशासन एवं शौर्य का शानदार प्रदर्शन किया। पूरे आयोजन में धार्मिक आस्था, सांस्कृतिक परंपरा, सामाजिक सौहार्द एवं भाईचारे का अनुपम संगम देखने को मिला।

कार्यक्रम का शुभारंभ राज्य के वित्त मंत्री राधाकृष्ण किशोर, कृषि मंत्री शिल्पी नेहा तिर्की तथा सेंट्रल मुहर्रम एक्शन कमेटी के अध्यक्ष एवं पूर्व प्रमुख जुल्फान अंसारी ने संयुक्त रूप से फीता काटकर किया। इस अवसर पर अतिथियों ने पारंपरिक लाठी एवं तलवार भांजकर खिलाड़ियों का उत्साहवर्धन किया। इस वर्ष के मुहर्रम मेले का मुख्य आकर्षण क्षेत्र के विभिन्न गांवों के अखाड़ों का विशाल संयुक्त जुलूस रहा। सोंस, मदरसा, सिलगाई, मसमानो, बदरी, चटवाल, कटैया, पकरियो सहित अनेक गांवों के अखाड़े पारंपरिक वेशभूषा एवं अनुशासित पंक्तियों में बाजारटांड़ पहुंचे। मैदान में खिलाड़ियों ने लाठी, डंडा, तलवार एवं भाले के साथ रोमांचक और आकर्षक करतब प्रस्तुत किए। उनकी फुर्ती, अनुशासन एवं पारंपरिक युद्धकला ने उपस्थित हजारों दर्शकों को मंत्रमुग्ध कर दिया, जिन्होंने तालियों की गड़गड़ाहट से खिलाड़ियों का उत्साह बढ़ाया।

वित्त मंत्री राधाकृष्ण किशोर ने अपने संबोधन में कहा कि हजरत इमाम हुसैन की शहादत सत्य, न्याय और मानवता की रक्षा के लिए सर्वोच्च बलिदान का प्रतीक है। उनका जीवन हमें सिखाता है कि विपरीत परिस्थितियों में भी अन्याय और अत्याचार के सामने कभी झुकना नहीं चाहिए। उन्होंने कहा कि इमाम हुसैन के आदर्श आज भी समाज को सत्य, इंसाफ, शांति और भाईचारे के मार्ग पर चलने की प्रेरणा देते हैं।

कार्यक्रम के दौरान सेंट्रल मुहर्रम एक्शन कमेटी की ओर से वित्त मंत्री राधाकृष्ण किशोर, कृषि मंत्री शिल्पी नेहा तिर्की सहित अन्य विशिष्ट अतिथियों का पगड़ी पहनाकर एवं बैज लगाकर पारंपरिक तरीके से सम्मान किया गया।

इस अवसर पर सेंट्रल मुहर्रम एक्शन कमेटी के अध्यक्ष जुल्फान अंसारी, मोहम्मद मोजिबुल्लाह, मुखिया शिव उरांव, विधायक प्रतिनिधि अब्दुल्लाह अंसारी, युवा नेता इरशाद खान, सांसद प्रतिनिधि ग्यास, डीएसपी राम नारायण चौधरी, जुल्फेकार अंसारी सहित विभिन्न अखाड़ा समितियों के पदाधिकारी, जनप्रतिनिधि, सामाजिक कार्यकर्ता एवं बड़ी संख्या में ग्रामीण एवं श्रद्धालु उपस्थित रहे।

मुहर्रम त्याग, भाईचारे और सामाजिक एकता का संदेश देता है : शिल्पी नेहा तिर्की

कृषि मंत्री शिल्पी नेहा तिर्की ने कहा कि मुहर्रम केवल इस्लामी कैलेंडर का पहला महीना नहीं, बल्कि त्याग, सब्र, इंसाफ और मानवता का अमर संदेश है। हजरत इमाम हुसैन एवं कर्बला के शहीदों ने सत्य और न्याय की रक्षा के लिए अपना सर्वस्व न्योछावर कर पूरी इंसानियत के लिए अमर आदर्श स्थापित किया। उन्होंने कहा कि भारत विविधताओं में एकता की मिसाल है और ऐसे आयोजन सामाजिक समरसता, सांप्रदायिक सौहार्द तथा हमारी साझा सांस्कृतिक विरासत को और अधिक मजबूत करते हैं। उन्होंने सभी से प्रेम, भाईचारे और सद्भाव की इस परंपरा को आगे बढ़ाने का आह्वान किया।

राजयोग ध्यान से मिलती है मानसिक शांति और आंतरिक शक्ति : डॉ. पवन वर्णवाल

बिभा संवाददाता

रांची। प्रजापिता ब्रह्माकुमारी ईश्वरीय विश्व विद्यालय के स्थानीय सेवा केंद्र, चौधरी बगान (हरमू रोड) में रविवार को डॉक्टर्स दिवस और चार्टर्ड एकाउंटेंट (सीए) दिवस के पूर्व सप्ताह के अवसर पर एक विशेष कार्यक्रम का आयोजन किया गया, जिसमें चिकित्सकों और चार्टर्ड एकाउंटेंटों ने आध्यात्मिकता, मानसिक शांति और जीवन मूल्यों पर अपने विचार साझा किए।

कार्यक्रम को संबोधित करते हुए मनोचिकित्सक डॉ. पवन वर्णवाल ने कहा कि राजयोग ध्यान चिकित्सकों को मानसिक शांति प्रदान करने के साथ-साथ मरीजों के प्रति सहानुभूति, संवेदनशीलता और भावनात्मक जुड़ाव बनाए रखने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। उन्होंने कहा कि तनावपूर्ण कार्य वातावरण में मानसिक संतुलन बनाए रखने के लिए ध्यान अत्यंत उपयोगी है।

स्त्री रोग विशेषज्ञ डॉ. कुमकुम विद्यार्थी ने कहा कि आज के समय में प्रत्येक पेशे से जुड़े लोगों के लिए मानसिक शांति बेहद आवश्यक है। उन्होंने कहा कि ब्रह्माकुमारी संस्थान में उन्हें विशेष शांति और सकारात्मक ऊर्जा का अनुभव हुआ, जो जीवन और कार्य दोनों में संतुलन बनाए रखने में सहायक है।

चार्टर्ड एकाउंटेंट संस्थान, रांची चैप्टर के चेयरमैन अनीश जैन ने कहा कि आध्यात्मिकता व्यक्ति को जीवन की चुनौतियों का सामना करने की शक्ति देती है। वहीं संस्थान के सचिव दिलीप कुमार ने अपने विद्यार्थी जीवन के अनुभव साझा करते हुए कहा कि राजयोग का ज्ञान कठिन परिस्थितियों में भी व्यक्ति को आंतरिक शक्ति और आत्मविश्वास प्रदान करता है।

रांची चैप्टर के उपाध्यक्ष विवेक खोवाल ने कहा कि आध्यात्मिकता व्यक्ति को निःस्वार्थ प्रेम, सकारात्मक सोच और श्रेष्ठ जीवन मूल्यों की ओर प्रेरित करती है। उन्होंने कहा कि आध्यात्मिक जीवनशैली समाज में बेहतर संबंधों और सकारात्मक वातावरण के निर्माण में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाती है।

कार्यक्रम के दौरान केंद्र प्रशासिका ब्रह्माकुमारी निर्मला बहन ने चिकित्सकों और चार्टर्ड एकाउंटेंटों के समाज के प्रति योगदान की सराहना करते हुए उन्हें आगामी डॉक्टर्स दिवस और सीए दिवस की शुभकामनाएं दीं। उन्होंने कहा कि सेवा और समर्पण की भावना से कार्य करने वाले सभी पेशेवर समाज के विकास में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं।

इस अवसर पर डॉ. प्रियंका, डॉ. हिमांशु, सीए शुभम केसरी, सीए श्रृंखला खोवाल सहित कई चिकित्सक, चार्टर्ड एकाउंटेंट, ब्रह्माकुमारी संस्थान से जुड़े सदस्य तथा अन्य गणमान्य लोग उपस्थित रहे।

संक्षिप्त खबरें

एक करोड़ रुपये का 912 किलो डोडा बरामद

चतरा(बिभा)। चतरा पुलिस ने नशा तस्करों के खिलाफ बड़ी कार्रवाई करते हुए लावालौंग थाना क्षेत्र के होसिर गांव से 912 किलोग्राम डोडा (पोस्ता भूसी) बरामद किया है। बरामद डोडा की अंतरराष्ट्रीय बाजार में अनुमानित कीमत करीब एक करोड़ रुपये बताई जा रही है। हालांकि पुलिस के पहुंचने से पहले ही आरोपित तस्कर जंगाली गंझू फरार हो गया। रविवार को पुलिस अधीक्षक कार्यालय में आयोजित प्रेस वार्ता में सिमरिया एसडीपीओ नागरगोजे शुभम भाऊ साहेब ने बताया कि गुप्त सूचना के आधार पर की गई छापेमारी में आरोपी के घर से भारी मात्रा में डोडा बरामद किया गया। आरोपित की गिरफ्तारी के लिए लगातार छापेमारी की जा रही है। पुलिस ने इस मामले में प्राथमिकी दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। साथ ही यह पता लगाया जा रहा है कि डोडा कहां से लाया गया था और इसकी आपूर्ति किन क्षेत्रों में की जानी थी। एसडीपीओ ने कहा कि जिले में नशा तस्करी के खिलाफ अभियान लगातार जारी रहेगा और इसमें शामिल किसी भी व्यक्ति को बख्शा नहीं जाएगा। छापेमारी अभियान में लावालौंग थाना के पुलिस अवर निरीक्षक विधायक प्रसाद यादव सहित जिला बल के जवान शामिल थे।

झारखंड क्षत्रिय महासंघ कमेटी गठित, जितेंद्र सिंह बने प्रदेश अध्यक्ष

रांची(बिभा)। झारखंड क्षत्रिय महासंघ की ओर से रविवार को नेवरी विकास स्थित परिसर में समीक्षात्मक बैठक हुई। इस अवसर पर सर्वसम्मति से महासंघ की कार्यकारी कमेटी का गठन करते हुए जितेंद्र सिंह को झारखंड क्षत्रिय महासंघ का प्रदेश कार्यकारी अध्यक्ष मनोनीत किया गया। इसके अलावे बैठक में राधाचरण सिंह को उपाध्यक्ष, हरिशंकर सिंह को सचिव, मनोज सिंह को प्रदेश मीडिया प्रभारी, कुलेश्वर राय को कोषाध्यक्ष तथा अभिनय सिंह, शिव नारायण सिंह उर्फ शिबू सिंह, रामेश्वर दयाल सिंह, रामप्रवेश सिंह और मुरारी सिंह को संरक्षक सहित विभिन्न जिला प्रखंडों के अध्यक्षों की भी घोषणा की गई। इस अवसर पर नवनियुक्त अध्यक्ष जितेंद्र सिंह ने कहा कि क्षत्रिय समाज को संगठित एवं मजबूत बनाना हम सभी की जिम्मेदारी है। राजपूत समाज को एक माला में बांधकर संगठित करना है। उन्होंने कहा कि समाज की एकजुटता से संगठन को नई दिशा और मजबूती मिलेगी। उन्होंने घोषणा की कि महासंघ की गठित कमेटि राजपूत समुदाय की हर समस्या पर गांव-गांव जाकर समस्याओं का निदान करेगी। जल्द ही जिला कमेटी का भी गठन किया जाएगा, ताकि समाज की भागीदारी और प्रतिनिधित्व को सशक्त बनाया जा सके। कार्यक्रम का संचालन विकास हॉस्पिटल के सीएमडी राधाचरण सिंह ने किया। उन्होंने कहा कि समाज की एकता और संगठनात्मक मजबूती वर्तमान समय की आवश्यकता है। समाज के सभी वर्गों को एक मंच पर लाकर सामाजिक, शैक्षणिक एवं संगठनात्मक विकास के लिए कार्य करना होगा। बैठक में समाज के हितों की रक्षा, संगठन के विस्तार तथा युवाओं की भागीदारी बढ़ाने पर भी चर्चा हुई। इस अवसर पर राज्यभार से आए क्षत्रिय समुदाय के बड़ी संख्या में लोग मौजूद थे।

राम मंदिर चढ़ावा चोरी मामले के सभी आरोपित जाएंगे जेल : आदित्य

बिभा संवाददाता

पलामू। भारतीय जनता पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष एवं राज्यसभा सांसद आदित्य साहू ने कहा है कि अयोध्या राम मंदिर चढ़ावा चोरी मामले की जांच में जो भी दोषी पाया जाएगा, उसके खिलाफ कड़ी कार्रवाई होगी और किसी को भी बख्शा नहीं जाएगा। उन्होंने कहा कि उत्तर प्रदेश की योगी आदित्यनाथ सरकार ऐसे मामलों को लेकर बेहद संवेदनशील है और अब तक कई आरोपितों को गिरफ्तार कर जेल भेजा जा चुका है।

दो दिवसीय दौरे पर पलामू पहुंचे आदित्य साहू ने रविवार को मेदिनीनगर स्थित परिसदन में आयोजित संवाददाता सम्मेलन में कहा कि चाहे चंपत राय हों या राम मंदिर ट्रस्ट से जुड़ा कोई अन्य व्यक्ति, यदि जांच में दोषी पाए जाते हैं तो उन्हें अपने कृत्य की सजा अवश्य मिलेगी।

उन्होंने कहा कि अयोध्या में राम जन्मभूमि पर भव्य मंदिर का निर्माण भारतीय जनता पार्टी के प्रमुख संकल्पों में शामिल था और उसके पूरा होने के बाद श्रद्धालुओं की आस्था से जुड़े चढ़ावे में किसी भी प्रकार की वित्तीय अनियमितता को केंद्र या उत्तर प्रदेश सरकार कतई बर्दाश्त नहीं करेगी। उन्होंने कहा कि मामले की जांच के लिए विशेष जांच दल (एसआईटी) का गठन किया गया है तथा त्वरित कार्रवाई करते हुए नामजद सभी आठ आरोपितों को गिरफ्तार किया जा चुका है। मामले की आगे भी जांच जारी है।

झारखंड की कानून-व्यवस्था पर सवाल उठाते हुए आदित्य साहू ने राज्य सरकार पर भी निशाना साधा। उन्होंने आरोप लगाया कि राज्य में नौकरशाही हावी है और इसका संकेत स्वयं राज्य सरकार के वित्त मंत्री राधाकृष्ण किशोर की हालिया कार्रवाई से मिलता है। उन्होंने कहा कि वित्त मंत्री को पलामू जिले के छतरपुर क्षेत्र में अवैध खनन के खिलाफ स्वयं आधी रात को छापेमारी करनी पड़ी, जो प्रशासनिक व्यवस्था पर गंभीर प्रश्न खड़े करता है।

उन्होंने आरोप लगाया कि राज्य में हत्या, लूट और दुष्कर्म जैसी घटनाएं लगातार बढ़ रही हैं तथा कानून-व्यवस्था की स्थिति चिंताजनक बनी हुई है। साहू ने कहा कि झारखंड राज्य के गठन के समय जिन उद्देश्यों को लेकर अलग राज्य की मांग की गई थी, वे 26 वर्ष बाद भी पूरे नहीं हो सके हैं।

भाजपा प्रदेश अध्यक्ष ने मेदिनीनगर के कारोबारी विनीत तिवारी हत्याकांड का उल्लेख करते हुए आरोप लगाया कि इस मामले के मुख्य अभियुक्त की अब तक गिरफ्तारी नहीं होना पुलिस व्यवस्था की विफलता को दर्शाता है। उन्होंने यह भी कहा कि पुलिस रिमांड के दौरान चैनपुर के मंटू सिंह के साथ कथित मारपीट के मामले में न्यायालय की टिप्पणी के बावजूद संबंधित पुलिस अधिकारियों के विरुद्ध कार्रवाई नहीं होना गंभीर विषय है। उन्होंने आरोप लगाया कि राज्य में आपराधिक तत्वों को राजनीतिक संरक्षण प्राप्त है, जिसके लिए मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन जवाबदेह हैं।

अनाथ बच्चों के बीच सेवा कार्य, उपहार वितरित कर मनाई खुशियां

बिभा संवाददाता

धनबाद : नेताजी सुभाष चंद्र बोस समिति श्यामनगर भूली के द्वारा पेमिया ऋषिकेश मेमोरियल आवासीय अनाथ विद्यालय पोखरिया पूर्वी टुंडी धनबाद रह रहे अनाथ बच्चों को भोजन के साथ साथ उपहार दिया गया।

कार्यक्रम मे टुंडी विधायक मथुरा महतो जी भी उपस्थित रहे। कार्यक्रम मे विद्यालय के कुल 60 बच्चों अपनी अपनी बाते रखी और संस्था को धन्यवाद देते हुए कहा कि आपलोग बिच बिच मे आते रहे जिससे की हमलोगो के नसीब मे जो माता पिता एवं अभिभावक की जो कमी हैं वो पूरा हो पाए।

संस्था का एक ही संकल्प है की हर जरूरतमंद तक पहुंचकर उनकी मदद करना और सेवा देना। इस कार्यक्रम मे नेताजी सुभाष चंद्र बोस समिति के संयोजक राजेंद्र प्रसाद साहू अध्यक्ष राकेश कांति विश्वास सचिव दिलबाग सिंह गोपाल बैनर्जी, प्रदीप श्रीवास्तव मीडिया प्रभारी नीलकमल खावास, पवन अग्रवाल,सूजॉय सरकार, अखिलेश कुमार श्रीवास्तव, मंजू देवी, पूर्णिमा विस्वास,सोनू कुमार, गंगोत्री सिंह एवं नीलू कुमारी ने अपना अहम योगदान दिया।

राष्ट्रीय सांख्यिकी दिवस आज

सटीक,पारदर्शी और विश्वसनीय आंकड़ों से सशक्त राष्ट्र निर्माण का आधार : संजय सर्राफ

बिभा संवाददाता

रांची : हिंदी साहित्य भारती के उपाध्यक्ष सह झारखंड पेरेंट्स एसोसिएशन के प्रांतीय प्रवक्ता संजय सर्राफ ने कहा है कि राष्ट्रीय सांख्यिकी दिवस भारत में प्रत्येक वर्ष 29 जून को मनाया जाता है। यह दिवस भारत के महान सांख्यिकीविद् एवं वैज्ञानिक प्रोफेसर प्रशांत चंद्र महालनोबिस की जयंती के उपलक्ष्य में मनाया जाता है। इस दिवस की शुरूआत वर्ष 2007 में भारत सरकार द्वारा की गई थी। इसका उद्देश्य सांख्यिकी के महत्व के प्रति जन-जागरूकता बढ़ाना तथा नीति-निर्माण, विकास योजनाओं और सुशासन में विश्वसनीय आंकड़ों की भूमिका को रेखांकित करना है।सांख्यिकी किसी भी राष्ट्र के विकास की आधारशिला मानी जाती है। किसी देश की आर्थिक, सामाजिक, शैक्षिक, स्वास्थ्य, कृषि, उद्योग तथा रोजगार संबंधी योजनाओं का निर्माण विश्वसनीय आंकड़ों के आधार पर ही किया जाता है। सटीक और प्रमाणिक आंकड़े सरकार को योजनाओं की वास्तविक स्थिति का आकलन करने, संसाधनों का उचित उपयोग सुनिश्चित करने तथा विकास कार्यों को प्रभावी ढंग से लागू करने में

सहायता प्रदान करते हैं।प्रोफेसर प्रशांत चंद्र महालनोबिस ने भारत में आधुनिक सांख्यिकी को नई दिशा प्रदान की।उन्होंने महालनोबिस दूरी जैसी महत्वपूर्ण सांख्यिकीय अवधारणा विकसित की तथा बड़े पैमाने पर नमूना सर्वेक्षण की वैज्ञानिक पद्धति को लोकप्रिय बनाया। उनके योगदान के कारण भारत में योजनाबद्ध विकास और आंकड़ा-आधारित नीति निर्माण को नई मजबूती मिली।राष्ट्रीय सांख्यिकी दिवस का मुख्य उद्देश्य विद्यार्थियों, शोधकताओं, नीति-निमार्ताओं और आम नागरिकों को सांख्यिकी के महत्व से परिचित कराना, आंकड़ों के वैज्ञानिक विश्लेषण को प्रोत्साहित करना तथा साक्ष्य-आधारित निर्णय लेने की संस्कृति को बढ़ावा देना है। इस अवसर पर देशभर में संगोष्ठियों, कार्यशालाओं, व्याख्यानों, प्रतियोगिताओं और जागरूकता कार्यक्रमों का आयोजन किया जाता है, जिनमें सांख्यिकी के विभिन्न आयामों पर विशेषज्ञ अपने विचार साझा करते हैं।इस दिवस की विशेषता यह है कि यह केवल आंकड़ों के संग्रह तक सीमित नहीं है, बल्कि उनके सही विश्लेषण, पारदर्शी उपयोग और विश्वसनीय प्रस्तुतीकरण के महत्व पर भी बल देता है। आज के डिजिटल युग में डेटा को नई अर्थव्यवस्था का महत्वपूर्ण संसाधन माना जाता है। कृत्रिम बुद्धिमत्ता (अक), मशीन लर्निंग, डिजिटल शासन, स्वास्थ्य अनुसंधान, जलवायु परिवर्तन, जनगणना तथा आर्थिक नियोजन जैसे क्षेत्रों में सांख्यिकी की भूमिका पहले से कहीं अधिक महत्वपूर्ण हो गई है।राष्ट्रीय सांख्यिकी दिवस हमें यह संदेश देता है कि सटीक, पारदर्शी और विश्वसनीय आंकड़े किसी भी राष्ट्र की प्रगति, सुशासन और समावेशी विकास के लिए अनिवार्य हैं। वैज्ञानिक सोच, प्रमाण-आधारित निर्णय और उत्तरदायी प्रशासन के माध्यम से ही भारत एक विकसित, आत्मनिर्भर और समृद्ध राष्ट्र बनने की दिशा में निरंतर आगे बढ़ सकता है।

पुलिस प्रताड़ना की शिकार अल्पना को 'ऑल महली ट्राइब एम्प्लाइज वेलफेयर ट्रस्ट ने आर्थिक सहायता प्रदान की

बिभा संवाददाता

रांची : ऑल महली ट्राइब एम्प्लाइज वेलफेयर ट्रस्ट, राँची ने समाज के प्रति अपनी संवेदनशील प्रतिबद्धता का परिचय देते हुए कथित पुलिस प्रताड़ना की शिकार अल्पना महली को 11,000 (ग्यारह हजार रुपये) की आर्थिक सहायता प्रदान की।

ट्रस्ट के अध्यक्ष मनोज कुमार तिर्की ने सहायता राशि प्रदान करते हुए कहा कि यह सहयोग केवल आर्थिक सहायता नहीं, बल्कि न्याय, मानवाधिकार और सामाजिक एकजुटता के प्रति महली समाज की अटूट प्रतिबद्धता का प्रतीक है। उन्होंने कहा कि सुश्री अल्पना महली ने जिस शारीरिक एवं मानसिक पीड़ा का सामना किया है, उसकी भरपाई किसी भी धनराशि से संभव नहीं है, किंतु समाज का यह सहयोग उन्हें यह विश्वास दिलाने का प्रयास है कि न्याय की इस लड़ाई में वे अकेली नहीं हैं।

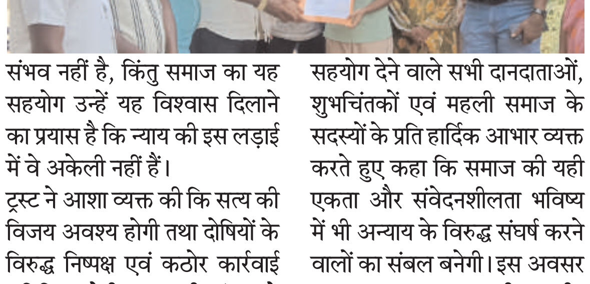

ट्रस्ट ने आशा व्यक्त की कि सत्य की विजय अवश्य होगी तथा दोषियों के विरुद्ध निष्पक्ष एवं कठोर कार्रवाई सुनिश्चित होगी। साथ ही संस्था ने सुश्री अल्पना महली के शीघ्र स्वास्थ्य लाभ, सम्मानजनक जीवन एवं उज्ज्वल भविष्य की मंगलकामना की। ट्रस्ट ने इस मानवीय अभियान में आर्थिक सहयोग देने वाले सभी दानदाताओं, शुभचिंतकों एवं महली समाज के सदस्यों के प्रति हार्दिक आभार व्यक्त करते हुए कहा कि समाज की यही एकता और संवेदनशीलता भविष्य में भी अन्याय के विरुद्ध संघर्ष करने वालों का संबल बनेगी। इस अवसर पर बादल कुमार महाली महाबीर तिर्की, मनोज कुमार तिर्की, अशोक महली, मनोज महली, भोला महली, योग माझी, शंकर सेन महाली, डॉ एस0 एन0 मुर्मू और अनेक समाज सेवी उपस्थित रहे.

ब्राउन शुगर के साथ दो तस्कर गिरफ्तार

लोहरदगा। लोहरदगा थाना पुलिस ने ब्राउन शुगर की खरीद-बिक्री और सेवन की सूचना पर बड़ी कार्रवाई करते हुए दो आरोपितों को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने अलीनगर स्थित एक खाली मकान में छापेमारी कर दोनों आरोपितों को रंगे हाथों पकड़ा। उनके पास से जांच के बाद 7.40 ग्राम ब्राउन शुगर, एक मोबाइल फोन और 3,015 रुपये नकद बरामद किए गए। पुलिस के अनुसार, गिरफ्तार आरोपितों की पहचान टोरी थाना क्षेत्र निवासीइसरोज अंसारी उर्फ हेदर (27) और हिरही बड़काटोली निवासी जावेद अंसारी उर्फ बिल्ला (25) के रूप में हुई है। दोनों के खिलाफ लोहरदगा थाना कांड संख्या 89/2026 के तहत एनडीपीएस एक्ट की धारा 17(बी), 21(बी), 22(बी) एवं 29के अंतर्गत मामला दर्ज किया गया है। रविवार को दोनों को न्यायिक हिरासत में जेल भेज दिया गया। पुलिस ने बताया कि आरोपितों के पास से ब्राउन शुगर के तीन बड़े और 20 छोटे पुड़िया, एक वीवो एंड्रॉयड मोबाइल फोन तथा 3,015 रुपये नकद बरामद हुए हैं। जांच में यह भी सामने आया कि दोनों आरोपितों का आपराधिक इतिहास रहा है।

बिहान भारत की ओर से स्वात्वाधिकारी प्रकाशक एवं मुद्रक **संजय कुमार** के लिए वाटिका अपार्टमेंट,भोसले गली,हरिहर सिंह रोड,बरियातू,रांची-834009(झारखंड) दूरभाषः 7761060594, 7004767601 से प्रकाशित तथा शिवा साई पब्लिकेशन प्रा.लि. (एसएच प्रिंटर प्रा.लि.), काठीटांड रातु, नियर टेंडर बगीचा, एचपी पेट्रोल पंप, रातु, रांची - 835222 झारखंड से मुद्रित। समस्त दीवानी विवाद, न्यायोचित कार्रवाई एवं दंडित परिवादो के लिए क्षेत्राधिकार रांची न्यायालय में रहेगा। **संपादक : कविता साहू**(*पीआरबी एक्ट के तहत खबरों के चयन के लिए जिम्मेदार)। **प्रबंध संपादक : बीरेन्द्र महली ।**
Email-bihanbharat@gmail.com, bihanbharatranchinews@gmail.com